मंगलवार
16 जुलाई 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

पटना में दो बच्चों की नृशंस हत्या, बेरहमी से पीटने के बाद निकाल ली गई थीं आंखें
2

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को मिलेगा 'स्वाद का संगम', 25 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में स्थापित होगा फूड कोर्ट

- सीएम योगी के विजन के अनुरूप महाकुंभ-2025 के लिए मेला क्षेत्र का हो रहा विकास
- सभी प्रकार की सुविधाओं से किया जा रहा लैस

उप्र स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने शुरू की तैयारी

केटी न्यूज/लखनऊ/प्रयागराज

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार ने महाकुंभ-2025 के आयोजन को लेकर तमाम प्रकार की तैयारियों में तेजी ला रही है। महाकुंभ 2025 में दुनिया के 75 देशों से करोड़ों भक्तों के आने का अनुमान है तथा 5 शाही स्नानों के अतिरिक्त महाकुंभ में प्रत्येक घंटे लाखों भक्त पवित्र डुबकी लगाएंगे। ऐसे में, उन्हें स्थानीय खानपान, स्वादिष्ट मिठाइयों व कई प्रकार की व्यंजन शैलियों का स्वाद मिल सके इस क्रम में योगी सरकार भव्य फूड कोर्ट की स्थापना मेला क्षेत्र में करने जा रही है। उल्लेखनीय है कि महाकुंभ में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को गुणवत्तापूर्ण भोजन सेवाएं प्रदान करने के मंशा से, उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (यूपीएसटीडीसी) प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के लिए एक भव्य फूड कोर्ट को विकसित करने जा रही है। खास बात यह है कि इन फूड स्टॉल्स में श्रद्धालुओं को स्थानीय खानपान व स्वादिष्ट मिठाइयों समेत विभिन्न प्रकार की व्यंजन शैली के पकवान भी परोसे जाएंगे।

मेला क्षेत्र के परेड ग्राउंड क्षेत्र में होगा फूड कोर्ट का संचालन: यूपीएसटीडीसी ने फूड कोर्ट की स्थापना व संचालन के लिए मेला क्षेत्र के परेड ग्राउंड क्षेत्र में सिविल लाइंस कैथेड्रल चर्च के पास लगभग 25,000 वर्ग फीट का भूखंड चिह्नित किया है। यह मेला क्षेत्र के सेक्टर-1 में गंगा पंडाल व टूरिज्म टेंट कॉलोनी के पास परेड ग्राउंड रोड के किनारे स्थित होगा तथा यहां 15 गुणा 15 वर्ग फीट के कुल 25 फूड स्टॉल्स की स्थापना व संचालन किया जाएगा। इस फूड कोर्ट के विकास तथा विभिन्न प्रकार के फूड स्टॉल्स की स्थापना व संचालन के लिए एजेंसी का निर्धारण किया जाएगा जिसकी नियुक्ति के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे गए हैं। उल्लेखनीय है कि कायार्वंटन के उपरांत एजेंसी द्वारा मेला क्षेत्र में फूड कोर्ट के निर्धारित क्षेत्र पर तेजी से कार्य आगे बढ़ाया जाएगा जिससे मेला आयोजन से महीनों पहले ही यह क्षेत्र फूड कोर्ट के तौर पर विकसित किया जा सके।

जुटेगी करोड़ों की भीड़, 24 घंटे ऑपरेशनल रहेगा फूड कोर्ट

महाकुंभ-2025 में 75 देशों के करोड़ों भक्तों के आने का अनुमान है। 3 महीने चलने वाले इस महामेले में कुल 5 शाही स्नान होंगे। मेले के अंतर्गत पहला स्नान पौष पूर्णिमा के रूप में 13 जनवरी 2025 को होगा। इसके बाद 14 जनवरी को पहले शाही स्नान होगा। इसके बाद, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या, 3 फरवरी को बसंत पंचमी, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा तथा 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर शाही स्नान होंगे। आंकलन है कि स्नान अवधि के दौरान 2 लाख लोग प्रति घंटे संगम क्षेत्र में पवित्र डुबकी लगाएंगे। ऐसे में, इन सभी लोगों को भोजन, मिष्ठान, चाय, पेजयल समेत अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किये जा रहे फूड कोर्ट्स को 24 घंटे ऑपरेशनल रखा जाएगा। इन फूड स्टॉल्स के संचालन के लिए प्रपोज्ड वैलिडिटी पीरियड 180 दिन निर्धारित की गई है तथा थ्रेशहोल्ड रेंटल फीस 61.50 लाख रखी गई है। फूड कोर्ट में देश भर के विभिन्न व्यंजन शैलियों का संगम देखने को मिलेगा। यहां स्थानीय पारंपरिक सात्विक भोजन को तरजीह दी जाएगी। इसमें बाटी-चोखा, अवधी थाली, बनारसी थाली, विभिन्न प्रकार की खिचड़ी, मारवाड़ी, गुजराती तथा जैन थाली व व्यंजन मिल सकेंगे। इसके अतिरिक्त, देश भर के मिष्ठानों (जिनमें बंगाली मिष्ठान मुख्य हैं) तथा स्थानीय प्रसिद्ध मिठाइयों का भी श्रद्धालु लुत्फ उठा सकेंगे।

साइबर अपराधियों ने ठगी की बड़ी घटना को दिया अंजाम

नोएडा के नैनीताल बैंक का सिस्टम हैक कर निकाल लिये 16 करोड़ रु

- 17 से 21 जून 2024 तक धोखाधड़ी से लेनदेन किए गए और संदिग्ध खातों में ट्रांसफर किए गए हैं रुपये
- कई दिनों तक बैलेंस शीट का मिलान सही न हो पाने की वजह से जब बैंक ने जांच की तब पकड़ में आया मामला

एजेंसी/नोएडा

उत्तर प्रदेश के नोएडा में अब बैंक से फजीर्वाड़े का मामला सामने आया है। साइबर फ्रॉड गिरोह ने बैंक के सिस्टम में सेंधमारी कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। सेक्टर 62 स्थित नैनीताल बैंक का सिस्टम हैक कर 16 करोड़ एक लाख 83 हजार 261 रुपये निकाले का मामला सामने आया है। कई दिनों तक बैलेंस शीट का मिलान सही न हो पाने की वजह से बैंक ने मामले की जांच की। इस दौरान बैंक के सर्वर में घुसपैठ करके हैकिंग का मामला सामने आया। इसको लेकर बैंक के आईटी मैनेजर ने साइबर क्राइम थाने के साथ ही सर्ट- इन (इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम) और अन्य बड़ी एजेंसियों से मामले की शिकायत की है।

पुलिस को दी गई शिकायत में सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वह सेक्टर 62 स्थित नैनीताल बैंक में आईटी मैनेजर हैं। उन्होंने बताया कि उनके बैंक में 17 जून को रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) खाते के नियमित समाधान के दौरान बैलेंस सीट में 3 करोड़ 60 लाख 94 हजार 20 रुपये का अंतर पाया गया। इसके बाद आरटीजीएस टीम ने स्ट्रक्र्ड फाइनैंशिल मैसेजिंग सिस्टम (एसएफएमएस) सर्वर के साथ कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) में लेनदेन की जांच किया। इस दौरान पाया गया कि सीबीएस (कोर बैंकिंग सिस्टम) और स्ट्रक्र्ड फाइनैंशयल मैसेजिंग सिस्टम (एसएफएमएस) में कुछ खामियां हैं। इसके बाद 18 जून को आरबीआई बैलेंस सीट में 2,19,23,050 का अंतर पाया गया। जांच में आरबीआई प्रणाली में 16,95,33,221.11 बैंक सीबीएस के साथ-साथ एसएफएमएस में नहीं दिख रहे थे। इस दौरान पता चला कि बैंक से 84 बार लेनदेन धोखाधड़ी के जरिए हुए हैं।

आरटीजीएस सिस्टम को हैक कर ठगी की घटना को दिया अंजाम

बैंक के आईटी मैनेजर ने बताया कि जांच में पता चला कि आरटीजीएस की संदिग्ध हैकिंग करके धोखाधड़ी से लेनदेन किए गए और संदिग्ध खातों में 17 से 21 जून 2024 तक रुपये ट्रांसफर किए गए। इसके साथ ही आरटीजीएस सेटलमेंट से रुपये आरबीआई खाते से निकाला गया और राशि कई बैंकों के खातों में जमा की गई। धोखाधड़ी से ट्रांसफर की गई रकम को फिर से वापस पाने के लिए संबंधित बैंकों को ई-मेल भेजकर खातों को फ्रीज करने के लिए कहा गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

नैनीताल बैंक में सेंधमारी मामले में पुलिस की ओर से मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस संबंध में नोएडा के एसीपी साइबर विवेक रंजन राय ने कहा कि नोएडा सेक्टर-62 स्थित नैनीताल बैंक के आईटी मैनेजर की ओर से थाने में एक शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में 16 से 20 जून के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा इनके सर्वर को हैक कर 16.5 करोड़ रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए गए। जांच में 89 खाते प्रकाश में आए हैं, इसके संबंध में विशेष टीम का गठन कर जांच की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही इस मामले में आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई का दावा किया है।

आम बजट में हो सकता है 3-4 नए इकनॉमिक कॉरिडोर का एलान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेंगी। इसे लेकर सभी तरह की तैयारियों को आखिरी रूप दिया जा रहा है। आम बजट में भारतीय रेलवे और आम यात्रियों के लिए क्या कुछ खास होगा। यात्रियों को क्या नई सुविधाएं मिलेंगी इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक, आम बजट में 3 से 4 नए इकनॉमिक कॉरिडोर का एलान हो सकता है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तहत कोल और मिनरल के लिए अलग कॉरिडोर बनाने का एलान हो सकता है। वहीं, देश में पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा इस बजट में हो सकती है। इसके अलावा बुलेट ट्रेन के नए रूट्स का एलान किया जा सकता है।

स्टेशन पुनर्विकास और गति शक्ति मिशन को भी प्राथमिकता मिल सकती है। वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। रेल दुर्घटनाओं को देखते हुए बजट में ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम कवच के लिए निर्धारित राशि में बढ़ोतरी की जा सकती है। रकार ने अंतरिम बजट 2023 में एनर्जी, मिनरल और सीमेंट कॉरिडोर बनाने का एलान किया था। अब सरकार को इसे प्राथमिकता के आधार पर शामिल कर इस पर तेजी से काम करना चाहिए। ये तीनों कॉरिडोर के समय से पूरा होने से भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम मोदी से की मुलाकात, विकास के लिए मांगा सहयोग

एजेंसी/रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। यह मुलाकात सोमवार को पीएम आवास पर हुई। बताया जा रहा है कि झारखंड के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली औपचारिक मुलाकात थी। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं ने राज्य के विकास पर चर्चा की। जेल से रिहा होने और दोबारा सीएम बनने के बाद हेमंत सोरेन की पीएम नरेंद्र मोदी से यह पहली मुलाकात थी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब झारखंड में विकास के कई मुद्दे चर्चा में हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री से इन मुद्दों पर चर्चा की होगी और राज्य के लिए सहयोग मांगा होगा। हालांकि, मुलाकात के दौरान किन मुद्दों पर बात हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

दिल्ली दौरे पर सीएम हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की। पीएमओ की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस मुलाकात की जानकारी दी गई। द्रौपदी मुर्मू झारखंड की राज्यपाल भी रह चुकी हैं। दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है।

अभी जेल में ही रहेंगे मुख्यमंत्री केजरीवाल, 7 को होगी सुनवाई

एजेंसी/ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित दिल्ली शराब नीति मामले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई टाल दी। अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। इससे पहले हाईकोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को जमानत देने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के मामले में अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी थी, हालांकि वे अभी भी जेल में हैं क्योंकि उन्हें दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में सीबीआई द्वारा कथित भ्रष्टाचार के मामले में भी गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश है जिसके तहत उन्हें अंतरिम जमानत दी गई है। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि उन्हें और समय चाहिए क्योंकि ईडी ने कल रात 11 बजे याचिका पर नया जवाब दाखिल किया है। केजरीवाल के वकील ने समय मांगा है। इसी के बाद कोर्ट ने सुनवाई 6 अगस्त के लिए स्थगित कर दिया है। अब सुनवाई 7 अगस्त को होगी।

अडाणी-हिंडनबर्ग केस में फैसले की समीक्षा से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में अपने 3 जनवरी के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में अडाणी ग्रुप की ओर से स्टॉक प्राइस में हेरफेर के आरोपों की जांच SIT या CBI को ट्रांसफर करने से इनकार कर दिया था। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह याचिका खारिज की है। इस याचिका को अनामिका जायसवाल ने दायर किया था। समीक्षा याचिका में दावा किया गया था कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में गलतियां और त्रुटियां थीं।

अगले पांच दिनों तक बिहार, उप्र समेत कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

एजेंसी/नई दिल्ली

देश के अधिकांश राज्यों में मानसून एक्टिव हो गया है। महाराष्ट्र में कई जगह तेज बरसात से जलजमाव हो गया, तो बिहार और उत्तर प्रदेश के भी कई शहरों में बाढ़ जैसे हालत बन गए हैं। हालांकि उत्तराखंड में बारिश में थोड़ी कमी आई है। पहले के मुकाबले असम में भी हालात काबू हैं। इसी बीच मौसम विभाग ने कई राज्यों में फिर तेज बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले पांच दिनों तक केरल, गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, एमपी, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा के अलावा तमिलनाडु के कई क्षेत्रों में भारी बारिश देखने को मिल सकती है।

तलाकशुदा महिलाओं के भरण पोषण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला शरीअत के खिलाफ : पर्सनल लॉ बोर्ड

एजेंसी/नई दिल्ली

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने नई दिल्ली में अहम बैठक की। प्रेसीडेंट हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में बोर्ड ने निर्णय लिया कि मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं के भरण-पोषण पर शीर्ष अदालत का हालिया फैसला इस्लामी कानून (शरीयत) के खिलाफ था। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने पवित्र कुरान के अनुसार निकाह को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही कहा कि तलाक के बाद पुरुषों को पूर्व पत्नियों को बनाए रखने के लिए मजबूर करना अव्यावहारिक है। बैठक की कार्रवाई का संचालन महासचिव मौलाना मुहम्मद फजलुर्रहीम मुजादीदी ने किया, जिसमें देश भर से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुस्लिम पर्सनल बोर्ड ने अपने अध्यक्ष को यह अधिकार दिया कि वह इस फैसले को वापस कराने के लिए कोई भी कदम उठा सकते हैं। गौरतलब है कि बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पूर्व पति से भरण-पोषण पाने का अधिकार है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा कि यह फैसला उन मुस्लिम महिलाओं के लिए मुश्किल खड़ी करेगा, जो अपने दर्दभरे रिश्ते से सफलतापूर्वक बाहर आ चुकी हैं।

304.83 करोड़ रुपए की लागत से पूरी होगी परियोजना, योगी सरकार ने शुरू की तैयारी

भरा पचपेड़ा का औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर होगा मेकओवर

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार ने प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने और स्ट्रैटेजिक लोकेशंस को नए तरीके से औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर विकसित करने की दिशा में योगी सरकार कई परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। अब इसी कड़ी में पीलीभीत के भरा पचपेड़ा को भी औद्योगिक क्षेत्र के तौर वर विकसित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तराई का यह क्षेत्र उत्तराखंड से सटा हुआ है, ऐसे में यहां औद्योगिक निवेश तो आया ही है, कुछ औद्योगिक इकाइयां भी संचालित हो रही है। अब उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा यहां औद्योगिक क्षेत्र के विकास से बड़े स्तर पर कायाकल्प होगा। सीएम योगी के विजन अनुसार इस क्षेत्र को ट्रांसफॉर्म करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी। अब इसी कार्ययोजना पर कार्य करते हुए यूपीसीडा 304.83 करोड़ रुपए की लागत से पीलीभीत के भरा पचपेड़ा को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है।

दो फेज में होगी विकास प्रक्रिया: यूपीसीडा द्वारा भरा पचपेड़ा क्षेत्र को दो फेज में औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर विकसित किया जाएगा। पहले फेज में प्रक्रिया के तहत 184.12 करोड़ रुपए तथा दूसरे फेज में 120.71 करोड़ रुपए व्यय करके विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। सभी निर्माण कार्यों को इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन माध्यम से पूरा किया जाएगा तथा एजेंसी निर्धारण के उपरांत 18 महीने के अंदर विकास कार्यों को पूरा करने की समयावधि तय की गई है। सभी निर्माण कार्यों के डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड के रूप में 36 महीनों की समयसीमा निर्धारित की गई है।

परियोजना के अंतर्गत भरा पचपेड़ा के विकास का जो खाका खींचा गया है, उसमें रोड्स व बिज का नेटवर्क भी शामिल है। परियोजना के अंतर्गत चिह्नित औद्योगिक क्षेत्र को 18 से 45 मीटर के सड़कों के जाल से जोड़ा जाएगा। अर्थ वर्क, रोड पेवमेंट, रोड लेकर, रोड मार्किंग, साइनेज, ट्रक ले बाय, रोड ड्रेनेज वर्क्स, फुटपाथ, मीडियन व जंक्शंस का विकास किया जाएगा।

औरंगाबाद में निमार्णाधीन पुल का डायवर्सन पानी में बहा, कई गावों से टूटा संपर्क

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पुल-पुलिया और सड़को के ध्वस्त होने के बीच अब औरंगाबाद में निमार्णाधीन पुल का डायवर्सन पानी में बह गया है। डायवर्सन के टूटने के कारण इस इलाके के कई गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से भंग हो गया है। सड़क मार्ग भंग होने के बाद इलाके के लोगों में जिला प्रशासन के खिलाफ गहरी नाराजगी है और लोग भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, देव प्रखंड के चट्टी बाजार स्थित अंबा-देव रोड में पुल का निर्माण कराया जा रहा है। आवागमन बाधित न हो इसको लेकर पुल के बगल में डायवर्सन बनाया गया है। पानी के तेज बहाव के कारण डायवर्सन पानी में बह गया और कई गांवों को

संपर्क भंग हो गया है। डायवर्सन के पानी में बहने के बाद इलाके के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इलाके के लोगों का कहना है कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण निर्माण कार्य में एजेंसी द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। निर्माण एजेंसी और ठेकेदार की मिलीभगत से सरकार के पैसों का बंदरबांट किया जा रहा है। दर्जनों गांवों के हजारों लोगों का आने-जाने का यही एक मात्र रास्ता था, जो अब टूट चुका है। बता दें कि बीते 18 जून से बिहार में पुलों के गिरने का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह अब भी जारी है। लगातार पुल-पुलिया धराशायी होने की खबरें राज्य के अलग-अलग जिलों से आ रही है। विपक्षी दल इसको लेकर सरकार पर हमलावर बने हुए हैं और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं वहीं सत्ताधारी दल इसे आरजेडी के भ्रष्टाचार का नतीजा करार दे रहे हैं।

पटना में गंगा नदी का जलस्तर, निचले हिस्से में बाढ़ का खतरा

पटना। पटना में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जिसके कारण गंगा से सटे निचल इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। दरअसल, दूसरे राज्यों में लगातार हो रही बारिश के कारण पटना में गंगा का जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। जिसके कारण राजधानी में निचले हिस्से में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। वहीं निचले इलाके में रहने वाले लोग गंगा के बढ़ते जलस्तर से संभावित बाढ़ के कारण दहशत में हैं। लोगों का मानना है की लगातार जलस्तर में वृद्धि होने पर जल्द ही गंगा खतरे के निशान को पार कर जाएगी। पटना सिटी के भद्र घाट, मितन घाट और कंगन घाट, समेत अन्य घाटों के किनारे बाढ़ का खतरा बना हुआ है। गंगा की लहरे अब गंगा पथ के पास आ गई हैं, जिससे लोग खौफ में हैं।

पड़ोसी से बकाया पैसा मांगने पर महिला की गोली मारकर हत्या

केटी न्यूज/नालंदा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा में दिनदहाड़े एक महिला की गोली मारकर किया हत्या कर दी गई। महिला अपने पड़ोस में रहने वाले शख्स से कर्ज के रूप में दिए रुपए वापस मांगने कई थी। घटना सोहसराय थाना क्षेत्र के बड़ी पहाड़ी मनशूर नगर मोहल्ला की है। मृतिक महिला की पहचान मनशूर नगर निवासी संतोष चौधरी की पत्नी सुलेखा देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुलेखा देवी ने धारो चौधरी को कर्ज के तौर पर 20 हजार रुपये दिए थे। सोमवार की सुलेखा धारो चौधरी से अपना बकाया पैसा मांगने उसके घर गई थी। वहां से वापस घर लौटने के दौरान धारो चौधरी ने उसे गोली मार दी। गोली लगने के बाद सुलेखा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। आनन-फानन में परिजन महिला को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से गुस्साए परिजनों ने शव को सड़क पर रख दिया और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर हंगामा मचाया।

बेउर इलाके की घटना, गुस्साए लोगों ने बेउर-अनीसाबाद रोड जामकर किया हंगामा

पटना में दो बच्चों की नृशंस हत्या, बेरहमी से पीटने के बाद निकाल ली गई थीं आंखें

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में सुबह-सुबह हंगामा मच गया, जब सड़क किनारे एक गड्ढे में दो बच्चों के शव होने की जानकारी सामने आने के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया। लोगों में यह बात फैल गई थी कि बच्चों की पीटकर हत्या करने के साथ उनकी आंखें फोड़ दी गई हैं। यह घटना बेउर इलाके में हुई है। सोमवार सुबह डबल मर्डर के बाद बेउर-अनीसाबाद के बीच जमकर हंगामा हुआ। सड़क जाम कर लोगों ने प्रदर्शन किया। लोगों का कहना था कि दोनों बच्चों की नृशंस हत्या की गई है। दोनों की लाशें देखकर स्पष्ट लग रहा है कि अपराधियों ने उन्हें बेरहमी से पीटा। फिर दोनों की आंखें फोड़ दी। इससे भी मन नहीं भरा तो दोनों के छाती में चाकू से वार किया। लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

तीन बच्चे लापता थे, दो की लाशें मिलीं: लोगों का कहना है मॉर्निक वॉक करने निकले थे। इसी दौरान सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में दोनों बच्चों की लाशें दिखीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। लोगों का दावा है कि रविवार शाम से दोनों बच्चे लापता थे। इनमें से दो की

लाशें मिली है। अपराधियों ने दोनों की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना से गुस्साए लोगों ने पटना बाइपास सड़क को जाम कर किया और प्रदर्शन करने लगे। वारदात के बाद गर्दनीबाग और बेउर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है।

दोनों बच्चे कल शाम से ही लापता थे: घटना के बारे में पुष्टि करते हुए बेउर थाना प्रभारी सह प्रशिक्षु डीएसपी ने बताया कि गर्दनीबाग थाना क्षेत्र का रहने वाले दो बच्चों की लाश मिली है। इनकी पहचान विवेक कुमार (12) और प्रत्युष कुमार (11) के रूप में हुई है। दोनों गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के सरिस्ताबाद निवासी हैं। दोनों रविवार की शाम से ही लापता थे। सोमवार की सुबह एक अर्ध निर्मित मकान में दोनों की डेड बॉडी मिली है। लोगों को समझाया-बुझाया जा रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

घर से खेलने निकले थे दोनों: मृत विवेक कुमार के पिता विनोद कुमार ने बताया कि वह गाड़ी चलाने का काम किया करते हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा विवेक चौथी कक्षा में पढ़ता था। रविवार देर शाम दोनों घर से खेलने निकाले थे। उसके बाद अचानक लापता हो गया। काफी प्रयास के बाद जब दोनों का सुराग नहीं मिला तो उन्होंने इसकी सूचना गर्दनीबाग थाने को दी। रात्रि 10:00 बजे के आसपास जब गर्दनीबाग थाना को सूचना दिया गया तो थाना के एक सिपाही ने बताया कि अभी कोई पदाधिकारी नहीं है। कल सुबह आकर इसकी जानकारी दीजिए। इसके बाद परिवार के सभी लोग रात भर दोनों बच्चे को खोजते रहे।

पुलिस पर लापरवाह बरतने का आरोप: विनोद कुमार ने बताया कि सुबह में यह सूचना मिली कि दो बच्चे का शव 70 फीट के नजदीक एक पानी भरे गड्ढे में फेंका हुआ है। विनोद कुमार ने आरोप लगाया कि 70 फीट के नजदीक ग्रीन सिटी केंपस के पास वहां एक कमरे में बंद कर हाथ पैर बांधकर दोनों बच्चे को जमकर पीटा गया है। बच्चे की आंख फोड़ दी गई है, जीभ में चाकू मारा गया है। सीने पर चाकू से वार किया गया है और फिर हत्या करने के बाद दोनों के शव को पास के एक पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया गया है। उन्होंने इसे पुलिस की बड़ी लापरवाही बताते हुए कहा कि जो भी पुलिस पदाधिकारी इस मामले में दोषी हैं। इसके अलावा जो अपराधी है, जिन्होंने हत्या की है उनको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। गुस्साए लोगों ने सड़क को जाम किया।

बेगूसराय में नहाने के दौरान चार लड़कियां डूबीं, तीन की बच गई जान, एक की मौत

केटी न्यूज/ पटना

बेगूसराय में पानी भरे गड्ढे में स्नान करने के दौरान चार लड़कियां डूब गईं। उनमें से तीन लड़कियों को स्थानीय लोगों ने किसी तरह पानी भरे गड्ढे से निकाल कर उनकी जान बचाई। जबकि एक लड़की की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना परिहारा थाना क्षेत्र के बहुआरा स्थित सांखू गिदार चौड़ बहियार के पास की है। मृत लड़की की पहचान सांखू गांव के वार्ड नंबर-2 निवासी ज्ञानचंद तांती की राधा कुमारी (16) के रूप में की गई है।

परिजनों ने बताया है कि सोमवार को राधा कुमारी घर से चार लड़कियों के साथ चौड़ बहियार में पानी भरे गड्ढे में स्नान करने के लिए गई थी। स्नान करने के दौरान पैर फिसल जाने के कारण चारों लड़कियां डूबने लगीं। वहीं, स्थानीय लोग चारों लड़कियों को डूबता देख उन्हें बचाने के लिए पानी भरे गड्ढे में कूद गए। इसके बाद तीन लड़कियों को किसी तरह पानी से निकाल कर उनकी जान बचा ली। जबकि राधा कुमारी की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

औरंगाबाद में घर से उठाकर मासूम के साथ दुष्कर्म, रिश्तेदार के घर शादी में आई थी बच्ची

- घर के बाहर खेल रही मासूम को उठा ले गया पड़ोस का ही 26 वर्षीय युवक
- बच्ची को गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है

केटी न्यूज/पटना

औरंगाबाद में दुष्कर्म की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। रिश्तेदार के घर शादी में शामिल होने आई साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची को बदमाश घर से उठाकर ले गया और सुनसान जगह पर उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दे डाला। बच्ची को गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। बच्ची अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रही है।

बताया जा रहा है कि मासूम अपने रिश्तेदार के घर शादी में आई थी और घर के बाहर खेल रही थी, तभी पड़ोस का ही 26 वर्षीय युवक सुनील कुमार वहां पहुंचा और बच्ची को उठाकर सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ दरिंदगी की। घटना के बाद बच्ची जोर जोर से बच्ची रो रही थी। रोने की आवाज सुनकर

जब आसपास के लोग वहां पहुंचे तो देखा कि काफी ब्लीडिंग हो रही है। आनन-फानन में बच्ची को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। पीड़ित्ता के पिता के बयान पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय ने बताया कि घटना शुक्रवार की देर शाम की है। पीड़िता के पिता ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी और पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। एसडीपीओ ने बताया कि मोहल्ले में स्थित उमेश सिंह के खटाल में काम करने वाले युवक ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। गिरफ्तार युवक बारुण थाना के एक गांव का रहनेवाला है। मामले में स्पीडी ट्रायल चलाकर दोषी को सजा दिलाई जाएगी।

नवादा में लहराया फिलिस्तीनी झंडा

पटना। दरभंगा में पिछले दिनों फिलिस्तीनी झंडा लहराने के बाद हड़कंप मच गया है। अब नवादा में भी ऐसा ही मामला सामने आया है। मुहर्रम के जुलूस के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराया गया है। मजार पर चादरपोशी करने जा रहे मुस्लिम समुदाय के लोग हाथों में तरह-तरह के झंडे लिए हुए थे, उनके हाथों में फिलिस्तीनी झंडा देखा गया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है हालांकि फर्स्ट बिहार-झारखंड इस वायरल वीडियो के सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। दरअसल, नवादा में मुहर्रम पर्व के दौरान मजार पर चादरपोशी करने जा रहे जुलूस में युवकों के द्वारा फिलिस्तीन का झंडा लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है हालांकि इस वायरल वीडियो की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि जुलूस में कुछ युवकों के द्वारा फिलिस्तीनी झंडा लहराया जा रहा है।

अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे संविदाकर्मी एएनएम और जीएनएम कर्मी

समान काम के लिए समान वेतन लागू होने तक भेदभाव वाली नीति नहीं चलेगी: एएनएम

केटी न्यूज/पटना

गया जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर इन दिनों संविदाकर्मी एएनएम और जीएनएम कर्मी अपनी मांगों को लेकर लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसकी वजह से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर समुचित स्वास्थ्य जांच नहीं हो रही है। इसी सिलसिले में गया जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आमस में बिहार संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा द्वारा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन में शामिल एएनएम ने कहा कि सरकार हम लोगों के साथ दोहरी नीति अपना रही है। सरकारी स्वास्थ्य कर्मचारियों को ऑनलाइन उपस्थिति नहीं दिखाना है और संविदाकर्मियों को ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार हम लोगों के साथ नाइंसाफी कर रही है। उन्होंने कहा कि गया जिले के कई ऐसे प्रखंड हैं, जहां आज भी मोबाइल नेटवर्क नहीं है। ऐसे में हम लोगों की उपस्थिति भी नहीं बनेगी और पैसा भी कट जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम लोगों को समान कार्य समान वेतन और संस्थानों पर सभी एचडब्लूसी, एचएससी पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होने तक तथा विगत चार महीने से मानदेय न मिलने के कारण वित्तीय संकट होने की स्थिति में एफआरएएस से उपस्थिति दर्ज न करने के संबंध में आवेदन तैयार कर चिकित्सा पदाधिकारी को सौंपा गया है। एएनएम ने कहा कि समान काम के लिए समान वेतन लागू होने तक भेदभाव वाली नीति चेहरा पहचान उपस्थिति प्रणाली द्वारा कोई भी संविदा एएनएम अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर सभी संविदा एएनएम कार्य बहिष्कार कर धरना-प्रदर्शन में शामिल हैं। चेहरा पहचान उपस्थिति प्रणाली से उपस्थिति दर्ज करने का निर्णय वापस लिया जाए। साथ ही उन्होंने सभी संविदा एएनएम को नियमित एएनएम के अनुरूप समान काम के लिए समान वेतन देने की मांग पत्र प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को सौंपा।

राजद के वरिष्ठ नेता छेदी लाल राम के साथ पांच को भेजा गया जेल, दो लाइसेंसी के साथ 57 कारतूस बरामद

जमीन पर कब्जा दिलवाने गए पूर्व मंत्री गिरफ्तार

- राजपुर थाना क्षेत्र के सैंथू बसंतपुर छावनी गांव में जमीन पर कब्जा दिलाने गए थे पूर्व मंत्री
- पुलिस को देखते ही भागने लगे, पीछा कर सौरी गांव के पास से पुलिस ने पकड़ा

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री व राजद के वरिष्ठ नेता छेदी लाल राम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं। उनके साथ देवढ़िया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि संजय राम समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि चार लोग फरार हो गए है। पुलिस ने पूर्व मंत्री के वाहन से दो लाइसेंसी रायफल व 57 कारतूस बरामद किए है। घटना रविवार देर शाम की है। इसकी जानकारी मिलते ही तत्काल बक्सर सदर डीएसपी धीरज कुमार राजपुर पहुंच पूछताछ किए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में ही उनपर लगे आरोपों की पुष्टि हुई, जिसके बाद सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद सभी आरोपितो को टाउन थाना बक्सर लाया गया है। जहा सोमवार को कागजी कार्रवाई के बाद इन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस संबंध में सैंथू बसंतपुर छावनी गांव के अंबुज चौबे उर्फ हजारू चौबे ने पूर्व मंत्री व मुखिया प्रतिनिधि के अलावे महेन्द्र राम, गुड्डु खां, सुरेश राम, मनोज राम, गणेश चौबे, अंगद चौबे व अभिमन्यु चौबे के खिलाफ राजपुर थाने में हथियार के बल पर जमीन कब्जा करने तथा जान मारने की नियत का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस पूर्व मंत्री छेदी लाल राम, देवढ़िया मुखिया प्रतिनिधि संजय राम के अलावे महेन्द्र राम, गुड्डु खां और सुरेश राम को गिरफ्तार किया है। जबकि मनोज राम, गणेश चौबे, अंगद चौबे व अभिमन्यु चौबे फरार हो गए है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

दो पक्षों के बीच 14 एकड़ भूमि पर चल रहा था विवाद

मिली जानकारी के अनुसार सैंथू बसंतपुर छावनी गांव के गणेश चौबे व अंबुज उर्फ हजारू चौबे के बीच 14 एकड़ के भू-भाग पर लंबे समय से विवाद चल रहा था। गणेश चौबे ने पिछले साल भी इस जमीन पर अपना दावा किया था। लेकिन इस वर्ष उनका दावा खारिज हो चुका था। जाहिर है जमीन हजारू चौबे की ही थी। इसके बाद उन्होंने पूर्व मंत्री से जमीन पर कब्जा दिलाने के लिए सहयोग मांगा। ग्रामीण सूत्रों की मानें तो पूर्व मंत्री जमीन पर कब्जा दिलाने के लिए ही वहा पहुंचे थे। इसी दौरान हजारू ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस के अलावे वरीय पदाधिकारियों को दे दी। सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन पुलिस को देखते ही एक स्कार्पियो वाहन में बैठ पूर्व मंत्री व मुखिया प्रतिनिधि समेत कुल पांच लोग भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा कर सौरी गांव के पास से पकड़ लिया। इस दौरान जब वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें दो लाइसेंसी हथियार व 57 कारतूस मिला। जिसके बाद सभी को हिरासत में लेकर पुलिस थाने आई तथा वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी।

राजद सरकार में मंत्री रहे हैं छेदी राम लालू यादव के करीबी माने जाते हैं

पुलिस गिरफ्त में आए छेदी लाल राम राजपुर के पूर्व विधायक है तथा राजद सरकार में मंत्री भी रहे हैं। उन्हें लालू यादव का करीबी माना जाता है। यही कारण है कि उनकी गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही उनके समर्थक नगर थाना के पास जुट गए थे। उनकी गिरफ्तारी से राजनीतिक गलियारें में हलचल हो गयी है। बता दें कि कुछ दिन पहले राजपुर पुलिस ने ही जमीन विवाद के एक मामले में रामपुर गांव से यूपी व बिहार के कुख्यात गुड्डु राय को हथियारों के जखीरा के साथ गिरफ्तार किया था। उस पर पैसा लेकर जमीन पर कब्जा दिलाने का आरोप है। एक सप्ताह बाद जमीन विवाद के मामले में ही पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी से राजपुर थाना सुर्खियों में है।

बोले पूर्व मंत्री नहीं मिला है बाडीगॉर्ड, सेल्फ डिफेंस के लिए रखनी पड़ती है रायफल: पूर्व मंत्री छेदी लाल राम ने बताया कि उन्हें बाडीगॉर्ड नहीं मिला है। सेल्फ डिफेंस के लिए रायफल लेकर चलना पड़ता है। उन्होंने बताया कि वे जमीन पर कब्जा दिलाने नहीं गए थे, बल्कि कोचस से आ रहे थे। इसी दौरान वहा भीड़ देख कुछ देर के लिए रूक गए। पूर्व मंत्री ने कहा कि पुलिस को देख मुझे लगा कि पुलिस अपना काम कर रही है, जिसके बाद मैं आगे बढ़ गया। मुझे नहीं लगा कि पुलिस मेरा पीछा कर रही है। लेकिन आगे जाकर पुलिस ने मुझे पकड़ लिया, तब समझ में आया कि पुलिस उक्त स्थल से ही मेरा पीछा कर रही थी।

क्या कहते है एसपी: पूर्व मंत्री के खिलाफ राजपुर थाने में जमीन पर जबरन कब्जा दिलाने व जान मारने की नियत से हथियार लेकर आने का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराया गया है। उनके वाहन से हथियार मिला है। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

कोरानसराय थानाध्यक्ष लाइन हाजिर

डुमरांव। एसपी मनीष कुमार ने कोरानसराय थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। उन्हें 24 घंटे के अंदर पुलिस लाईन बक्सर में योगदान करने का निर्देश दिया गया है। उनपर यह कार्रवाई गृह विभाग के विशेष शाखा के निर्देश पर की गई है। वैसे पुलिस सूत्रों की मानें तो कुछ माह पूर्व थाना में फरियाद लेकर आए लहना गांव के एक वरिष्ठ नागरिक शिव शंकर दूबे से दुर्व्यवहार के आरोप में उन्हें लाईन हाजिर किया गया है। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष ने उक्त वरिष्ठ नागरिक के साथ थाना परिसर में अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस के वरीय अधिकारियों तथा डीजीपी से की थी। उनकी शिकायत की जब जांच की गई तो थानाध्यक्ष पर लगे आरोपो की पुष्टि हुई। जिसके बाद उन्हें लाइन क्लोज किया गया है। इस कार्रवाई के बाद लोगों में इस बात की खुशी है कि अब पब्लिक के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिस पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

पुराना भोजपुर में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। भोजपुर चौक से आरा रोड के किनारे स्थित कब्रिस्तान के पास उसका शव पड़ा था। दोपहर बाद करीब दो-ढाई बजे किसी ग्रामीण की नजर उस पर पड़ी तो ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले जांच पड़ताल शुरू किया। लेकिन स्थानीय निवासी शव की शिनाख्त नहीं कर सकें। जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा। नया भोजपुर ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक की उम्र करीब 45-50 वर्ष है तथा वह सेंडो गंजी व जिंस का पैंट पहने था। पुलिस भी इस मामले में प्रथम दृष्टया कुछ बताने से परहेज कर रही है। बता दें कि जिस जगह उसका शव मिला है वह पुराना भोजपुर तकिया मोहल्ला के काफी करीब है तथा यह मोहल्ला शराब तस्करी व निर्माण के लिए भी कुख्यात रहा है। इस घटना के बाद पुराना भोजपुर में कई तरह की चचाएं हो रही है।

आधा दर्जन मोहल्लों से निकलेगा ताजिया जुलूस

डुमरांव। मोहर्रम को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोग ताजिया जुलूस निकालने को लेकर तैयारी में जुट गए हैं। ताजिया को आकर्षण बनाने की होड़ में नौजवान जुट गण हैं। नगर के व्यापार मंडल के समीप पुराना पेट्रोल पंप के सामने, शहीद गेट, गोशाला रोड व ठठेरी बाजार की टीमों के द्वारा ताजिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। साथ ही नौजवान बना, बनैठी और तलवारबाजी भांजने के तैयारी में एक दूसरे को मात देने के लिए लग चुके हैं। बता दें की इन कमिटियों द्वारा वृहद जुलूस निकाला जाता है। जुलूस रूट चार्ट के अनुसार चलता है, जिसे देखने के लिए रोड किनारे कतारबद्ध महिला और पुरूष खड़े रहते हैं। प्रशासन भी साथ-साथ चलता है।

पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नावानगर। सोनवर्षा ओपी क्षेत्र के स्थानीय गांव से दो कोर्ट वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार वारंटी उक्त गांव के विजेंद्र उर्फ पीयूष पटेल व दीपक तुरहा है। ओपीध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि दोनों गिरफ्तार अभियुक्त पर कोर्ट से वारंट निर्गत किया गया था। जिस पर अमल करते हुए दोनों को उनके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सभा आयोजित कर प्रखंड कर्मी को दी गई श्रद्धांजलि

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के आईटी भवन में सोमवार को एक सभा आयोजित की गई। जिसमें सभी प्रखंड, अंचल व अन्य विभाग के अधिकारी व कर्मियों ने प्रखंड कर्मी भूपेंद्र प्रसाद की असामयिक मौत पर दो मिनट की मौन रख श्रद्धांजलि दिया। सभा की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख अंकित कुमार ने की। बीडीओ मनोज कुमार ने कहा कि भूपेंद्र प्रसाद काफी दिनों तक नावानगर प्रखंड कार्यालय में सहायक रह चुके थे।

सफाई एनजीओ की मनमानी से नहीं हो रहा डोर टू डोर कचरे का उठाव

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर की डोर टू डोर सफाई व्यवस्था प्रतिदिन नहीं होने से मोहल्ले के गलियों व रोड पर कूड़े का अंबार लगा हुआ है। अभी पूरी तरह से शहर में रखे गए डस्टबिन को हटाया भी नहीं गया है। लोग कूड़ा डस्टबिन में डालते हैं और जब डस्टबिन भर जाता है तो कूड़े बाहर फेंकने लगते हैं। कुछ इसी तरह का नजारा वार्ड नंबर 30 के हीरा राउत की गली में देखने को मिल रहा है। गली के लोगों का कहना है कि सफाई कर्मी द्वारा डस्टबिनर में भरे कूड़े को उड़ेल दिया गया, फिर उसे उठाया नहीं गया छोड़ दिया गया है। इसकी जानकारी नप ईओ मनोज कुमार को लोगों ने दिया, लेकिन कूड़े का निस्तारण नहीं किया जा सका। लोगों को इस बात पर आश्चर्य हो रहा है कि एनजीओ को किस बात के लिह प्रतिमाह 46 लाख रुपए दिये जाते हैं। इसी तरह से नायाथाना के पास भी कूड़े का अंबार लगा रहता है, जो रोड तक फैल जाता है। आसपास के लोगों का कहना है कि डोर टू डोर कूड़े का उठाव होता तो यहां कूड़ा क्यो कोई फेंकता। कूड़े का सही तरह से उठाव नहीं होने से एनजीओ खुले रूप से अधिकारियों के आदेश को भी चुनौती दे रहा है। लोगों का कहना है कि मुख्य सड़कों के अलावे गली की सड़कें भी हैं, जहां कूड़े का अंबार लगा रहता है। जब घरों के कूड़े का उठाव प्रतिदिन नहीं होगा तो गली और सड़कों पर कूड़ा नजर आएगा ही। यही हाल विस्तारित क्षेत्र का भी है। परंतु एनजीओ की ओर से घर कूड़ा का उठाव नहीं जा रहा है। जिससे जनता को परेशानी हो रही है।

19 से होमगार्ड के जवान काला बिल्ला लगा करेंगे काम

डुमरांव। जिले के गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ के बैनर तले जिले के सभी होगार्ड के जवान अपनी 21 सूत्री मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी कर रह हैं। इसकी जानकारी देते हुए बिहार गृहरक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ के उपाध्यक्ष अरूण कुमार ने देते हुए बताया कि 19 जुलाई 2024 से 23 तक काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी करेंगे। 5 अगस्त को समाहारणाल में डीएम के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन शांति पूर्वक करेंते हुए अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाएंगे। इनका कहना है कि अगर सरकार हमारी मांगों पर विचार नहीं करती है तो 31 अगस्त को राज्य के केन्द्रीय समिति संघ पटना की रणनीति तय करेगी। सरकार को कई बार ज्ञापन दिया गया है। परंतु उस पर ठोस निर्णय नहीं हो रहा है।

संवेदनशील इलाकों में ताजिया जुलूस की कराई जाए वीडियोग्राफी, तैनात रहें दंडाधिकारी

- डीएम और एसपी ने मुहर्रम के मद्देनजर दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों का की संयुक्त ब्रिफिंग

केटी न्यूज/बक्सर

मुहर्रम पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण के लिए सोमवार को डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी मनीष कुमार की अध्यक्षता में प्रतिनियुक्ति दण्डाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग जिला निबंधन परामर्श केन्द्र बक्सर के सभाकक्ष में की गई। इस बैठक में डीएम ने बताया कि मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए तथा विधि व्यवस्था संधारण हेतु 128 स्टैटिक दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, 29 गश्ती दल दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी, दो जोनल दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी एवं 12 सुरक्षित दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। डीएम ने बक्सर व डुमरांव के एसडीओ तथा डीएसपी को निर्देश दिया कि अपने-अपने अनुमंडल में ताजिया निकालने की अनुमति निर्धारित शर्तों के अनुसार निर्गत करेंगे। जुलूस की अनुज्ञप्ति निर्गत करने से पूर्व कम से कम 15-20 सदस्यों का नाम, पता, आधार कार्ड की विवरण प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे।

जुलूस के रूट चार्ट के सत्यापन का डीएम ने दिया निर्देश: बैठक में डीएम ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्ष को जुलूस रूट का पूर्व सत्यापन कराने का निर्देश दिया। ताकि किसी भी तरीके का विवाद उत्पन्न ना हो सके। सभी कार्यपालक पदाधिकारी, नगर निकाय को निर्देश दिया गया कि मुहर्रम पर्व के मद्देनजर ताजिया जुलूस रुट की साफ-सफाई, गड्ढों की मरम्मती कराना सुनिश्चित करेंगे। कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर एवं कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय बक्सर तथा डुमरांव को उक्त 5 अवधि में अपने-अपने क्षेत्रांर्गत पेयजल की आपूर्ति निरंतर कराने का निर्देश दिया गया। ताकि आमजनों को पेयजल की कठिनाई न हो। साथ ही सभी पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वह निर्धारित समय पर अपनी ड्यूटी पर तैनात हो जाए। अन्यथा कार्रवाई होगी।

मुखिया ने बिजली में सुधार को ले बक्सर सांसद को लिखा पत्र

केसठ। हल्की बारिश और धीमी हवा चलते ही प्रखंड में बिजली गुल हो जाती है। जब ग्रामीणों द्वारा पावर हाउस में पता किया जाता है तो कर्मी जवाब देते है की 11 हजार में फाल्ट आ गया है। जिसके कारण लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लोगों को 24 घंटे मिलने वाली बिजली की रामपुर पावर हाउस पोल खोल रही है। इन सब समस्याओं को देखते हुए रामपुर मुखिया अनामिका पांडेय ने बक्सर सांसद सुधाकर सिंह को पत्र लिख कर बिजली कटौती की समस्या से अवगत कराया है। उन्होंने आवेदन में लिखा है कि विगत कई वर्षों से किसान और ग्रामीण बिजली कटौती की समस्या से जूझ रहे है। वही उन्होंने लिखा है कि रामपुर ग्रिड से गिरधर बरांव तक करीब 50 वर्ष से अधिक का 11 हजार केबीए का तार जगह जगह पर जर्जर हो चुका है। साथ ही बंद पड़े ट्रांसफार्मर को पुनः चालू करने को ले सांसद से आग्रह किया है ग्रामीण क्षेत्र में रामपुर में 2, खरपुरा में 1, सिद्धिपुर में 1, रघुनाथपुर में 1 तथा शिवपुर में एक ट्रांसफार्मर खराब हो चुका है।

स्वास्थ्य कर्मियों के समर्थन में उतरे डुमरांव विधायक डॉ अजीत कुमार, बढ़ाया हौसला

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल 8वें दिन भी जारी रही। डुमरांव पीएचसी पर हड़ताली कर्मियों ने जमकर धरना-प्रदर्शन करते हुए अपनी सात सूत्री मांगों की आवाज बुलंद की। इनके समर्थन में डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा भी उतर गए हैं। सोमवार को पीएचसी पर धरना-प्रदर्शन कर रही संविदा स्वास्थ्य कर्मियों का तेवर विधायक के आ जाने से कुछ कड़ा था। उनके समर्थन में उतरे विधायक सरकार से मांग किया कि इनकी मांगों को शीघ्र मान लें और उनके हित में समझौता कर शीघ्र हड़ताल को समाप्त करवाए। विधायक ने उपस्थित संविदा कर्मियों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी मांगों को नहीं मानती है तो आने वाले मानसून सत्र में इनकी मांगों की आवाज विधान सभा में गुंजेगी। उन्होंने कहा कि हमलोगा किसी भी प्रकार के संविदा, मानदेय, प्रोत्साहन राशि, नीयत वेतन का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि फेस एटेंडेंस लागू होने से संविदा कर्मियों के समक्ष कई कठिनाईयां उत्पन्न हो गई है। बहुत सारे स्वास्थ्य केन्द्, उप स्वास्थ्य केन्द्र काफी सुदूर क्षेत्र में पड़ते हैं, जहां सवारी तक नहीं जाता है, लिहाजा पैदल जाना पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों में नेटवर्क की भी कठिनाई होती है। ऐसे में थोड़ा भी लेट हुआ कि उनके वेतन में कटौती कर ली जाती है, यह कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। ये सभी स्वास्थ्य कर्मी अल्प वेतन में काम करते हैं। इतने अल्प वेतन में काम करने से बाल-बच्चों का भरण-पोषण सही ढंग से नहीं हो पाता है। इसलिये सरकार को चाहिए की उनके वेतन में सम्मान जनक वृद्धि करे। उन्होंने सरकार से मांग किया की फेस एटेंडेंस पर तुरंत रोक लगाते हुए, स्वास्थ्य केन्द्रों, उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर तमाम मूलभूत सुविधाएं बहाल करते हुए इनकी सुरक्षा की व्यस्था किया जाए। धरना कार्यक्रम को महासंघ गोप गुट के जिलाध्यक्ष लवकुश सिंह, जिला सचिव महेन्द्र प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश कुमार, चिकित्सा संघ के जिलाध्यक्ष दीपक कुमार रजक, संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा के जिला सचिव सरिता कुमारी हड़ताली कर्मियों को संबोधित करते हुए उनकी हौसला अफजाई की।

नियमों के फेर में बाल बाल बची सदर प्रखंड प्रमुख फुलपातो देवी की कुर्सी

- मटरू राय अपने समर्थक को विश्वास मत हासिल कराने में रहे सफल
- विरोधियों ने सदर एसडीओ पर लगाया भेदभाव करने का आरोप

केटी न्यूज/बक्सर

सदर प्रखंड प्रमुख फुलपातो देवी के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव सोमवार को नियमों के चलते खारिज हो गया और प्रमुख की कुर्सी बाल बाल बच गई। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में कुल 22 में से 11 सदस्यों ने मतदान किया था, जबकि प्रमुख के पक्ष में भी 11 सदस्यों ने अपना मत दिया। विपक्षी का एक मत एक मत कैंसिल भी हुआ था। इस तरह प्रमुख के खेमे में मात्र 10 वोट आया। लेकिन चुकी अविश्वास प्रस्ताव पारित कराने के लिए आधे से एक अधिक सदस्यों के समर्थन की जरूरत थी। इस कारण अविश्वास प्रस्ताव को निवार्ची पदाधिकारी द्वारा खारिज कर दिया गया। बता दें कि उनके खिलाफ कमरपुर पंचायत की बीडीसी शोभना देवी के नेतृत्व में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। जिस पर सोमवार को चर्चा एवं मत विभाजन के लिए बैठक बुलाई गई थी। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान प्रखंड परिसर में शांति व्यवस्था एवं विशेष सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया गया था। इसके पहले अविश्वास प्रस्ताव पर बहस तथा मतविभाजन के लिए डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर एसडीओ धीरेन्द्र मिश्र की उपस्थिति में कार्यपालक पदाधिकारी सह बीडीओ साधु शरण पांडेय के निर्देशन में आरंभ की गयी। जिसकी अध्यक्षता महदह पंचायत के बीडीसी ओमप्रकाश कमकर ने किया। बैठक में कुल 22 पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे। मत विभाजन के बाद बीडीओ साधुशरण पांडेय ने घोषणा करते हुए बताया कि प्रखंड प्रमुख के खिलाफ लाये गए अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 11 मत पड़े जो की प्रखंड प्रमुख फुलपातो देवी के खिलाफ अविश्वास पारित करने के लिए एक वोट कम रहा। इस प्रकार प्रखंड प्रमुख के खिलाफ पंचायत समिति सदस्य शोभना देवी द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव खारिज किया जाता है। मतविभाजन को लेकर सदर प्रखंड में गहमा गहमी का माहौल बना रहा। सदर एसडीओ पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए विरोधियों ने कलेक्ट्रेट के प्रवेश द्वार पर बैठकर धरना दिया। इसमें एसडीओ पर भेदभाव का आरोप लगाया गया। वहीं एसडीओ ने कहा नियम संगत कार्य किया गया है।

जंगलीनाथ शिव मंदिर में वैदिक विधान से प्रेमी जोड़ो ने लिए सात फेरे, मंदिर में मौजूद महिलाओं ने गाए मांगलिक गीत

पुलिस की पहल पर हुई प्रेमी जोड़े की मंदिर में शादी, गवाह बने दर्जनों लोग

- प्रेमी जोड़े कोरानसराय थाना क्षेत्र के कोपवा गांव के रहने वाले
- प्रेमी जोड़े के बीच पिछले चार साल से चल रहा था प्रेम संबंध
- युवती दो माह पूर्व भागकर चली गई थी पुणे

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार को डुमरांव पुलिस की पहल पर एक प्रेमी जोड़े सात फेरे के बंधन में बंध गए। महिला हेल्प डेस्क प्रभारी एसआई रितिका कुमारी की पहल पर एक ही गांव के अंतरजातीय जोड़े की शादी न सिर्फ पूरे वैदिक विधान से पूरी हुई बल्कि जंगलीनाथ शिव मंदिर में आयोजित इस शादी में पहले से मौजूद महिलाओं ने परंपरा का निर्वहन करते हुए मांगलिक गीत गाने के साथ ही विवाह के अन्य रस्मों रिवाजों को बखूबी निभाया। इस दौरान मांगलिक गीतों तथा वर वधू को आशीवर्चन से माहौल खुशनुमा बन गया था। इलाके के चर्चित आचार्य पंडित विन्ध्याचल ओझा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सिंदूरदान करवा शादी को संपन्न कराए।

इस दौरान वहा उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनियों से वर वधू को आशीर्वाद दिया। इस शादी की गवाह महिला हेल्प डेस्क प्रभारी रितीका के साथ ही पीएसआई आशीष कुमार, महिला सिपाही मनोरमा कुमारी, प्रिती कुमारी, साक्षी गुप्ता, दवेन्द्र कुमाार व रौशन कुमार आदि पुलिसकर्मियों के अलावे मंदिर में मौजूद मीडियाकर्मी व दर्जनों महिलाएं बनी। चुकी मंदिर में पहले से कई जोड़ो का विवाह हो रहा था। लेकिन, पुलिस अभिरक्षा में पहुंचे वर वधू को देखने के लिए वहां सैकड़ो लोगों की भीड़ लग गई। इनमें सबसे अधिक संख्या महिलाओं की थी। वहा मौजूद महिलाएं सिर्फ भीड़ का हिस्सा ही नहीं बल्कि शादी के रस्मो में भागीदार बन पुलिस कर्मियों के काम को आसान बना दी।

प्रेमी जोड़े का चार साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

मिली जानकारी के अनुसार प्रेमी जोड़े कोरानसराय थाना क्षेत्र के कोपवा गांव के रहने वाले थे। लड़का उसी गांव के स्व. सोनालाल यादव का पुत्र राहुल कुमार व लड़की भुखन पाल की बेटी छोटी कुमारी के बीच पिछले चार साल से प्रेम संबंध चल रहा था। लेकिन अंतरजातीय होने के कारण दोनों के परिजन इसका विरोध कर रहे थे। जिस कारण दोनों की शादी नहीं हो पा रही थी। लड़का पूना में रहकर प्राइवेट जॉब करता है। 24 मई को लड़की अपने घर से भागकर उसके पास पूना भी गई थी। अभी कुछ दिन पहले ही दोनों गांव आए थे। इसी दौरान रविवार को राजगढ़ में दोनों मिलने के लिए आए थे, जिसकी सूचना लड़की के परिजनों ने डायल 112 को दी। इसके बाद से ही मामला पुलिस के हाथ में आया तथा पुलिस ने जब देखा कि दोनों बालिग है तथा शादी करना चाहते है तो दोनों परिवारों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन दोनों परिवार पुलिस के सामने भी राजी नहीं हुए। तब पुलिस ने खुद पहल का दोनों की शादी करवाई। इस दौरान पुलिस ने वर वधू के लिए नये कपड़े खरीद कर देने के साथ ही शादी के दौरान काम आने वाले अन्य सामानों को भी अपने स्तर से उपलब्ध कराया। जंगलीनाथ शिव मंदिर में प्रेमी जोड़े के शादी के दौरान भीड़ उमड़ी रही। वही इस शादी की चर्चा पूरे मंदिर में होते रही।

ट्रांसफार्मर में आयी गड़बड़ी से गोला रोड की बिजली सप्लाई दो दिनों से बंद

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर के मुख्य मंडी गोला रोड में दो दिनों से बिजली सप्लाई पूर्णतः बंद हैं। बिजली सप्लाई बंद होने से व्यवसायियों के साथ मोहल्ले के लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया हैं। बिजली विभाग के सूत्रों के अनुसार इसका कारण राज अस्पताल मोड़ पर लगे ट्रांसफार्मर में आयी गड़बड़ी बताया जाता हैं। बिजली आपूर्ति बंद होने से मंडी के करीब दो सौ उपभोक्ता गर्मी व उमस से परेशान हैं। मोबाइल चार्जिंग से लेकर पानी के लिए भी दर-दर भटकने पर विवश हैं। सारे इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बंद हो चुके हैं। दुकानदार राजकुमार गुप्ता, अविनाश कुमार, मनोज जायसवाल आदि ने बताया कि बिजली आपूर्ति बंद होने से काफी परेशानी हो रही हैं। बिजली विभाग इस समस्या से अभी तक निजात नही दिलाया। जबकि गोला रोड, डुमरांव का प्रमुख व्यवसायी मंडी हैं। शाम होते ही बिजली के आभाव में लोग अपने दुकानों के शटर गिराने लगे हैं, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा हैं। दुकानदारों ने बिजली कंपनी के अभियंताओं से आपूर्ति दुरुस्त करने की मांग की हैं।

स्नातक सेमेस्टर-टू की परीक्षा रद्द होने पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

- उत्तर पुस्तिकाओं के बिना ही कॉलेज ने जारी कर दिया परीक्षा की तिथि
- छात्र पहुंचे तो करना पड़ा एग्जाम को रद्द

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय अंतर्गत महाराजा कॉलेज में सोमवार को स्नातक सेमेस्टर टू के छात्रों ने परीक्षा रद्द होने पर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने महाराजा कॉलेज के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। दरअसल सोमवार को महाराजा कॉलेज में नए शिक्षा नीति के अनुसार स्नातक (2023- 2027) के छात्रों का परीक्षा होने वाला था। था। जिसमें विज्ञान और कला के छात्र परीक्षा देने आए थे और उनका एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईएस) का पेपर होना था। लेकिन अचानक परीक्षा को रद्द कर दिया गया। जिससे छात्र आक्रोशित हो गए और महाविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं परीक्षा देने आए छात्र विकास कुमार ने बताया कि कॉलेज के प्राचार्य के द्वारा कोई सूचना नहीं दिया गया कि हमारा एग्जाम रद्द होने वाला है। कुछ लड़का बक्सर, बिहिया, जगदीशपुर और पीरो से आए है। हम लोग गरीब है, आने और जाने के लिए किराया

देना पड़ता है तो हम लोग इतना पैसा कहां से लाएंगे। 8 जुलाई से ही परीक्षा चल रही है। चार परीक्षा हो चुका है। सोमवार को पांचवें पेपर की परीक्षा होने वाली थी और बिना सूचना दिए ही रद्द कर दिया गया। नीतीश कुमार ने बताया कि 12 बजे कॉलेज में परीक्षा देने का समय था। जब कॉलेज आएं तो पता चला एग्जाम रद्द हो चुका है। उसके बाद प्रिंसिपल से पूछने आए तो वो आएं ही नहीं है। छात्र ने बताया कि कॉलेज में प्राचार्य कभी टाइम पर नहीं आते है। एक और छात्र ने बताया कि परीक्षा लेने के लिए कॉलेज के पास कॉपी नहीं था। लेकिन कॉलेज में कहा गया कि टेक्निकल गड़बड़ी की वजह से परीक्षा नहीं लिया जाएगा, आप लोग चले जाइए। छात्र ने कहा कि तो यहां कोई छात्र अपना टीम व्यर्थ करने नहीं आया है। वहीं इस मामले पर महाराजा कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक नरेंद्र कुमार पालित ने बताया कि परीक्षा को लेकर तिथि के अनुसार सब प्रोग्राम दे दिया गया था। सोमवार को पहली पाली के लिए जो सभी संसाधन उपलब्ध थे, तो परीक्षा ली गई थी। लेकिन जैसे ही सेकेंड सिटिंक के प्रोग्राम का अरेजमेंट किया गया कि कंट्रोल रूम में कॉपियों (उत्तर पुस्तिकाओं) की कमी हो गई। उन्होंने बताया कि तुरंत नोटिस निकलवाकर उसके बाद नोटिस बोर्ड के माध्यम से परीक्षार्थियों को सूचित कर दिया गया। लेकिन इसकी सूचना बच्चों के बीच देर से गई। इसलिए बच्चे थोड़ा भावुक हो गए। परीक्षा रद्द होने के बाद अब यह परीक्षा बीपीएससी परीक्षा के समाप्त होने के बाद 23 जुलाई से ली जाएगी। आपको बता दें यह पहली बार नहीं है जब वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय अंतर्गत आने वाले कॉलेजों ने इस तरह का कारनामा किया हो। कॉलेज के लचर व्यवस्था से छात्र अपनी नाकामी को लेकर हमेशा परेशानी झेलते आ रहे है। चाहे परीक्षा का मामला हो या रिजल्ट में त्रुटि का मामला हो। विश्वविद्यालय अपनी करतूतों से बाज आने को तैयार नहीं है।

डेहरी के इंद्रपुरी थाना क्षेत्र के शंकरपुर लक्ष्मण बिगहा के समीप की घटना

सड़क दुर्घटना में मौत के बाद आगजनी व जाम

- दुकान में कार घुसने से पंचर बनाने वाले की मौके पर मौत
- कार जब्त कर सवार दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया

केटी न्यूज/डेहरी

इंद्रपुरी थाना क्षेत्र के शंकरपुर लक्ष्मण बिगहा के समीप टायर पंचर बनाने वाले दुकान में अनियंत्रित कार के घुसने से पंचर बनाने वाले मिस्त्री की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद लोगों ने कार सवार चालक समेत दो लोगों को पकड़ा, किंतु मौके पर पुलिस के पहुंचने के कारण पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर अपने साथ थाने ले गई। इधर घटना के विरोध में लोगों ने डेहरी - रोहतास राष्ट्रीय उच्च पथ को जमकर आगजनी करते हुए आक्रोश प्रदर्शन कर रहे थे। घटना के बारे में बताया जाता है कि मृतक 36 वर्षीय भानु शर्मा भलुआड़ी गांव का निवासी है। जो शंकरपुर लक्ष्मण बिगहा के समीप वर्षों से अपना पंचर दुकान चलाता था। सोमवार की शाम तेज गति से आ रही एक अनियंत्रित कार पंचर दुकान में घुस गया। पंचर दुकान में बैठे मिस्त्री कुछ सोच पता कि कार से दबने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने कार सवार दो लोगों को पकड़ा, किंतु गस्त लगा रही पुलिस के मौके पर पहुंचने के कारण दोनों कार सवार को पुलिस अपने साथ ले गई। इधर घटना के विरोध में स्थानीय आक्रोशित लोगों ने टायर जलाकर डेहरी

रोहतास पथ को जाम कर दिया, पुलिस खिलाफ जमकर की नारेबाजी : लोगों को शांत करने आए पुलिसकर्मियों को भी लोगों के आक्रोश को देख बैरंग लौटना पड़ा। करीब एक घंटे तक सड़क पर स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचे मृतक के परिजन चीखते - चिल्लाते कार चालकों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। मृतक की पत्नी व बच्चों को ढाढस दिलाते लोगों की आंखों से भी आंसू छलक रहे थे, क्योंकि मृतक अपने घर में इकलौता कमाऊ व्यक्ति था। लोगों का आक्रोश इस कदर था कि पुलिस को देख और आक्रोशित हो रहे थे। बताया जाता है, कि कार चालक द्वारा किसी को कार सीखाने के दौरान संभवतः यह घटना घटी है। सड़क दुर्घटना में हुई मौत के बाद लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा था। आक्रोशित अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने को तैयार नहीं थे। करीब दो घंटे तक सड़क जाम बना रहा। इसके बाद प्रशासन व पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। इसकेके बाद पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन पर जाम हटाया जा सका। इंद्रपुरी थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक के परिजनों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। दुर्घटना को अंजाम देने वाले कार को जब्त कर लिया गया है। पुलिस वाहन मालिक की तलाश कर रही है। जल्द ही वह भी पुलिस गिरफ्त में होगा। प्रयास जारी है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

आरा। आरा-अरवल मुख्य मार्ग पर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के खरौनी गांव के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक सवार एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक चरपोखरी थाना क्षेत्र के गड़हनी गांव बड़ी मस्जिद निवासी सुग्रीव यादव का 32 वर्षीय पुत्र शंकर यादव है एवं वह पेशे से मजदूर था। इधर मृतक के चचेरे भाई प्यारे लाल यादव ने बताया कि रविवार की रात वह अपने भांजे को बाइक से आरा रेलवे स्टेशन छोड़ने गए थे। स्टेशन पर उसे छोड़ने के बाद रविवार की देर रात वह बाइक से नारायणपुर थाना क्षेत्र के मड़नपुर गांव अपने ससुराल जा रहे थे। उसी दौरान रविवार की देर रात किसी अज्ञात वाहन ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क किनारे स्थित पानी भरे गड्ढे जाकर गिर पड़े। सोमवार की सुबह जब स्थानीय लोगों की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना वहां पहुंची और बाइक से के नंबर से उसकी पहचान कर इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना पाकर मृतक के परिजन वहां पहुंचे। इसके पश्चात पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में पत्नी देवांती देवी व एक पुत्री श्वेता एवं एक पुत्र शशी भूषण है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की पत्नी देवांती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अज्ञात वाहन ने बाजार से घर वापस लौट रहे बुजुर्ग को मारी टक्कर, मौत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया चौरस्ता स्थित ओवर ब्रिज के नीचे अज्ञात वाहन ने बाजार से घर वापस लौट रहे बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल इमरजेंसी वार्ड में उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक बुजुर्ग बिहिया थाना क्षेत्र के तेघरा गांव वार्ड नंबर 3 निवासी दशरथ तुरहा के 60 वर्षीय पुत्र सागर तुरहा है एवं वह पेशे से किसान थे। इधर मृतक के बेटे शिवजी प्रसाद ने बताया कि वह अपने गांव से बिहिया चौरस्ता बाजार पर चाय पीने के लिए गए थे। चाय पीने के बाद जब वह घर वापस लौट रहे थे। उसी दौरान दिया चौरस्ता स्थित ओवर ब्रिज के नीचे पीछे से आ रही अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए पहले बिहिया चौरस्ता स्थित निजी अस्पताल ले गए। इसके बाद वहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां इलाज के दौरान रविवार की देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना बिहिया थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत,तीन जख्मी

शिवसागर। शिवसागर थाना अंतर्गत करूप गांव के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर के टक्कर से ऑटो सवार एक लड़का की मौत हो गई जबकि महिला समेत तीन का इलाज जारी है। घटना शिवसागर प्रखंड अंतर्गत करूप गांव पास की बताई गई है। घटना में अफताब अंसारी के पुत्र मोहम्मद अस्फाक आलम की इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि उनकी पुत्री आसिया प्रवीन समेत मोहम्मद साबीर अंसारी की पत्नी हसबुन बीबी का इलाज सदर अस्पताल सासाराम में जारी है। शिवसागर प्रखंड अंतर्गत सिकरौर पंचायत पूर्व मुखिया मोहम्मद समीम अंसारी ने बताया की मोहर्रम को लेकर चादर चढ़ा कर लोग ऑटो पर सवार होकर अपने गांव का नौडीहां लौट रहे थे। इसी दौरान करूप गांव के पास अनियंत्रित एक ट्रैक्टर ने ऑटो में टक्कर मार दिया। जिससे मोहम्मद अशफाक आलम की मौत हो गई। जबकि अन्य घायल का इलाज जारी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौपते हुए अगली कार्रवाई जारी रखी है।

एक नजर

किशोर पर पेड़ की सूखी टहनी गिरने से मौत

बिक्रमगंज। प्रखंड क्षेत्र के नोनहर पंचायत तहत उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय के पास स्थित पीपल के पेड़ की सूखी टहनी अचानक गिर पड़ी। जिसके चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। जबकि दो अन्य किशोर बाल बाल बचे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि नोनहर निवासी जगदीश नोनिया के 12 वर्षीय पुत्र लवकुश कुमार, धर्मेन्द्र चंद्रवंशी के पुत्र वीरू कुमार और कमल मालाकार के पुत्र सोनू कुमार विद्यालय के पास स्थित एक पीपल के पेड़ के नीचे बैठे थे कि पेड़ की सूखी टहनी अचानक गिर पड़ी। जिसके चपेट में लवकुश कुमार आ गया। पेड़ उसके सिर पर गिरने से मौके पर हीं उसकी मौत हो गई। जबकि दो अन्य किशोर बाल बाल बचे। घटना की सूचना पर सीओ बिक्रमगंज रजत कुमार वर्णवाल वहां पहुंच कर घटना का जायजा लिए। वहीं सुर्यपुरा पुलिस घटना स्थल पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दी है। घटना से जहां मृतक किशोर के घर कोहराम मच गया है, वहीं गांव में मातम पसर गया है। घटना के सूचना पर मुखिया प्रतिनिधि मिक्की राज मेहता, वार्ड सदस्य राजू चौधरी सहित कई लोग मृतक किशोर के घर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाया। घटना स्थल पर पहुंचे सीओ रजत कुमार वर्णवाल से लोगों ने मुआवजे की मांग की है।

दीवार के नीचे दबकर मजदूर की मौत

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के मिल्की मोहल्ले में सोमवार के दोपहर दीवार गिरने व मलबे के नीचे दबकर एक मजदूर की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक सारण (छपरा) जिला के मुसेपुर थाना क्षेत्र के महुआनी बिंद टोली गांव निवासी मानक महतो का 33 वर्षीय पुत्र विश्वकर्मा महतो है एवं वह पेशे से मजदूर था। वह 15 वर्ष से टाउन थाना क्षेत्र के बिंद टोली वार्ड 6 मोहल्ले में अपने ससुराल में ही रहता था। इधर मृतक के साला सूरज ने बताया कि वह प्रतिदिन की भांति सोमवार की सुबह मिल्की मोहल्ला में मजदूरी का काम करने गए थे। सोमवार की दोपहर जब वह वहां पर दीवार तोड़ रहे थे। उसी दौरान दीवार भड़बड़ा कर उनके ऊपर गिर पड़ा और वह मलबे के नीचे दब गए।सूचना पाकर टाउन थानाध्यक्ष देवराज राय पुलिस बल के साथ फॉरेन घटनास्थल पर पहुंचे और जेसीबी बुलवाकर मलबे को हटाकर मजदूर को निकल गया। इसके बाद सूचना पाकर परिजन भी वहां पहुंचे। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदस्य अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी मंजू देवी व पांच पुत्री काजल,पूजा,चंदा,प्रति एवं अर्चना है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। मृतक की पत्नी मंजू देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मायके जाने को निकली महिला हुई गायब

जहानाबाद। मखदुमपुर ब्लॉक के विसुनगंज थाना क्षेत्र के नवादा गांव से मायके जाने के लिए निकली महिला गायब हो गई है। जिससे परिजनों की परेशानी बढ़ गई है। इस बाबा महिला सरिता देवी के पुत्र रवि रंजन शर्मा ने सोमवार को विसुनगंज थाने में आवेदन देकर लिखित शिकायत दर्ज कराया है। दिए आवेदन में उन्होंने कहा है कि उनकी मां 8 जुलाई को घर से मायके जाने के लिए निकली थी जो मायके भी नहीं पहुंच पाई एवं अभी तक कोई अता-पता नहीं चला है। वही विसुनगंज थाना अध्यक्ष फूलचंद कुमार यादव ने बताया कि पुलिस मिले आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एवं मामले की जांच में जुटी हुई है। हालांकि उन्होंने बताया की महिला की मानसिक हालत ठीक नहीं है।

उपाध्यक्ष पद से एक ने अपना नामांकन लिया वापस

बिक्रमगंज। बार एसोसिएशन बिक्रमगंज के चुनाव में नामांकन पत्र वापसी तिथि 15 जुलाई को उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार संतोष कुमार श्रीवास्तव ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। उनके नामांकन वापसी के साथ हीं उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार दिनेश कुमार सिंह और सुशील कुमार सिंह का निर्विरोध निर्वाचित होना तय हो गया है। अब अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के लिए हीं मतदान होगा। उपाध्यक्ष के साथ साथ सहायक सचिव, संयुक्त सचिव, अंकेक्षक और कार्यकारिणी के सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचित होना तय था। इन पदों के लिए पद के संख्या से अधिक उम्मीदवारों ने नामांकन नहीं किया था। अब अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार सत्येन्द्र सिंह और गोपाल कृष्ण भारद्वाज के बीच आमने-सामने टक्कर होगी। वहीं कोषाध्यक्ष के लिए भी दो उम्मीदवार राजेश कुमार सिंह और अभय कुमार के बीच मुकाबला है। जबकि महासचिव पद के लिए 9 उम्मीदवार मैदान में डटे हुए हैं। निवार्ची पदाधिकारी रामनरेश सिंह ने बताया कि 26 जुलाई को अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और महासचिव पद के लिए नामांकन होगा।

राजपुर में 1.5 लाख रूपए लूटकर भाग रहे चार लुटेरे गिरफ्तार, हथियार व नगदी बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर पुलिस ऐक्शन मोड में है। एक दिन पहले पूर्व मंत्री को गिरफ्तार करने के बाद स्थानीय पुलिस सोमवार को एक व्यक्ति से 1.5 लाख की लूट कर भाग रहे पांच में से चार लूटेरों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि उनका पांचवा साथी भागने में सफल रहा। पुलिस ने उनके पास से 50 हजार नगद के अलावे एक देशी कट्टा, छह कारतूस तथा दो बाइक बरामद किया है। इसकी सूचना मिलते ही सदर डीएसपी धीरज कुमार राजपुर पहुंच गिरफ्तार किए गए लूटेरों से आवश्यक पूछताछ की। मिली जानकारी के अनुसार बिजौली गांव निवासी राजकुमार गुप्ता सोमवार को सरेंजा स्टेट बैंक से डेढ़ लाख रुपए की निकासी कर अपने गांव जा रहे थे। शाम तीन बजे वे जैसे ही हेठुआ गांव के नजदीक पहुंचे कि दो बाइक पर सवार पांच की संख्या में अपराधी इनका पीछा करते आ धमके तथा कट्टा दिखा उनसे रूपयों से भरा बैग छिन लिए। हालांकि अपराधियों की किस्मत खराब थी, वे घटना को अंजाम देने के बाद पुनः उसी रास्ते से भागने लगे। लेकिन, कुछ दूर जाकर रास्ता भटक कर राजपुर जाने वाली पक्की सड़क को पकड़ लिए, इधर पीड़ित उन्हें भागते हुए देख रहा था तथा तत्काल राजपुर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने उनकी घेराबंदी शुरू कर दी तथा जैसे ही वे राजपुर गांव के पास पहंचे कि थानाध्यक्ष संतोष कुमार एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने उन्हें घेर लिया तथा दो को पुलिस ने दबोच लिया। जबकि दो अन्य अपराधी भागते हुए अनुसूचित जाति बस्ती की तरफ भागे, जिनका पीछा कर ग्रामीणों ने पकड़ कर पहले तो उनकी जमकर पिटाई की फिर पुलिस को सौंप दिया।

कामाख्या पहाड़ स्थित खदान से एक युवक का शव पुलिस ने किया बरामद

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम स्थित मुफस्सिल थाना अंतर्गत करवंदियाओपी क्षेत्र अंतर्गत कामाख्या पहाड़ स्थित खदान से एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है। खदान से बरामद शव की शिनाख्त सासाराम नगर थाना क्षेत्र के सागर मोहल्ला के 20 वर्षीय युवक अर्जुन कुमार के रूप में हुई है। शव की शिनाख्त के साथ ही परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के भाई आकाश कुमार ने बताया कि उसका भाई अर्जुन कुमार पिछले दिन घर से पिकनिक मनाने के लिए निकला था। शाम तक घर नहीं पहुंचने पर खोजबीन चल रहा था कि कामाख्या पहाड़ स्थित खदान में एक युवक की शव तैरने की सूचना मिली। जहां पुलिस के साथ पहुंचने पर उक्त शव की शिनाख्त की गई। पीड़ित परिजन ने मामले में जांच करने की मांग उठाई है। परिजनों का आरोप था कि युवक की किसी ने हत्या कर उसका शव छुपाने की नियत से छुपा दिया था। परिजनों का मांग था कि इस मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए। करवन्दियां ओपी के एएसआई ने बताया कि खदान से बरामद पुरुष शव की शिनाख्त कर लिया गया है। शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपते हुए अगली कार्रवाई जारी रखी है।

साइबर सेल सक्रियता से कार्य करते हुये सोशल मीडिया से अफवाह फैलाने वालों पर रखें कड़ी नजर

संवेदनशील स्थलों पर कड़ी निगरानी व सतर्कता रखें : डीएम

केटी न्यूज/जहानाबाद

मुहर्रम के अवसर पर जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे एवं पुलिस अधीक्षक अरविन्द प्रताप सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में बताया गया कि जहानाबाद जिला की संवेदनशीलता को देखते हुए विधि व्यवस्था के दृष्टिकोण से दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति दिनांक 16 जुलाई 2024 से लेकर मुहर्रम की संपन्नता तक निर्धारित की गई है। मुहर्रम पर्व के अवसर पर जिले में विशेष सतर्कता बरतने के लिए

कुल 114 स्थानों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गई है जो लोगों पर निरंतर नजर बनाये रखेंगे ताकि इस पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जा सके। इसके अतिरिक्त जहानाबाद नगर परिषद क्षेत्र के कुछ संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिसमें एरकी, सट्टी मोड़, प्यारी मुहल्ला, जाफरगंज, ईदगाह, बड़ी मस्जिद, कच्ची मस्जिद, मदारपुर करबला कब्रिस्तान, गड़ेरिया खंड शेखालमचक, राजा बाजार, कोर्ट बाजार, काको मोड़ एवं आस-पास के स्थान शामिल हैं, जहां दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी पुलिस बल के साथ अपने-अपने शिफ्ट में गश्ती करेंगे। इन्हें तीन शिफ्ट मे प्रतिनियुक्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने सभी को संवेदनशील स्थलों पर कड़ी निगरानी रखते हुए सचेत रहकर सतर्कता और सजगता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को चौकीदारों की प्रतिनियुक्ति कर संवेदनशील स्थलों से संबंधित सूचना संग्रहित कर शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने सभी को निर्देश दिया कि इस अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता नहीं बरतेंगे तथा थानावार निरोधात्मक कार्रवाई करना सुनिश्चित कर लेंगे। जिला पदाधिकारी ने सभी को विशेष सतर्कता बरतने तथा सभी सुरक्षात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साइबर सेल को सक्रिय होकर सोशल मीडिया पर चलने वाली अफवाहों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्षों को निदेश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौकीदार, दफादारों इत्यादि से ईदगाह एवं संवेदनशील स्थानों पर प्रतिनियुक्ति कर वहां की जानकारी प्राप्त करते रहेंगे । साथ ही उपद्रवियों पर कड़ी नजर बनाये रखेंगे। जो भी संदिग्ध दिखाई दें। तत्काल उसे हिरासत में लिया जाए।

बिना अनुमति के मुख्यालय छोड़ने पर होगी विभागीय कार्रवाई: जिलाधिकारी

- मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, जिला अनुश्रवण, विकास कार्यो से संबंधित हुई समीक्षा
- अनुपस्थित अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश

केटी न्यूज / बलिया

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, जिला अनुश्रवण, विकास कार्यो से संबंधित समीक्षा बैठक जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में सोमवार को विकास भवन में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संपन्न हुई। जिसमें कार्य की रैंकिंग बारी-बारी से विभागवार समीक्षा की। सभी अधिकारियों को मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर डाटा पूर्ण करे और डैशबोर्ड को प्रतिदिन देखे कोई भी आवेदन डिफाल्टर नहीं होनी चाहिए। कृषि विभाग द्वारा कार्य की रैंकिंग कम होने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि 25 जुलाई तक हर हाल में कार्य की रैंकिंग बढ़ाये। जिलाधिकारी ने सभी विभागों की विकास कार्य से संबंधित समीक्षा की गई, जिसमें कई विभागों की विकास रैंकिंग खराब पाए जाने पर नाराजगी जताते हुए, कहा कि सभी जिला स्तरीय अधिकारी अपना कार्य करने के लिए प्रतिदिन आदत डालें अगर कार्य में रैंकिंग कम पाई जाती है तो आपकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। सीडीओ ओजस्वी राज को निर्देश देते हुए कहा कि बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया। सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बिना मेरे अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे वर्ना विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जैसा कार्य करेंगे वैसा ही आपकी एसीआर व एंट्री लिखी जाएगी। सीडीओ को निर्देश दिया कि सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को एक नोटिस जारी किया जाय कि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है तो उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में सीडीओ ओजस्वी राज, सीएमओ एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

6 लाख 17 हजार गोवंशीय व महिषवंशीय का किया जाएगा टीकाकरण

बलिया। राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम अन्तर्गत खुरपका-मुंहपका रोग नियंत्रण टीकाकरण अभियान शुभारंभ जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में वाहन को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। अभियान आगामी 30 अगस्त तक चलाया जाएगा। इस अभियान के अन्तर्गत जनपद के 17 विकास खण्डों में 31 टीमों का गठन किया गया है, जो जनपद में 30 अगस्त तक 617000 गोवंशीय व महिषवंशीय पशुओं का नि:शुल्क टीकाकरण का कार्य करेंगे। जनपद में वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में समस्त विकास खण्डों पर उपलब्ध करा दी गयी है। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, बलिया ने पशुपालकों से अपील की है कि इस टीकाकरण कार्य में टीकाकरण टीम का अपेक्षित सहयोग करें एवं अपने पशुओं का भारत पशुधन ऐप पर पंजीकरण कराकर नि:शुल्क टीकाकरण करायें एवं अभियान का लाभ उठायें। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉक्टर एसके मिश्रा, डा श्रीरंगधर द्विवदी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर डा मनोज कुमार राव, डा. केके मौर्या अपनी टीम के टीम के साथ पशु विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

लाल निशान से नीचे आया पानी

बिल्थरारोड। पिछले दो दिनों से सरयू नदी के जलस्तर में कमी का सिलसिला जारी रहने के बाद सोमवार को नदी का पानी लाल निशान से नीचे आ गया। जिससे बाढ़ की संभावना टल गई है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार सोमवार की शाम जलस्तर 63.95 मीटर दर्ज किया गया, जो लाल निशान 64.01 मीटर से 6 सेंटीमीटर नीचे है। आयोग ने अगले 24 घंटे में एक-एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जलस्तर में घटाव का पूर्वानुमान किया है। नदी का पानी खतरे के निशान से नीचे आ जाने के बाद बाढ़ की संभावना फिलहाल टल गई है। लेकिन नदी के मिजाज में अप्रत्याशित परिवर्तन को लेकर तटवर्ती दर्जनों ग्रामों के हजारों लोग सशंकित हैं। सरयू नदी के तटवर्तीय गांव चैनपुर गुलौरा यादव बस्ती और मल्लाह बस्ती नदी के पानी से घिर गया है और कटान जारी है।

कुल सचिव ने किया योग, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का उदघाटन

मालीपुर। श्री नरहेजी स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरही में बीएड चतुर्थ सेमेस्टर योग एवं स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन जननायक चंद्रशेखर विश्विद्यालय के कुल सचिव एसएल पाल ने किया। शिविर में छात्राओं को योग के विविध आसनों का अभ्यास कराया गया। कुल सचिव एसएल पाल ने कहा योग हमारी प्राचीन बहुमूल्य विरासत है। भागदौड़ की जिंदगी में लोग शारीरिक मेहनत करना भूल गए हैं। इससे लोग बीमार हो रहे हैं। योग को नियमित दिनचर्या में शामिल कर स्वस्थ रहा जा सकता है। कहा कि प्रशिक्षण की पूर्णता स्काउट गाइड एवं योग से होती है। क्योंकि यह व्यवहारिक ज्ञान एवं विशेष परिस्थिति में जीवन जीने की कला सिखाता है। योग प्रशिक्षक ने शिविर में कपालभाति, अनुलोम-विलोम के साथ ताड़ासन, वृक्षासन, गोमुखासन, मंडूकासन व अन्य आसनों का अभ्यास कराया। इससे पूर्व कार्यालय अधीक्षक राजेश सिंह ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। डा कृष्ण मोहन सिंह एवं प्रदीप मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। अंत मे प्राचार्या डॉ सुशीला सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

आक्रोशित शिक्षकों ने रेवतीपुरी बीईओ को सौंपा इस्तीफा, मचा हड़कंप

गाजीपुर में ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में उतरे 34 शिक्षकों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

- शिक्षकों ने कहा-बड़े आंदोलन की तैयारी में, सरकार को वापस लेना होगा अपना फरमान

केटी नयूज / गाजीपुर

बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध तेज होता जा रहा है। सोमवार को रेवतीपुर बीआरसी परिसर में 34 शिक्षक संकुल ने अपने पद से सामुहिक रूप से अपना इस्तीफा बीईओ अशोक कुमार गौतम को सौंप दिया। साथ ही उन्होंने अपनी मागों को लेकर बीएसए को संबोधित एक पत्रक बीईओ को सौंपते हुए कहा कि जब तक उनकी मागें आनलाइन हाजिरी का निर्णय सरकार वापस नहीं लेती है। वह तबतक केवल शैक्षणिक कार्यों को छोड़ अन्य कोई गैर विभागीय काम नहीं करेगें। सामुहिक रूप से शिक्षक संकुल के इस्तीफा देते ही शिक्षा विभाग में हडकंप मच गया। इस दौरान सभी शिक्षक संकुल, शिक्षक संघ के पदाधिकारी आदि ने अपनी मागों को लेकर जमकर धरना- प्रदर एवं नारेबाजी की। इस दौरान विशिष्ट बीटीसी संघ रेवतीपुर ब्लाक के अध्यक्ष सुधारक सिंह ने कहा कि शिक्षकों पर जिस तरह से कार्यों के बोझ तले आनलाइन उपस्थिति का दबाव डाला जा रहा है, वह किसी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगा। जब तक शासन अपने निर्णय को वापस नहीं लेती है, शिक्षक संकुल का दायित्व नहीं निभाएगें। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल से शिक्षक संकुल के पद पर चयनित अध्यापक अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक तरीके से निर्वहन कर रहे हैं। मगर शासन एक के वाद एक नया तानाशाही आदेश जारी कर शिक्षकों पर बेजा दबाव बना रही है। जिसे हम कभी स्वीकार नहीं करेगें। कहा कि शिक्षकों की मागों को अगर शासन ने स्वीकार नहीं किया और अपना जारी आदेश वापस नहीं लिया तो शिक्षक सड़क से लेकर सदन तक बडा जनांदोलन शुरू कर सरकार की चूल्हे हिला देगें। उन्होंने कहा कि शिक्षक हितों से समझौता कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस मौके पर प्रफुल्ल राय, चंद्रशेखर त्रिपाठी, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, जयप्रकाश, विजयेंद्र नाथ सिंह, प्रवीण शुक्ला, रामानुज, मुस्ताक, पारसनाथ, अंजनी मिश्रा, कृष्णकुमार, मुहम्मद इकबाल अंसारी, संजय राय, जयशंकर राय, त्रिभुवन, नवनीत सुधाकर सिंह आदि मौजूद रहे।

खपा शिक्षक संकुल के 52 लोगों ने सामूहिक त्यागपत्र दिया

संगठन के बात नहीं मानी तो आगे और तेज होगा आंदोलन

गाजीपुर। जखनियां ब्लॉक के उत्तर प्रादेशिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष हरिंद्र यादव के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की संबोधित 52 शिक्षक संकुल पद से सामूहिक त्यागपत्र का पत्रक ब्लॉक शिक्षा संसाधन केंद्र के एकाउंटेंट सतीश सिंह को सौंपा। ब्लॉक के 56 संकुल शिक्षकों में से 52 शिक्षक संकुल शिक्षक ने त्यागपत्र पर सिग्नेचर करके एकाउंटेंट को सौंप दिया। उत्तर प्रादेशिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष हरिन्द यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे सौतेला व्यवहार शिक्षकों के साथ किया जा रहा है। शिक्षक को हर विभाग का काम भी सौपा जाता है। जिसे शिक्षक पूरी निष्ठा भाव से पूरा करते हैं, लेकिन हर विभागों से शिक्षकों को सबसे कम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है।
शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति का आदेश जारी किया गया है। प्रदेश के लाखों शिक्षक 31 उपार्जित अवकाश, 14 आकस्मिक अवकाश, प्रतिकर तथा अध्ययन अवकाश, नि:शुल्क चिकित्सा प्रतिपूर्ति, द्वितीय शनिवार अवकाश जैसी मांगों पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा अब तक न ही उचित निर्णय लिया गया है और ना ही संघ के पदाधिकारी से कोई वार्ता की गई है। बेसिक शिक्षा विभाग की हठधर्मिता से प्रदेश तथा गाजीपुर जनपद के सभी शिक्षक बहुत ही आहत है। इसी मामले को लेकर जखनियां ब्लाक के समस्त शिक्षक संकुल अपने तथा अपने शिक्षकों की जायज मांगों के समर्थन में शिक्षक संकुल सामूहिक त्यागपत्र दे रहे हैं। इस मौके पर उत्तर प्रादेशिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष हरिन्द यादव, तहसील अध्यक्ष रामजन्म यादव, नीरज सिंह, सुशील पांडेय, राकेश सिंह, अरविंद सिंह, जुगनू यादव, अवनीश कुमार यादव, पंकज कुमार, संतोष कुमार भारती, अनिल कुमार, सुनील गुप्ता, मनोज कुमार, प्रदीप कुमार गुप्ता, विशंभर नाथ वर्मा, विप्लव पांडेय, रामाशंकर यादव, इंदु शेखर मौर्य, अरविंद कुमार यादव, कैलाश सिंह यादव, सुजीत कुमार विश्वकर्मा, कौशल विश्वकर्मा, अमित कुमार मौर्य, दिनेश कुमार वर्मा, सुशील कुमार पांडे सहित दर्जनों शिक्षक मौजूद रहे।

सरकार मान ले मांगें, हम ऑनलाइन हाजिरी को हैं तैयार : जितेन्द्र

- शिक्षक संघ में बीएसए कार्यालय परिसर में किया विरोध प्रदर्शन
- बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सरकार को भेजो मांग पत्र

केटी न्यूज / बलिया

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में प्रदेश से लेकर जनपद स्तर पर आठ जुलाई से लगातार शिक्षक संगठन विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षक स्कूल में शिक्षण कार्य तो कर रहे हैं, लेकिन ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं दे रहे हैं। सोमवार को एक बार फिर जिले के शिक्षक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में इकट्ठा हुआ। वहां सरकार के फैसले के खिलाफ सभा और विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिया। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक सबसे दुर्गम स्थानों पर स्थित स्कूलों में सेवा प्रदान कर रहे हैं। बहुत से स्कूल है जहां आवागमन के लिए सड़क नहीं है, यदि कहीं सड़क उपलब्ध है तो कोई भी सार्वजनिक वाहन की सुविधा नहीं है। वे निजी वाहन तथा पैदल यात्रा करने के अलावा दुर्गम मार्गों में नदी, जलभराव, पगडंडी से होते हुए बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल पहुंचते हैं।

बहुत से अध्यापकों को प्रतिदिन 50-60 किमी तक दूर स्थित स्कूल पर बाइक से जाना पड़ता है, उनके साथ आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं। ऑनलाइन हाजिरी की स्थिति में विद्यालय पहुंचने की जल्दीबाजी में और हादसे होंगे उसका कौन जिम्मेदार होगा। उन्होंने मांग की कि शिक्षकों को भी अन्य अधिकारियों कर्मचारियों की तरह एक वर्ष में 14 आकस्मिक अवकाश के अतिरिक्त 31 उपार्जित अवकाश, 12 द्वितीय शनिवार अवकाश के साथ ही अर्द्ध दिवस आकस्मिक अवकाश की सुविधा दी जाय। इसके बाद ऑनलाइन हाजिरी की बात हो।

यह रहें मौजूद

बलिया। बीएसए कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान इस पन्दह के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र गुप्त, मंत्री सैफुद्दीन अंसारी, दुबहड़ के अध्यक्ष अजीत पांडे, मंत्री समरजीत बहादुर सिंह, नवानगर के अध्यक्ष सुशील कुमार, मंत्री विनय यादव, सीयर के अध्यक्ष अशोक कुमार, मंत्री अवधेश कुमार, नगरा के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, मंत्री ओमप्रकाश, रसड़ा के अध्यक्ष बलवन्त सिंह, मंत्री उदय नारायण, चिलकहर के अध्यक्ष अरुण पांडे, मंत्री सत्यजीत सिंह, सोहांव के अध्यक्ष तुषारकांत राय, मंत्री पारस चक्रवर्ती, बेलहरी के अध्यक्ष शशिकांत ओझा, मंत्री संतोष सिंह, हनुमानगंज के अध्यक्ष अजय सिंह, मंत्री शक्ति मिश्रा, बैरिया के अध्यक्ष सुनील सिंह, मंत्री प्रवीण ओझा, बेरूआरबारी अध्यक्ष जितेंद्र प्रताप सिंह, मंत्री संजय दुबे, मुरलीछपरा अध्यक्ष नीरज सिंह, रेवती अध्यक्ष सुनील सिंह, मंत्री राधेश्याम पांडे बांसडीह अध्यक्ष जयप्रकाश, मंत्री आदित्यनाथ, गड़वार अध्यक्ष अनिल पांडे, मंत्री टुनटुन प्रसाद के अलावा डा. राजेश मिश्रा, भूपेंद्र मिश्रा, कमला सिंह, संगीता चौबे, संगीता वर्मा, नेहा, सरिता सिंह आदि थे।

एक नजर

न्याय की हत्या कर रही है योगी सरकार: माले

बलिया। सोनभद्र के राबर्ट्सगंज में भाकपा माले के जिला कार्यालय को जिला प्रशासन द्वारा कुर्क करने की कार्रवाई के खिलाफ भाकपा माले के कार्यकताओं ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदेशन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि उप जिलाधिकारी-कृष्ण कान्त विश्वकर्मा को सौंपा। ज्ञापन में सोनभद्र के राबर्ट्सगंज में प्रशासन द्वारा अनुचित तरीके से कुर्की की कार्रवाद को रद्द करने और भाकपा माले कार्यालय को पुनः बहाल करने के साथ ही तहसील प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। इस अवसर पर पार्टी के केन्द्रीय कमेटी के सदस्य श्रीराम चौधरी ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार न्याय और लोकतंत्र की हत्या कर रही है। गरीबों व मजदूरों और पीड़ित लोगों की आवाज को माले हमेशा उठाती रही है। कार्यालय को जब्त करने से गरीबों और कामगारों की आवाज को नहीं दबाई जा सकती है। कहा कि जब मामला जिला अदालत में विचाराधीन है तो आखिर उसे बिना अदालत आदेश के प्रशासन ने क्यों कुर्क किया। कहा कि भाजपा सरकार में गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है। एक तरफ न्याय और लोकतंत्र की बात हो रही है, वहीं यह सरकार न्याय और लोकतंत्र की हत्या कर रही है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लाल साहब, लक्ष्मण यादव, बसन्त सिंह, शैलेश सिंह एडवोकेट, वशिष्ठ राजभर, नियाज अहमद, भागवत बिन्द, लीलावती, मोहम्मद यूसुफ खान, उपेन्द्र कुमार सैनी, संगम कुमार, रमेश बिन्द, राजेश गोंड, रजब उर्फ खैरूल बसर, जय प्रकाश शर्मा, जनार्दन सिंह, नागेन्द्र प्रसाद, आशा देवी, अलगू बिन्द, शिवबिलास शाह, मुन्नी पासवान, फूलचन्द राम, कमलावती देवी, आदि लोग शामिल रहें।

सामंती अपराधियों के खिलाफ बसपा ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर किया प्रदर्शन

बलिया। संवरा वीरनपुरा गांव में सामंती अपराधियों द्वारा दलित समाज के नौजवान, बूढ़े, औरतों के उपर हुए अत्याचार के विरोध में सोमवार को बसपा के कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान एसपी को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया कि बीते 21 जून की रात्रि संवरा वीरनपुरा गांव में सामंती अपराधियों ने गांव के दलित समाज के नौजवान, बूढ़े, औरतों को मारेपीटे तथा उनके साथ गालीगलौज भी किया। मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ। लेकिन अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी न होना सीधे-सीधे सामंतियों के गुंडाराज को दशार्ता है। चेतावनी दिया कि यदि आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भारती महफूज आलम, राजकुमार राव, धनजय भारती, सत्येंद्र कुमार, सुनील कुमार, रवि कुमार आदि रहे।

गांव-गांव में सदस्यता अभियान चलायें कार्यकर्ता: अरूण राजभर

सिकंदरपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की एक बैठक डाक बंगले पर हुई। जिसमें सिकंदरपुर विधानसभा संगठन की चर्चा हुई। जिसमें संगठन प्रभारी अरुण राजभर ने कहा संगठन की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आवाहन किया। कहा कि कार्यकताओं के समर्पण और त्याग के बल पर ही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी उत्तर प्रदेश में एक मजबूत संगठन वाली पार्टी बनी है। कहा कि सुभासपा शीर्ष नेतृत्व ने फैसला लिया है कि हमें पूरी ताकत से एकजुट होकर गाँव गांव में जाकर सदस्यता अभियानों को शत प्रतिशत धरातल पर लाना है। आने वाले चुनाव में पार्टी का झंडा ऊंचा कर राष्टीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के हाथों को मजबूत करना है। इस बैठक में रजनीश श्रीवास्तव, पारस मिश्रा, फागू सिंह, दिलीप राजभर, श्रीनिवास राजभर, सुग्रीव राजभर, चेयरमैन अजय राजभर, संजय राजभर, सुरेंद्र राजभर आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर में घुसकर चोरों ने गहने व नकदी पर किया हाथ साफ

सिंहपुर। कस्बे में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। बेखौफ होकर चोर घटनाओं को अंजाम दे रहे है। बीती रविवार की देर रात सिंहपुर में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जिसके कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। चोरी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फेफना थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंहपुर निवासी हवलदार ने बताया कि बीती रात खाना खाने के बाद वे बरामदे में सो गए एवं परिवार के अन्य सदस्य छत पर सोने चले गए। रविवार देर रात चोरों ने घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। सुबह जब नींद खुली तो पता चला कि कमरे का दरवाजा खुला हुआ है और कमरे से चार बक्शा गायब है। जब घर के आसपास देखा गया तो कुछ दूर बाजरे की खेत में ताला टूटा हुआ एक बक्सा मिला। जिसमे रखे हुए कपड़े खेत में इधर-उधर बिखरे पड़े थे, जबकि नकदी व जेवरात उसमें से गायब थे। वहीं काफी खोजबीन करने के बाद भी तीन बक्शे नहीं मिले। पीड़ित हवलदार सिंह ने बताया कि चोरों ने उनके घर से कीमती कपड़ा, नगदी पैसे समेत ज्वेलरी पर हाथ साफ किया है।

रोपनी के समय कभी ईश्वर, कभी काले बादल, तो कभी अपने पति को करती है याद

...तो इसलिए धान की रोपाई करते वक्त गीत गाती है महिलाएं

केटी न्यूज / बलिया

खेतों में महिलाएं सालों से काम कर रही हैं। यह बात तो सब जानते हैं, लेकिन महिलाओं द्वारा खेत में निभाई जाने वाली परंपरा के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। दरअसल, धान की रोपाई करते हुए महिलाएं गीत के माध्यम से बहुत कुछ बयां करती हैं। धान के पौधे को जीवनदान देते समय ये महिलाएं कभी भगवान को याद कर रही हैं, तो कभी अपने पति को। ऐसा माना जाता है की खुशहाली और पुरानी परंपरा से तैयार होने वाला खाने वालों को अन्न सकारात्मक एनर्जी देता है।

इतिहासकार डॉ. शिवकुमार सिंह कोशिकेय ने बताया कि यह जो धान की रोपनी करते समय महिलाएं गीत गा रही हैं, यह बहुत पुरानी परंपरा है। इन महिलाओं के गीत बहुत कुछ बयां करते हैं। वो कभी ईश्वर, काले बादल तो कभी अपने पतिदेव को याद करती हैं। ऐसे में उपजे अनाज खाने से शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। डॉ. शिवकुमार ने बताया कि यह परंपरा सालों से चलती आ रही है।

कुछ यूं करती हैं महिलाएं धान की रोपाई

बलिया। जनपद के धर्मपुरा गांव में धान की रोपनी कर रही तमाम महिलाओं ने परंपराओं के गीत सुनाए। उन्होंने कभी गीत के माध्यम से फसल अच्छी हो इसके लिए वो भगवान राम से दुआ कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि एक बीघा की रोपनी लगभग 2 घंटे में 12 लोग मिलकर पूरा करते हैं। इसके लिए उन्हें 2 हजार रुपये दिए जाते हैं।

भारत की अनोखी परंपराएं

बलिया। रोपाई करते वक्त महिलाओं का गीत गाना खास है। जैसे बच्चे पर दादी-नानी गीत गाया करती हैं। ठीक उसी तरह फसल को उगाते और रोपाई करते वक्त कई नियमों का पालन किया जाता है।

घर से खेलने निकला बालक पानी से भरे पोखर में डूबा

केटी न्यूज / गाजीपुर। सुहवल थाना क्षेत्र के ताड़ीघाट गांव के पास हाई-वे के दक्षिण तरफ पानी से भरे पोखरे में डूबने से सायंकाल एक 12 वर्षीय बालक मंजीत कुमार की डूबने से मौत हो गई। इसके चलते परिजनों में कोहराम मच गया।सूचना पर पहुंची डायल 112 नंबर ने बालक को अपने वाहन से लेकर जिला अस्पताल पहुंची, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर वापस घर चले आए। घटना के बाद मां शीला देवी सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। जबकि घटना की जानकारी होने के बाद ताड़ीघाट स्थित दलित बस्ती में सन्नाटा पसरा हुआ है। मृत बालक के पिता उमेश राम ने बताया कि उसकी एक पुत्री एवं दो पुत्र थे। जिसमें मंजीत कुमार दूसरे नंम्बर पर था। वह गांव पर ही एक स्कूल में कक्षा सात का छात्र था। पिता ने बिलखते हुए बताया कि आज शाम वह खेलने की बात कहकर जाने लगा। जिस पर उसे उसकी मां एवं खुद उन्होंने मना किया। मगर मंजीत ने दोनों की बात को अनसुना करते हुए जल्द घर आने की बात कहते हुए खेलने निकल गया। बताया कि काफी देर होने पर भी जब उनका बेटा घर नहीं लौटा तो वह खोजने निकल पडे। पिता ने बताया कि इसी दौरान उन्हें ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिली कि उनका पुत्र पानी से भरे पोखरे में डूब गया है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों के द्वारा काफी मशक्कत के बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया। बताया कि उसके बाद 112 डायल पुलिस उनके पुत्र को जिला अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सक ने उनके पुत्र को मृत घोषित कर दिया। पिता ने बिलखते हुए बताया कि उनका मृत पुत्र पढने में काफी होनहार होने के साथ ही चंचल स्वभाव का था। बताया कि वह हमेशा कहता था कि बड़ा होकर पढ़ लिखकर परिवार व गांव का नाम रौशन करूंगा। प्रभारी निरीक्षक राजेश त्रिपाठी ने बताया कि डूबे किशोर को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया है। बताया कि उसके बाद परिजन शव को लेकर घर चले आए। कहा कि अगर परिजन पोस्टमार्टम कराना चाहेगें तो पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए तैयार है।

कार्बन फाइनेंस के जरिए किसानों की आय में वृद्धि करेगी योगी सरकार

- पहले चरण में कार्बन क्रेडिट से लाभान्वित होंगे यूपी के छह मंडल के किसान
- 25,140 किसानों को अनुमानित 42,19,369 कार्बन क्रेडिट किया जाएगा

केटी न्यूज/ लखनऊ

योगी सरकार कार्बन फाइनेंस के जरिए पौधरोपण करने वाले कृषकों की आय में भी वृद्धि का भी मार्ग प्रशस्त कर रही है। भारत सरकार ने 2070 तक देश को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन में सक्षम बनाने की घोषणा की है। किसानों द्वारा पौधरोपण करने से कार्बन क्रेडिट के माध्यम से उनकी आय में अतिरिक्त वृद्धि की जाएगी। इसके तहत किसानों को अधिक से अधिक तेज गति से बढ़ने वाले पौधों (पापुलर, मीलिया डूबिया, सेमल आदि) का रोपण करना होगा। प्रत्येक पांचवें वर्ष में छह अमेरिकी डॉलर के हिसाब से प्रति कार्बन क्रेडिट की खरीद होगी। उल्लेखनीय है कि इससे लगाए गए पेड़ों से किसानों को अतिरिक्त आय भी होगी। इसके लिए योगी सरकार की ओर से किसानों को इंसेंटिव के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। सीएम ने कार्बन फाइनेंस का प्रचार-प्रसार अधिक से अधिक किसानों तक करने का भी आदेश दिया है। कार्बन क्रेडिट से पहले चरण में उत्तर प्रदेश के छह मंडलों के किसान लाभान्वित होंगे। विगत दिनों हुई उच्च स्तरीय बैठक में सीएम ने किसानों को तत्काल इसका लाभ मुहैया कराने का आदेश दिया था। पहले चरण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर, राजधानी लखनऊ, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद व सहारनपुर को चयनित किया गया है। इस प्रक्रिया में टेरी व वीएनवी एडवाइजरी सर्विस का सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। 2024-2026 के मध्य कृषकों को 202 करोड़ का इंसेंटिव मिलेगा। प्रथम चरण में चयनित गोरखपुर के 2406 किसानों को 34.66 करोड़, बरेली के 4500 किसानों को 24.84 करोड़, लखनऊ में 2512 किसानों को 21.26 करोड़, मेरठ में 3754 किसानों को 21.67 करोड़, मुरादाबाद में 4697 किसानों को 38.05 करोड़, सहारनपुर मंडल के 7271 किसानों को 61.52 करोड़ रुपये की सहायता मिलेगी यानी कुल 25140 किसानों को 202 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। पहले चरण में गोरखपुर मंडल के चयनित 100 किसानों को कार्बन क्रेडिट से प्राप्त 50 लाख वितरित किया जाएगा। प्रत्येक पांचवें वर्ष छह डॉलर प्रति कार्बन क्रेडिट होगा। अनुमानित कार्बन क्रेडिट42,19,369 होगा। वहीं द्वितीय चरण में सात मंडल देवीपाटन, अयोध्या, झांसी, मीरजापुर, कानपुर, वाराणसी व अलीगढ़ का चयन किया गया है। तीसरे चरण में पूरे प्रदेश को कार्बन फाइनेंसिंग से आच्छादित करना प्रस्तावित है।

क्या है कार्बन अवशोषण-कार्बन क्रेडिट व्यापार

कार्बन फाइनेंसिंग अभिनव वित्तीय साधन है, जो कार्बन उत्सर्जन को मौद्रिक मूल्य प्रदान करता है। उत्सर्जन की भरपाई करने के इच्छुक व्यवसायों को कार्बन क्रेडिट के माध्यम से एक प्रकार का व्यापार योग्य परमिट उपलब्ध कराता है। कार्बन क्रेडिट अपने धारक को एक टन कार्बन डाईऑक्साइड या अन्य ग्रीनहाउस गैसों की समान मात्रा उत्सर्जित करने की अनुमति देता है। किसानों के परिपेक्ष्य में उनके द्वारा लगाए गए पेड़ों के जरिए कार्बन उत्सर्जन में आई कमी को यह लक्षित करेगा। किसानों को प्रति टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन रोकने के लिए कार्बन क्रेडिट दिया जा रहा है, जो उन्हें इंसेंटिव के तौर पर वित्तीय रूप से लाभ उपलब्ध कराएगा।

एक नजर

कुत्ते के विवाद में हुई चाकूबाजी में महिला समेत दो घायल, दो आरोपी गिरफ्तार

चंदौली। अलीनगर थानाक्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर तीन में दो दिन पूर्व एक कुत्ता के ऊपर बाइक चढ़ जाने को लेकर अलग अलग समुदायों के दो पक्षों के बीच उपजे विवाद के बाद रविवार की बीती देर रात्रि एक धर्म समुदाय के लोगों ने दूसरे दूसरे धर्म समुदाय के लोगों पर चाकू व डंडे से हमला कर दो लोगों को लहूलुहान कर दिया, जिससे क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गये और आनन फानन में भारी पुलिस बल के साथ पहुंची अलीनगर थाने की पुलिस व क्षेत्राधिकारी पीडीडीयू नगर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया व दोनों घायलों को भोगवारे स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया जहाँ दोनों का इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक अलीनगर वार्ड नंबर तीन स्थित पासवान बस्ती में दो विशेष धर्म समुदाय के लड़कों के बीच क्रिकेट को लेकर तीन चार दिन पूर्व कहासुनी हुई थी।इसके बाद दो दिन पूर्व कुत्ते पर बाइक चढ़ जाने को लेकर भी विवाद हुआ था। जिसका खुन्नस लिए बैठे एक पक्ष विशेष धर्म समुदाय के लोगों ने रविवार की रात्रि मुहर्रम की ताजिया के लिए मिट्टी लेकर लौटने के दौरान दूसरे पक्ष के लोगों के बीच फिर कहासुनी हुई, लेकिन सभी वहां से चले गए। लेकिन कुछ देर बाद एक पक्ष के कई लोग दूसरे पक्ष के घर पर पहुँचे और लाठी डंडे व चाकू से हमला कर एक महिला समेत दो लोगों को गंभीर रुप से लहूलुहान कर घायल कर दिया। आनन फानन में भारी संख्या में पुलिस बल के साथ पहुंचे सीओ पीडीडीयू नगर अनिरुद्ध सिंह व प्रभारी निरीक्षक शेषधर पांडेय ने तत्काल दो लोगों को हिरासत में लेकर घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया है। गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए क्षेत्र में पुलिसबल तैनात कर दिया गया। थाना प्रभारी अलीनगर शेषधर पांडेय ने बताया कि पुराने और कुत्ते के विवाद को लेकर दो समुदाय के युवक आपस में भिड़ गए थे। घायलों को इलाज हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया है। तहरीर और जांच - पड़ताल के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं सीओ अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि दो पक्षों के बीच कुत्ते को लेकर विवाद दो दिन पहले हुआ था। इसी बात को लेकर एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के साथ मारपीट किया है जिसमें दो लोग घायल हैं। जिनका इलाज चल रहा है। मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। स्थित पूरी तरह नियंत्रण में है।

आनलाइन अटेंडेंस के विरोध में शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

चंदौली। आनलाइन उपस्थिति के विरोध में कलेक्ट्रेट पर सोमवार को शिक्षकों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। शिक्षक संघ ने संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर एकत्रित शिक्षकों ने प्रदर्शन किया और धरने पर बैठ गए। इस दौरान धरनारत शिक्षकों ने चेताया कि यदि उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो महानिदेशक कार्यालय लखनऊ पर अनिश्चितकालीन धरना देंगे। गौरतलब है कि बेसिक शिक्षा परिषद विद्यालयों के शिक्षकों को लेकर सरकार द्वारा आनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश दिया गया है। जिसको लेकर शिक्षा विभाग ने भी अपनी सहमति दी है, लेकिन आनलाइन उपस्थिति के आदेश के बाद से ही तमाम शिक्षकों ने विरोध की राह अपना ली है। इसी विरोध के क्रम में सोमवार को तमाम शिक्षक, शिक्षा मित्र कर्मचारी एवं अनुदेशकों ने संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर चंदौली कलेक्ट्रेट पहुंच हंगामा और प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने डीएम निखिल टीकाराम फुंडे को मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रक सौंपा। शिक्षकों ने इस दौरान कहा कि यदि उनकी आनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश वापस नहीं हुआ तो सभी शिक्षक महानिदेशक कार्यालय लखनऊ पर पहुंचकर 29 जुलाई को अनिश्चितकालीन धरने पर चले जायेंगे। इस दौरान प्राथमिक शिक्षक अनुकंपा आश्रित प्रदेश अध्यक्ष आनंद मिश्रा उर्फ डंडा गुरु ने कहा कि यह आंदोलन आनलाइन उपस्थिति के विरोध में है। शिक्षकों की मांगे हैं कि शिक्षकों को 30 दिन का ईएल, 15 दिन का आकस्मिक अवकाश एवं शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को नियमित करने की कार्रवाई सरकार पूरी नहीं करती तब तक आंदोलन चलता रहेगा।

खबरें फटाफट

गड्ढा युक्त सड़क और जलजमाव दे रहा दुर्घटना को दावत

मऊ। मुहम्मदाबाद गोहना तहसील अन्तर्गत अति व्यस्ततम बाजार

करहाँ जहानागंज मार्ग पर जोगियाने मुहल्ले में लगभग 300 मीटर गड्ढायुक्त सड़क में बरसात का पानी जमा होने से जानलेवा साबित हो सकती है। इसमें आए दिन लोग गड्ढे में फंस कर गिर कर घायल भी हो रहे हैं। इसके कारण पैदल व साइकिल, दोपहिया व चारपहिया वाहन चालक, ठेला, रिक्शा वालों का चलना दुष्कर हो गया है। क्षेत्रवासियों ने इस समस्या से निजात दिलाने की माँग की है। बता दें कि पुलिस सहायता केंद्र से लगभग गुरादरी मठ की परिधि तक राहगीरों को इस मार्ग से जाने में अब डर लगने लगा है। क्षेत्र की जनता में इस समस्या को लेकर आक्रोश है। विष्णुकांत श्रीवास्तव, दयाप्रकाश सिंह, श्यामविहारी जायसवाल, जगदीश चौहान, रविन्द्र उर्फ मटरू यादव, महेंद्र विश्वकर्मा, जुमुद्दीन अहमद, अजय यादव, वसीम खां आदि ने बताया कि सम्बंधित कार्यदायी संस्था व शासन- प्रशासन द्वारा यह मार्ग जल्द से जल्द ना बनाया तो हम लोंगो को किसी बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मिला प्रमाण पत्र

मऊ। प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई ने बताया कि हमारा देश विकासशील देश हैं, लेकिन हमारे देश में युवाओं की संख्या विश्व के अन्य देशो से कही अधिक है परन्तु आज बहुत से भारतीय युवा प्राथमिक शिक्षा से भी वंचित हैं, उन्होंने पढ़ाई या तो प्राथमिक शाला के पहले या बाद मैं ही छोड़ दी है और उनके पास कोई टेक्निकल डिग्री भी नही है, युवा कौशल और व्यावसायिक शिक्षा के अभाव मैं अच्छे रोजगार से वंचित हैं। इसी क्रम में 15 जुलाई 2024 को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति पत्र वितरित किये गये। विश्व युवा कौशल दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2014 में 15 जुलाई को विश्व युवा दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा की तथा सभी देशों से यह आग्रह किया।

चंदौली जिला के बबुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोरारी गांव का मामला

मारपीट के आरोपियों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमला

- दो पुलिसकर्मियों को आई गंभीर चोटें, मचा हड़कंप

केटी न्यूज / चंदौली

बबुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोरारी गांव में भाई - भाई में हुए विवाद में आरोपियों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर दबंगों ने जानलेवा हमला बोल दिया। दोनों भाइयों के बीच मारपीट की घटना का मूल कारण भारतमाला परियोजना में जमीन अधिग्रहण के बाद मुआवजे में मिले धन के बंटवारे को लेकर हुआ। सोमवार को मारपीट की घटना का विवेचना करने पहुंची पुलिस को लाठी डण्डे से पीटकर घायल कर दिया। दोनों पुलिस कर्मियों को घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं थाने से पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार लक्ष्मण व जसवंत चौहान के बीच भारत माला योजना में जमीन की मुआवजे के पैसे के बंटवारे में मारपीट हो गई थी। जिसमें जसवंत ने लक्ष्मण की पत्नी और बहन को मारपीट कर घायल कर दिया। दोनों को गम्भीरवस्था में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। उस मामले में जांच के लिए बबुरी थाने के सिपाही विशाल व शैलेश यादव सिविल ड्रेस में सोमवार को जसवंत के यहां पहुंच गए। जहां लक्ष्मण भी मौके पर था। पुलिसकर्मियों के सामने एक बार पुनः दोनों भाई आपस में भिड़ गए। इतने में जसवंत ने लाठी से प्रहार कर दिया। जो विशाल के पैर पर लगी। जिससे विशाल का पैर फैक्चर को गया। वहीं पास में रखे लोहे के धारदार से शैलेश यादव पर भी हमला किया। दोनों पुलिस कर्मी मौके पर घायल होकर गिर पड़े। घटना की जानकारी होते ही विभाग में हड़कंप मच गया। थाने से पहुंची फोर्स दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

सभासद के घर में घुसते अराजक तत्व, स्कार्पियो का शीशा तोड़ा

चंदौली। पुलिस की सख्ती के बाद भी अराजक तत्व बेखौफ हैं। रविवार की रात अराजक तत्व मुगलसराय नगर के कैलाशपुरी वार्ड के सभासद कै घर में घुस गए । इस दौरान अराजक तत्वों ने परिसर में खड़ी स्कॉर्पियो के शीशे फावड़े से तोड़ दिए ।इस दौरान जब हो हल्ला होने लगा तो अराजव तत्व मौके से फरार हो गए ।सोमवार को दिन में सभासद पति ने कोतवाली में जाकर घटना के बाबत तहरीर दी है ।सभासद पति चंद्रकांत तिवारी ऊर्फ डब्बा ने बताया कि रविवार की रात लगभग 11 बजे अचानक से कुछ अराजक तत्व घर में घुस आए ।इसके बाद उन्होंने घर आंगन में खड़ी स्कॉर्पियो के शीशे तोड़ दिए ।बताया की घटना के वक्त महिलाएं घर पर अकेली थी ।इस दौरान जब परिवार के लोगों के हो हल्ला किया तो आसपास के लोग जुटने लगे। तभी मौका देखकर सभी आराजक तत्व फरार हो गए ।

सूबेदार मेजर का शव पहुंचते ही आंखें हुईं नम

- ड्यूटी के दौरान बटालियन में करेंट लगने से हुई थी मौत

चंदौली। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बहादुरपुर गांव निवासी सूबेदार मेजर सुरेश यादव की ड्यूटी के दौरान एक हादसे में करेंट लगने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। उनका पार्थिव शरीर सोमवार को उनके बहादुरपुर स्थित आवास पर पहुंचते ही लोगों की आंखे नम हो गईं। सैंकड़ों लोगों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। इस दौरान आर्मी के 39 बटालियन के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनके पार्थिव शरीर को गंगा घाट पहुंचाया जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। बताते चलें कि पड़ाव क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी सुरेश यादव वर्ष 1996 में सेना में भर्ती हुए थे। लोगों ने बताया कि सूबेदार मेजर सुरेश यादव काफी खुशमिजाज और जिंदादिल इंसान थे। उनकी मौत के बाद से परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। घर में पिता जवाहर यादव, माता रमा देवी,पत्नी प्रियंका यादव और दो बच्चे अनमोल (12), अमीषो (16) का रो रोकर बुरा हाल है। सुरेश यादवे सेना के ईएमई बटालियन में गुवाहाटी मे तैनात थे। कुछ दिन पूर्व ही सूबेदार के पद से पदोन्नति पाकर सुबेदार मेजर बने थे। पदोन्नति के बाद सात दिन की छुट्टी लेकर बहादुरपुर घर आए थे। घर से जाने के बाद रविवार को उनकी करेंट लगने से मौत हो गई। जिसके बाद सेना के जवानों द्वारा उनके पार्थिव शरीर को सोमवार प्रातः लेकर पहुँचने की सूचना मिलते ही क्षेत्र में जगह जगह से लोगों की भीड़ जुट गई। प्रशासन की तरफ से एसडीएम पीडीडीयू नगर विराग पांडेय,तहसीलदार सतीश कुमार, वर्तमान सपा सांसद वीरेंद्र सिंह,पूर्व सपा सांसद रामकिसुन, पूर्व पीडीडीयू सपा विधानसभा प्रत्याशी चंद्रशेखर यादव,वर्तमान पीडीडीयू विधायक प्रतिनिधि संजय कन्नौजिया सहित क्षेत्र के सैंकड़ो लोग उनके आवास पर पहुँच गये थे। उनके पार्थिव शरीर के पहुंचते ही सभी लोगों की आंखे तो नम हुई ही परिजनों के रुदन क्रंदन से पूरा माहौल गमगीन हो गया। हर तरफ मातम पसर गया। थल सेना के 39 बटालियन के जवानों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया तत्पश्चात उनके पार्थिव शरीर पर लोगों ने पुष्पाजंलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद लोगों ने नम आंखों से मेजर सूबेदार सुरेश यादव अमर रहे के जयघोष के साथ उनके पार्थिव शरीर को गंगा घाट पहुंचाया जहाँ उनका दाह संस्कार किया गया।

पेड़ों को कटने से बचाने के लिए ग्रीन हाउस क्लब निकालेगा वृक्ष यात्रा

पीडीडीयू नगर। सड़क चौड़ीकरण की भेंट चढ़ रहे पेड़ों को बचाने के लिए पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था ग्रीन हाउस क्लब ने कदम बढ़ाया है। जीटी रोड पर कटने से बच गए कुछ पेड़ों का प्रत्यारोपण की योजना को 17जुलाई को वृक्ष यात्रा के तहत अंजाम दिया जाएगा। इस संबंध में संस्था के महासचिव एडवोकेट सतीश चन्द्र पाठक ने बताया कि आगामी 17जुलाई को संस्था के सदस्य अन्य संस्थाओं के साथ जीटी रोड पर वी मार्ट के सामने स्थित नीम के पेड़ के साथ ही गुरुद्वारा के समीप स्थित पाकड़ के पेड़ को जड़ सहित निकाल कर सिद्धार्थ पुरम स्थित शालिग्राम मंदिर परिसर में स्थापित करेंगे। वृक्षों की यह यात्रा सुबह आठ बजे वी-मार्ट के सामने से शुरू होकर सुभाष पार्क तक जाएगी और वापस होकर सिद्धार्थ पुरम कॉलोनी रवाना होगी। उन्होंने बताया कि इस तरह से ना हम केवल एक पेड़ को बचा सकेंगे बल्कि उसके बढ़ाने में लगे वर्षों के समय को भी बचाने की का प्रयास करेंगे।

एआरटीओ व ट्रैफिक पुलिस ने डग्गेमार वाहनों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान

जौनपुर। उप संभागीय परिवहन व यातायात विभाग द्वारा नगर के जेसीज चौराहे पर डग्गेमार वाहनों व स्कूल बसों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान स्कूल कॉलेज की बसों से लेकर सरकारी बसों व अवैध रूप से सड़कों पर दौड़ रहे तमाम वाहनों को हिदायत दी गयी तो कुछ पर कागज पूर्ण न होने पर सीज किया गया। स्कूल बसों को चेक कर स्कूल मालिको को नोटिस दिया गया है। वही इस मामले में जानकारी देते हुए एआरटीओ प्रशासन सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार के आदेश पर डग्गा मार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया है। यातयात निरीक्षक जीडी शुक्ला के साथ यह अभियान लगातार जारी रहेगा । आज काफी स्कूली वाहनों प्राइवेट वाहनों का चालान किया गया है। इस दौरान लगभग 42 वाहनों को चेक किया गया है।

लापरवाही : कार्यालय के कमरों में मिली अपार गंदगी, दीवारों पर थूके गए थे पान

निरीक्षण में जिला विद्यालय निरीक्षक मिले गायब, भड़के सीडीओ

- महिला शौचालय में अत्यंत गंदगी मिली, उसमें रखी मिली पत्रावलियां

केटी न्यूज / जौनपुर

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादड के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय जिला विद्यालय निरीक्षक उपस्थित नही थे। निरीक्षण के समय 03 मृतक आश्रितों की पत्रावली माह फरवरी के बाद बिना किसी कार्यवाही के रखी हुई पायी गयी। इस संबंध में पटल सहायक राजेश गुप्ता का पत्रावली के नियमानुसार निस्तारण होने तक उनका वेतन रोकने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिया गया तथा सीडीओ द्वारा यह भी सचेत किया गया, कि वे स्वयं समस्त पटलों का निरीक्षण कर सेवा सम्बन्धी अन्य लम्बित प्रकरणों का निस्तारण जल्द करे एवं निरीक्षण आख्या प्रेषित करें। उपस्थिति रजिस्टर में लेखाकार आरिफ हसन, वरिष्ठ सहायक सुरेन्द्र कुमार मौर्या, वरिष्ठ सहायक निर्मला, कनिष्ठ सहायक श्रुति श्रीवास्तव एवं परिचारक नरेन्द्र कुमार, अनुपस्थित पाये गये, जिनका 15 जूलाई का वेतन रोक कर स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ सहायक संजय कुमार उपस्थिति रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद कार्यालय से गायब रहे। इनका पूरे माह का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण देने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर एवं कार्यालय के अन्दर कमरों में पर्याप्त गन्दगी व दिवारो पर पान थूका हुआ पाया गया। कार्यालय कक्ष में फाईले बतरतीब ढंग से कपडे में बांध कर आलमारियों के ऊपर एवं अगल-बगल में अव्यस्थित रूप से रखी गयी थी, जिस पर काफी गन्दगी व धूल जमा थी। कार्यालय के महिला शौचालय में गन्दगी थी तथा उसी में पत्रावलियॉ भी रखी पायी गयी, जिसके लिए सम्बन्धित पटल सहायक को एवं उपस्थित लेखाधिकारी को पत्रावलियॉ स्टोर में संरक्षित करने के निर्देश दिये गये।

सुभाषितम्

संसार में ऐसे लोग थोड़े ही होते हैं, जो कठोर किंतु हित की बात कहने वाले होते है। - महर्षि वाल्मीकि

वन नेशन वन गोल्ड रेट

भारत के किसी भी हिस्से में एक ही दाम में सोना खरीद और बेच सकेंगे। इसके लिए ज्वेलर्स काउंसिल वन नेशन वन गोल्ड रेट की नीति लागू करने जा रही है। अभी देश के सभी शहरों में अलग-अलग दामों पर सोना बिकता है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रति 10 ग्राम 1500 से 2000 रुपए सोने के भाव में अंतर होता है। सोने की बिक्री बढ़ाने के लिए देशभर के सभी ज्वेलर्स ने सोने की कीमतों को लेकर एक राय बना ली है। सभी ज्वेलर्स भारत में वन नेशन वन रेट की नीति अपनाने को राजी हो गए हैं। देश के सभी हिस्सों में सोने की कीमत एक समान होगी। जेम्स एंड ज्वेलरी काउंसिल (जीजेसी) की सितंबर माह की बैठक में इसकी आधिकारिक घोषणा हो जाए, इसके लिए काउंसिल द्वारा तैयारी की जा रही है। देश भर के सभी ज्वेलर्स में आम राय बन गई है। उनका मानना है, कि इससे सोने के कारोबार और निवेश में पारदर्शिता बढ़ेगी। ग्राहकों का विश्वास बढ़ेगा। सभी ग्राहकों को देश के किसी भी हिस्से में हों, समान दर पर सोना मिलेगा। बाजार में खरीद-बिक्री तेजी के साथ बढ़ेगी। ज्वेलर सोने की मनमानी कीमत वसूल नहीं कर पाएंगे। ग्राहकों को इसका बड़ा फायदा होगा। जेम्स एवं ज्वेलर्स काउंसिल इसके लिए नीति बना रही है। भाव किस तरह से खुलें, देशभर में सभी लोगों को इसका पता हो। ज्वेलर और ग्राहक के बीच में सोने के रेट को लेकर शक और सुबहा की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। जेम्स एंड ज्वेलरी काउंसिल का यह निर्णय, निश्चित रूप से एक सराहनीय कदम है। निश्चित रूप से सोने का कारोबार बढ़ने से इसका फायदा ज्वेलर्स को होगा। आभूषण के मामले में बनवाई अभी अलग से ली जाती है। आभूषण की डिजाइन और कारीगरी को लेकर बनवाई के रेट अलग तय होते हैं। इस समय 24 कैरेट का सोना खरीदने का बाजार बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। इसमें शुद्धता की गारंटी होती है। वर्तमान में सोने को लेकर देश और दुनियां के लोगों में जिस तरह की चाह देखी जा रही है, उसे लेकर तो कवि बिहारी पहले ही कह चुके हैं, कि कनक, कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय। उही खाए बौराय नर, इही पाए बौराय।। अर्थात अधिक सोना आ जाने से मनुष्य पागल जैसा हो जाता है, वैसे ही जैसे कि धतुरा अधिक खा लेने से व्यक्ति बौरा जाता है। यही वजह है कि सोना और उसकी कीमतों को साधने का कार्य हर काल में हुआ है। इस पर काबू पाना उतना ही कठिन प्रतीत होता है, जितना कि धतूरा खाने के बाद व्यक्ति को नशा न आए या वह अपनी मानसिक स्थिति को दुरुस्त रख सके। वैसे सोने के भाव को लेकर जो बात हो रही है, यदि वह संभव हो जाती है तो उपभोक्ता को इस बात का तो फायदा होगा ही कि वह जहां से चाहेगा सोना खरीद सकेगा और जहां चाहेगा सोना बेच सकेगा, क्योंकि सभी जगहों पर एक ही भाव उसे मिलेंगे और उसे एक ही कीमत पर सोना खरीदना आसान होगा। भारत के किसी भी राज्य में एक ही दाम में सोना खरीदा और बेचा जा सकेगा। इसके लिए जेम एंड ज्वैलरी काउंसिल ने समर्थन दे दिया है और देश में सोने के समान भाव वाली नीति वन नेशन वन गोल्ड रेट लागू होने में कोई अवरोध भी नजर नहीं आ रहा है। इसके बाद हाथों-हाथ सोना खरीदा जा सकता है, और हाथों-हाथ बेचा जा सकता है। इससे न सिर्फ सोने के जेवर खरीदी होगी, बल्कि सोने के सिक्के आदि की भी मांग बढ़ेगी। निवेशक भी इस ओर रुख करेंगे। जो उपभोक्ता सोने में निवेश करना चाहता है, इस फैसले से उसे राहत मिलेगी। इससे सोने का कारोबार बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। इससे सोने के व्यापार में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। समय की यह मांग भी थी। कारोबार बढ़ने से ज्वेलर्स का मुनाफा भी बढ़ेगा। एक तरह से यह निर्णय भविष्य में सभी के लिए बेहतर साबित होगा।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- रामायण और महाभारत में क्या अंतर है? विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- ह्यआप ही बताइएह्न अध्यापक बोला- रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है ह्यहक-हकूकह्न का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

आपातकाल विमर्श यानी गड़े मुर्दे उखाड़ना?

- तनवीर जाफरी

केंद्र की एन डी ए सरकार ने प्रत्येक वर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने सम्बन्धी अधिसूचना जारी की है। केंद्र सरकार की इस इस अधिसूचना के अनुसार 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा की गई थी, उस समय की सरकार ने सत्ता का घोर दुरुपयोग किया था और भारत के लोगों पर ज्यादतियां और अत्याचार किए लिहाजा हर साल 25 जून को देश उन लोगों के महान योगदान को याद करेगा, जिन्होंने 1975 के इमरजेंसी के अमानवीय दर्द को सहन किया था। केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने के फैसले को पूरी तरह राजनैतिक, द्वेषपूर्ण व रक्षात्मक कहना गलत नहीं होगा। क्योंकि केवल इंदिरा गांधी ही नहीं बल्कि मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी व राहुल गाँधी जैसे कांग्रेस के सर्वोच्च नेता इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि देश में 1975 में आपातकाल लगाने का फैसला एक गलती थी। 12 जून, 1975 को जब इंदिरा गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रायबरेली में हुए चुनाव के दौरान की गई गड़बड़ी का दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदखल कर दिया था। इलाहबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गाँधी का चुनाव निरस्त करते हुये अगले 6 वर्षों तक उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लगा दी थी। उसके बाद ही जयप्रकाश नारायण द्वारा इंदिरा गाँधी के इस्तीफे की मांग को लेकर संपूर्ण क्रांति के नाम से राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ दिया गया था और देश भर में प्रदर्शन शुरू हो गए थे। हालांकि 24 जून, 1975 को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो वहां भी इलाहबाद हाई कोर्ट के फैसले को तो जरूर बरकरार रखा गया परन्तु इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बने रहने की इजाजत दे दी गई। उसके बावजूद अपना पद खोने के भय से इंदिरा गाँधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा कर डाली। हालाँकि कहा यह जाता है कि पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रॉय ने उस समय आपातकाल की घोषणा के निर्णय में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और आपातकाल का निर्णय दरअसल रॉय का ही निर्णय था। रॉय के फैसले पर ही इंदिरा गांधी ने हामी भरी और उन्हीं की सलाह पर उसे लागू भी किया। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी अपनी एक किताब में भी लिख चुके हैं कि ह्यवास्तव में इंदिरा गांधी ने मुझे बाद में बताया कि उन्हें आपातकाल की घोषणा के लिए संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी भी नहीं थी । अब यदि हम आपातकाल से ठीक पहले यानी 1974-75 के दौर को याद करें तो वह रेल आंदोलन,चक्का जाम, तालाबंदी और राष्ट्र व्यापी धरने, प्रदर्शनों का दौर था। इसी दौरान 2 जनवरी 1975 को रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा की हत्या समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर उस समय कर दी गयी थी जब वे समस्तीपुर- दरभंगा ब्रॉड गेज रेलवे लाइन प्रारम्भ करने की घोषणा सम्बन्धी एक कार्यक्रम में वहां एक मंच पर मौजूद थे। यहां हुये एक शक्तिशाली बम विस्फोट में वे गंभीर रूप से घायल हो गए बाद में अगले दिन दानापुर के रेलवे अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। कहा जाता है कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद देश की किसी सबसे बड़ी राजनैतिक हस्ती की यह दूसरी हत्या थी। इन्हीं विषम परिस्थितियों में 25 जून, 1975 को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा कर डाली। आपातकाल के दौरान चुनाव स्थगित हो गए थे तथा नागरिक अधिकारों को समाप्त करके मनमानी की गई थी। और हर छह महीने बाद 1977 तक आपातकाल की अवधि बढ़ाई जाती रही। प्रेस पर सेंसरशिप लग गयी थी। बाद में 18 जनवरी, 1977 को इंदिरा गांधी ने लोकसभा भंग करने और मार्च 77 में ही आम चुनाव कराये जाने की घोषणा करते हुये आपातकाल के दौर में जेलों में बंद किये गये सभी नेताओं को रिहा कर दिया। और 23 मार्च, 1977 को आपातकाल समाप्त करने की घोषणा कर दी गयी। परन्तु सवाल तो यह है कि 50 वर्ष पूर्व के उस इतिहास को आज और इस समय खंगालने की जरुरत भाजपा को क्यों महसूस हुयी ? 2014 से सत्ता में रहते हुये पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का फैसला क्यों नहीं लिया ? और एक सवाल यह भी कि यदि देश की जनता आपातकाल से इतना ही दुखी थी और इंदिरा गांधी की तानाशाही से वास्तव में तंग आ चुकी थी तो उसी देश की जनता ने मात्र ढाई वर्ष बाद 1979 में इंदिरा गाँधी को पुनः सत्ता क्यों सौंपी ? जिस दर्द को मुट्ठी भर भुक्तभोगी नेता शायद सिर्फ इसलिये याद कर रहे हैं कि 19 महीनों के मीसा काल में उन्हें जेलों में डाल दिया गया, कुछ पर अत्याचार किया गया,उनके निजी स्वतंत्र जीवन के ऐशो आराम को भांग किया गया, उसी दर्द को देश की जनता ढाई वर्षों में ही कैसे भुला बैठी? बल्कि 1977 में लोकसभा चुनाव में पराजित होने के केवल एक वर्ष में ही नवंबर, 1978 में इंदिरा इंदिरा गांधी ने चिकमंगलूर लोकसभा उपचुनाव में 77,333 मतों के अंतर से जीत कर अपनी लोकप्रियता का लोहा मनवाया ? तो जब देश की जनता ने कांग्रेस के ऊपर आपातकाल का मतलब संविधान की हत्या का लेबल नहीं चिपकाया तो भाजपा नेता आखिर किस साजिश के तहत सत्ता में आने के दस वर्षों बाद 50 वर्ष पुराने उस गड़े मुर्दे को उखाड़ रहे हैं जिसे देश भुला चुका है? दरअसल भाजपा इस समय विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की संविधान बचाओ-देश बचाओ मुहिम से घबराया हुआ है। उसे यह एहसास हो चुका है कि देश की जनता ने कई भाजपा नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से बोले जा रहे संविधान विरोधी बयानों को गंभीरता से लिया है और ऐसे कई उम्मीदवारों को पराजित भी किया है। विपक्ष की संविधान बचाओ की इसी सफल मुहिम ने भाजपा को 2019 में हासिल 303 सीटों से घटाकर 240 तक पहुंचा दिया है। इसी चुनाव परिणाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल में संसद में प्रवेश के पहले ही दिन संविधान को माथे से लगाने का प्रदर्शन करने पर मजबूर किया। आपातकाल का एक पक्ष यह भी कि उस दौरान देश के सभी सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की समय पर हाजिरी हो रही थी। ट्रेनें बसें सब समयानुसार सुचारु रूप से संचालित हो रही थीं। आम जनता को इससे लाभ मिल रहा था। इन सबके बावजूद जब कांग्रेस के सभी आला नेताओं ने आपातकाल के अपने ही फैसले को गलत स्वीकार कर लिया फिर इस बहस को तो बंद हो जाना चाहिये ? परन्तु अपने ऊपर लग चुके संविधान विरोधी होने के आरोपों से बचने के लिये भाजपा 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का फैसला लेने सम्बन्धी अधिसूचना जारी कर व इस पर विमर्श कर केवल गड़े मुर्दे उखाड़ने की कोशिश कर रही है।

क्या शंकराचार्य अपनी मयार्दाओं को भूल गए?

- राकेश अचल

`आज की पोस्ट पर मुझे एक हजार एक आलोचनाओं का प्रसाद मिलेगा,क्योंकि मै सनातन धर्म के ध्वजवाहक शंकराचार्यों की भूमिका पर ऊँगली उठाने का दुस्साहस कर रहा हूँ। दुनिया में ईसाईयों और बौद्धों के पास एक-एक धर्म गुरु पोप और दलाई लामा हैं लेकिन हम सनातनियों के पास एक के बजाय चार-चार धर्मगुरु हैं। लेकिन इन धर्मगुरुओं ने देश और दुनिया के शीर्ष धनकुबेर मुकेश अम्बानी के बेटे अनंत के विवाह आशीर्वाद समारोह में अपनी हाजरी लगाकर अपनी भूमिका पर खुद ही प्रश्नचिन्ह लगा लिए हैं। हमारे यहां परम्परा है कि हम सनातनी अपने धर्मगुरुओं से आशीर्वाद लेने उनके मठों में जाते हैं ,लेकिन हमारे चार में से तीन शंकराचार्यों ने अपने मठों को ही अम्बानी के यहां ले जाकर एक अभिनव प्रयोग किया है। इस सुकृत्य के लिए इन शंकराचार्यों को अम्बानी परिवार की और से कितनी विदाई दक्षिणा मिली ,कोई नहीं जानता । जान भी नहीं सकता,क्योंकि ये जानने के लिए हम या आप सूचना के अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सकते। हमारे एक सुधि मित्र साकेत साहू कहते हैं की विष्णुधर्म सूत्र [63 /26] कहता है कि सन्यासी को विवाह में नहीं जाना चाहिए इससे वह मोह-विछोह से पीड़ित हो सकता है। दक्ष स्मृति [7/34/28] कहती है कि सन्यासी को लोक व्यवहार नहीं करना चाहिए ऐसा करने पर वह धर्मच्युत हो जाता है और लोकवार्ता करने लगता है। मुझे विश्वास है कि हमारे शंकराचार्यों ने ये सब कुछ पढ़ रखा होगा। मेरे मन में अपने धर्म गुरुओं के प्रति सीमित सम्मान है ,क्योंकि मुझे लगता है कि धर्म गुरुओं की भूमिका में कमी की वजह से ही हमारा सनातन धर्म विश्व्यापी नहीं बन पाया जबकि सनातन की कोख से ही जन्म बौद्ध धर्म कहाँ से कहाँ पहुँच गया । ईसाई और इस्लाम धर्म का विस्तार भी विश्वव्यापी है। हमारे धर्म गुरु न पोप की तरह आचरण कर पाते हैं और न धर्म की स्थापना और उसके लोकव्यापीकरण के बारे में ज्यादा मेहनत करते हैं। उनकी बौद्धिकता ही उन्हें खाये जाती है। वे अपने बौद्धिक अहंकार से ठीक उसी तरह ग्रस्त हैं जैसे कि हमारे देश के तमाम नेता सत्ता मद के अहंकार से ग्रस्त हैं।शंकरचर्यों से तो डॉ मोहन भागवत भी अहंकार छोड़ने के लिए नहीं कह सकते। देश के शंकराचार्य अम्बानी के यहां हाजिरी लगाने से पहले अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की मूर्ती की प्राण -प्रतिष्ठा समारोह के समय भी चर्चा में आये थे । हमारे शंकराचार्यों ने प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को शास्त्रोक्त न मानते हुए उस समारोह का अघोषित बहिष्कार किया था। शंकराचार्यों के प्रति हमारे सनातनियों में पोप जैसी प्रतिष्ठा नहीं है ,क्योंकि वे यदाकदा अपनी मयार्दाओं के बाहर जाकर आचरण कर दिखाते हैं। मेरे मन में शंकराचार्यों की बौद्धिकता का आतंक हमेशा रहता है । बहुत कम ऐसे शंकराचार्य हुए हैं जो सहज सम्मानित हुए है। मुझे एक बार काँची कामकोटि के शंकराचार्य की पत्रकार वार्ता से सिर्फ इसलिए बाहर जाना पड़ा था क्योंकि मैंने उनसे एक ऐसा प्रश्न पूछ लिया था जो अनपेक्षित था। उनका आचरण ठीक वैसा ही था जैसा आज के भग्यविधाताओं का होता है। बद्रिकाश्रम पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती इकलौते ऐसे शंकराचार्य थे जो प्रश्नों से भागते नहीं थे ,हालाँकि उनके ऊपर भी कांग्रेसी होने का आरोप लगाया जाता रहा । वे उत्तेजित नहीं होते थे। बहरहाल बात चल रही है कि हमारे शंकराचार्यों को मुकेश अम्बानी के बेटे के विवाह समारोह में आशीर्वाद देने जाना चाहिए था या नहीं ? उनका जाना धर्मसम्मत था या नहीं ? इन प्रश्नों का उत्तर कोई दे या न दे किन्तु एक बात जाहिर हो गयी की शंकराचार्यों के अम्बानी के यहां जाने से लोकधारणा ये बन गयी है कि वे भी राजनेताओं की तरह लक्ष्मी के आगे ठीक वैसा ही नर्तन कर रहे हैं,जैसे कि दुसरे लोग। भगवा ओढ़ने वाले बाबा रामदेव को तो सबने अम्बानी के बेटे के साथ नाचते देखा। रामदेव शंकराचार्य नहीं हैं लेकिन आचार्य तो है। उनका आचरण भी लोक पर असर डालता है। हालाँकि वे अब खुद कुबेर हैं। अम्बानी के बेटे के विवाह समारोह में देश के प्रधानमंत्री से लेकर विपक्ष के तमाम नेता,अभिनेता ,दुनिया के कुबेर जाति के लोग मौजूद थे,लेकिन उनकी उपस्थिति से कोई चौंका नहीं ,क्योंकि उन्हें तो अम्बानी के यहां होना ही चाहिए था । लोगों को चौंकाया तो शंकरचार्यों की उपस्थिति ने। ये शंकराचार्य अपने दल-बल और सिंहासन के साथ अम्बानी के दरबार में हाजिर थे। ये शंकराचार्य किसी आम आदमी के यहां विवाह समारोह का निमंत्रण मिलने पर वहां नहीं जा सकते ,क्योंकि आम आदमी इन शंकराचार्यों के नाज-नखरे नहीं उठा सकता। ये शंकराचार्य हाथरस के हादसे में मारे गए लोगों के बीच नहीं जा सकते,मणिपुर नहीं जा सकते क्योंकि इन्हें इनका धर्म रोकता है। एक गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद हैं जो शंकराचार्यों के आचरण की रक्षा कर सके। हालाँकि वे भी मणिपुर या हाथरस नहीं गए। वे शायद जानते हैं कि ये काम नेताओं का हैए शंकराचार्यों का नहीं। मेरी स्पष्ट अवधारणा है कि लक्ष्मी पुत्रों के आगे हाजरी बजाने वाले हमारे शंकराचार्य सनातन धर्म का न प्रचार कर सकते हैं और न धर्म ध्वजाएं लेकर चलने के अधिकारी है। उनका आचरण पाखंड की परिधि में आता दिखाई दे रहा है। वे राजसी आचरण कर रहे है। एक शंकराचार्य ने तो अपने सन्मुख झुके प्रधानमंत्री के गले में अपने गले में पड़ी रुद्राक्ष की माला ऐसे डाली जैसे कोई राजा अपने किसी प्रिय व्यक्ति को इनाम दे रहा हो। मोदी जी रामलला के विग्रह की स्थापना समारोह में इन्हीं शंकराचार्य के विरोध के सामने झुके नहीं थे। मोदी जी ने तब मुमकिन है कि इनकी अहमन्यता को आहत किया था और अम्बानी के घर इनके सामने झुककर उनके घावों पर मरहम लगा दिया। संयोग देखिये कि अनंत और राधिका की शादी के दिन यानी 12 जुलाई शुक्रवार को हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जबरदस्त बूस्ट दिखा। रिलायंस के शेयर 1 फीसदी से अधिक चढ़ गए। शेयरों में तेजी से मुकेश अंबानी की संपत्ति में बड़ी बढ़ोतरी हुई। इसके पीछे नववधू के चरण हैं या शंकराचार्यों की कृपा कहना मुश्किल है। मुझे कभी - कभी लगता है कि हमारे शंकराचार्यों से बड़े और लोकप्रिय धर्मध्वजा वाहक हमारे प्रधानमंत्री हैं । कम से कम उनके पीछे अंधभक्तों की एल लम्बी-चौड़ी फौज तो है। शंकराचार्यों के पास तो कुछ नहीं है। वे तो नेताओं की तरह कलियुगी कुबेरों के पिछलग्गू बनते दिखाई दे रहे हैं।

रूस और ऑस्ट्रिया की यात्राओं से भारत की नई उड़ान

- ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा के निष्कर्षों के साथ-साथ इसके वैश्विक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। इन दोनों देशों की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली होगी। दोनों देशों की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। सैन्य उत्पाद, व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इन दोनों देशों में जो सम्मानभावना देखने को मिली, उससे यही कहा जा सकता है कि मोदी विश्व-नेता के रूप में स्वतंत्र पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं, जो भारत के लिये शुभ है। निश्चित तौर पर वैश्विक राजनीति में अपनी चमक के साथ आगे बढ़ते भारत के लिये रूस की यात्रा कई मायनों में बहुत उपयोगी एवं दूरगामी रही। इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच हुई 22वीं द्विपक्षीय बैठक में हुए नए समझौते काफी अहम हैं। रूस के युद्ध में फंसे होने के कारण रक्षा जरूरतों से संबंधित आपूर्ति में बाधा होना हमारे लिए चिंता की बात थी लेकिन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रक्षा उपकरणों के स्पेयर पाट्र्स का प्लांट लगाने पर सहमति जताकर पुतिन ने बड़ी चिंता का समाधान कर दिया है। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2030 तक 65 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने पर भी सहमति बनी है। यह भारत-रूस के विशेष रिश्ते को और मजबूत करने वाले होंगे। भारत-रूस की दोस्ती की गर्माहट से चीन एवं पाकिस्तान की बौखलाहट भी देखने को मिली है। यूक्रेन और गाजा में युद्धों की पृष्ठभूमि के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर दुनिया की नजरे लगी रही। एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे अमरीका और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अपना हित देख रहे रूस के बीच भारत की स्थिति एवं उसकी बढ़ती ताकत का भी विश्लेषण किया जा रहा है। मास्को में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने पर यूक्रेन की नाराजगी के बावजूद अमरीका की सधी प्रतिक्रिया सामने आयी कि इससे उसके भारत से रिश्तों पर कोई असर नहीं होगा। निश्चित ही इससे यह साफ हो जाता है कि दुनिया अब एक या दो ध्रुवीय नहीं रही। अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी-20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन खुशनमा है और आप आप जनता के प्रिय बनेंगे। आपमें एक विशेष आकर्षण रहेगा।

तुला भाग्य का साथ मिल रहा है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो आपकी शैक्षणिक दिशा में परिवर्तन होगा।

वृषभ आज लाभ का दिन है और कार्यक्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी और आपके सुख में वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज दिन परेशानियों से भरा होगा। आमदनी में ज्यादा खर्च की स्थिति रहेगी।

मिथुन इस बात का पूरा ध्यान रखें कि आपकी कोई बात सामने वाले को बुरी ना लग जाए।

धनु आज करियर में सफलता मिलने के योग हैं। विद्या बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी।

कर्क आप अपने स्वभाव के प्रति गंभीर रहें और कड़ी मेहनत से ही आपको सफलता प्राप्त होगी।

मकर आज दिन लाभ से भरा होगा। आपको कहीं से रुका धन मिलने की संभावना है।

सिंह आज सुख समृद्धि में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपका अधिक समय धार्मिक कार्य में बीतेगा।

कुंभ भाग्य साथ देगा कारोबार में आपके शत प्रतिशत प्रयास सफल होंगे और आपके धन में वृद्धि होगी।

कन्या आज भाग्य की दृष्टि से दिन अच्छा रहेगा। शरीर में चला आ रहा कोई रोग दूर होगा। उसमें सुधार होगा।

मीन ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा।

विशेष

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल के अधिकारों को लेकर नाराजी

केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल के अधिकारों को चुनाव के पहले ही बढ़ा दिया गया है। जैसे दिल्ली की निर्वाचित सरकार के पास कोई अधिकार नहीं है। वैसे ही जम्मू कश्मीर की आगामी निर्वाचित सरकार को कोई अधिकार नहीं होंगे। केंद्र सरकार ने निर्वाचित सरकारों के अधिकारों को जिस तरह से समाप्त किया जा रहा है। उसको संविधान के खात्मे के रूप में देखा जा रहा है। संविधान ने सँसद और विधानसभाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को जो अधिकार दिए हैं। केंद्र सरकार उन अधिकारों को संविधान के अस्तित्व में होते हुए, जिस तरह से छीन रही है। उसकी प्रतिक्रिया अब सारे देश में हो रही है।

उद्धव ठाकरे के उम्मीदवार को एनसीपी और कांग्रेस का समर्थन नहीं

महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव संपन्न हुए। इसमें महा विकास अगाड़ी के उद्धव ठाकरे के करीबी मिलिंद नार्वेकर चुनाव हार गए हैं। इसमें एनसीपी ने अजित पवार के जिन 18 विधायकों के समर्थन का दावा किया था। वह सच साबित नहीं हुआ। इसके अलावा कांग्रेस के विधायकों ने भी नार्वेकर को वोट नहीं दिए । जो उद्धव ठाकरे के लिए एक झटका है। महाराष्ट्र चुनाव में इसका क्या असर पड़ेगा, इसका पता समय आने पर ही लगेगा। महाविकास अघाड़ी एकजुट रहेगी, या विधानसभा चुनाव के पहले टूट जाएगी। विधान परिषद के चुनाव में लोटस अभियान की चर्चा महाराष्ट्र में हो रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1647: स्पेन के खिलाफ नेपल्स विद्रोह के नेता मैनानटेलो की हत्या हुई. 1856: ईश्वरचंद्र विद्यासागर के आग्रह पर लार्ड कैनिंग ने विधवा विवाह को बैधता प्रदान की. 1948: रूस में जार निकोलस द्वितीय और उनके परिवार की हत्या बोलशेविको ने की. 1925: बगदाद में इराकी संसद की पहली बैठक हुई. 1945: अमरीका ने न्यू मैक्सिको में परमाणु बम का पहला विस्फोट किया. 1954: बेल्जियम नरेश लियोपोल्ड तृतीय ने गद्दी छोड़ी. 1976: इंडोनेशिया ने ईस्ट तिमोर को अपना 27वां प्रांत बनाया. 1979: सद्दाम हुसैन ने इक के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला. 1984: भारतीय उपग्रह एप्पल को कक्षा में स्थापित किया गया. 1990: फिलीपींस में भूकंप से सोलह सौ से अधिक लोग मारे गए. 1992: डॉ.शंकर दयाल शर्मा भारत के नवें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए.

दैनिक पंचांग

16 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

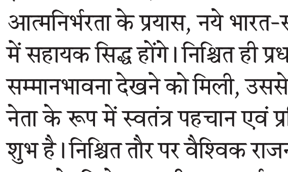

मंगलवार 2024 वर्ष का 198 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 20.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 02.14 बजे रात्र को समाप्त। **योग** साध्य 07.18 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 08.02 बजे तदनन्तर गर 20.34 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872042
जूलियन दिन 2460507.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम
तारीख 09
विशेष कर्क संक्रांति।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.29 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	07.45 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	09.57 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.07 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.22 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	16.38 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	18.43 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	20.30 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.03 बजे से
राहुकाल		मेष	23.33 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	01.13 बजे से
		मिथुन	03.11 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मानसून में घर की दीवारों में आ जाती है नमी, तो आज से ही करें ये काम

मानसून आते ही मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, जिसके कारण घर की दीवारों का पेंट फूलने लगता है। इससे न सिर्फ दीवारें खराब होती है बल्कि इससे सटाकर रखी गई सामान भी बेकार हो जाती है।

मानसून का मौसम जल्द ही दस्तक देने वाला है। ऐसे में मौसम तो काफी सुहाना रहता है लेकिन इस दौरान अक्सर घरों में सीलन आने लगती है। दीवार पर मौजूद नमी धीरे-धीरे इससे सटे हुए सामान जैसे अलमारी, बेड आदि को खराब कर देता है। दरअसल, बारिश के मौसम में नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में घर की दीवारों को खास देखभाल करने की जरूरत होती है। ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण वॉल पर फफूंद के निशान और अजीब से दुर्गंध आने लगती है। अगर आप इस मानसून घर की दीवारों को खराब होने से बचाना चाहती है तो आज ही कर लें ये काम।

वाटरप्रूफ पेंट का करें इस्तेमाल

घर को सुंदर दिखाने में पेंट का अहम रोल होता है। ऐसे में पेंट करवाते समय वाटरप्रूफ कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह से आप एक साथ दो काम कर सकते हैं पहला घर लंबे समय तक सुंदर और दूसरा बरसात से घर को सुरक्षित।

प्लम्बर से नल को कराएं चेक

घर में लगे पानी के टैप को समय-समय पर चेक करें। बारिश का पानी के बजाय कई बार पाइप कनेक्शन से रिसने वाले पानी के कारण दीवार में नमी आती है। ऐसे में दीवार में आने वाली नमी के कारण पेंट फूल कर गिरने लगता है, जिससे गंदगी और स्मेल दोनों बढ़ जाती है।

वेंटिलेशन का रखें ध्यान

बारिश होने के बाद घर की खिड़कियों को जरूर खोल दें। हल्की धूप निकलने पर घर के कपड़े से लेकर मैट परदे आदि को धूप दिखाएं। वेंटिलेशन का खास ख्याल रखें ऐसा करने से आप दीवारों को नमी से कुछ हद तक बचा सकते हैं।

पानी को निकलने वाली जगह को रखें क्लीन

घर में जहां पर पानी निकलने का सोर्स है उस जगह को हमेशा साफ रखें। कई बार नाली में जमी गंदगी व कचरे के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। पानी एकत्र होने के कारण दीवार की मदद से वह ऊपर चढ़ने लगता है।

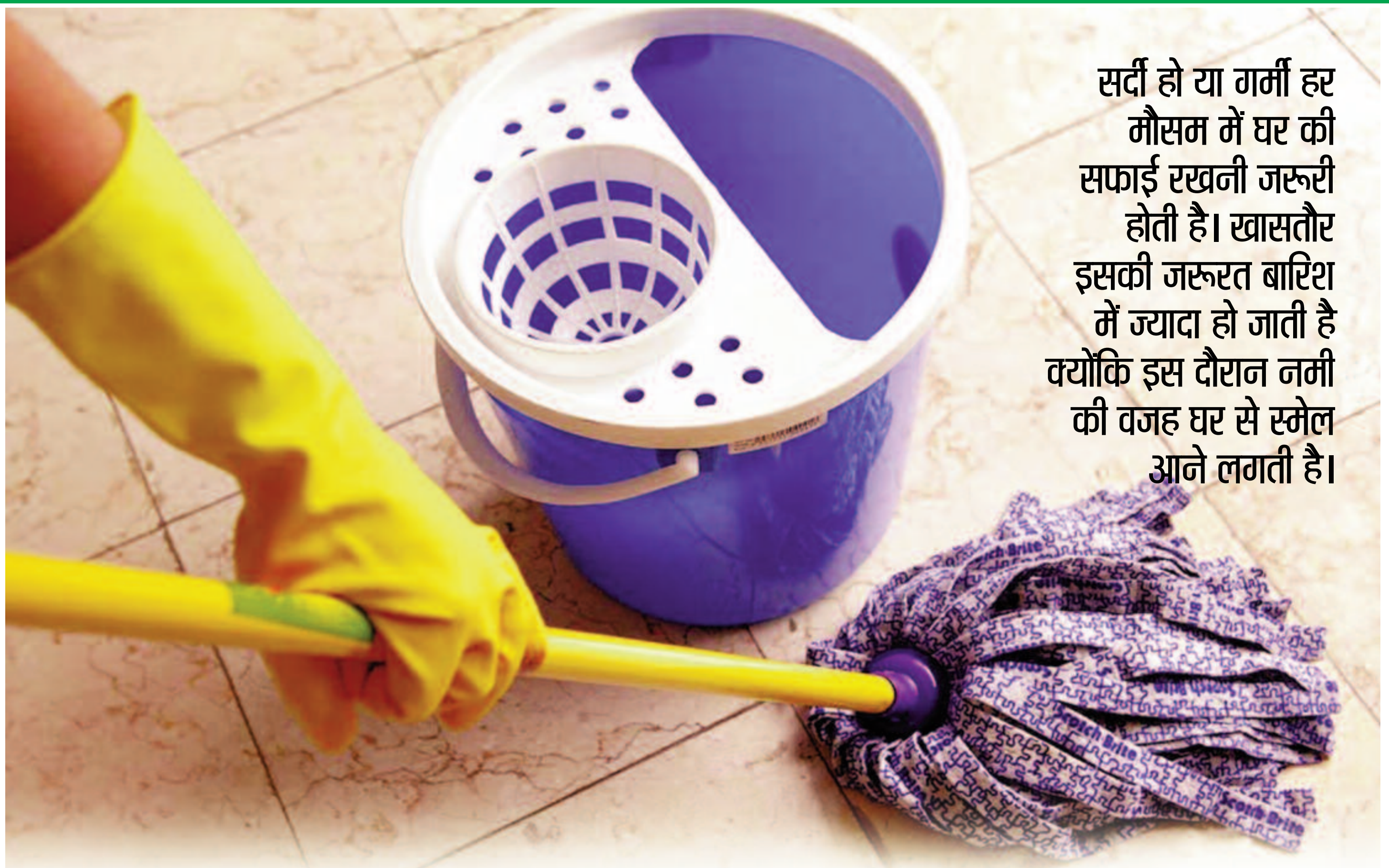

सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में घर की सफाई रखनी जरूरी होती है। खासतौर इसकी जरूरत बारिश में ज्यादा हो जाती है क्योंकि इस दौरान नमी की वजह घर से स्मेल आने लगती है।

मानसून के मौसम में इन हैक्स की मदद से करें सफाई

क्लीन और स्मेल फ्री रहेगा घर

मानसून और बारिश में घर को साफ-सुथरा रखना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। बारिश के कारण घर में 24 घंटे नमी बनी रहती है जिसकी वजह से लकड़ी के फर्नीचर और कपड़ों में स्मेल और दीमक लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं बाहर से आने पर घर में पानी के साथ-साथ कीचड़-मिट्टी हो जाता है। हालांकि सही क्लीनिंग हैक्स की मदद से इससे निजात पा सकती हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप कम मेहनत में अपने घर को क्लीन और स्मेल फ्री रख सकती हैं।

बारिश में घर को साफ करने के लिए अपनाएं ये हैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम में सफाई का काम कई गुना बढ़ जाता है। इस समय कम धूप और ज्यादातर बारिश होती रहती है जिसके कारण से सीलन और चिपचिपाहट बनी रहती है। बेशक ही तेज हवा और बारिश गर्मी से आराम दिलाता है लेकिन काम बढ़ा देता है। इस दौरान न सिर्फ कीचड़ घर के अंदर आता है बल्कि कीड़े-मकोड़े भी बढ़ जाते हैं।

पानी सोखने वाले डोरमैट का करें इस्तेमाल

डोरमैट का इस्तेमाल हम सभी पैरों और जूतों पर लगी मिट्टी को साफ करने के लिए करते हैं। इस मौसम में घर के दरवाजे पर ऐसा डोरमैट बिछाए जो पानी और गंदगी को आसानी से सोख लें। आज के समय लोग बाजार में मिलने वाले फैंसनेबल मैट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें पानी और गंदगी को साफ करना आसान तो होता है लेकिन इन्हें साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। बारिश में हल्का और नमी सोखने वाला डोरमैट इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे घर पर पुराने कपड़े की मदद से बना सकती हैं। पायदान को दूसरे व तीसरे दिन में धोकर सुखा दें।

घर के अंदर आने वाले पानी को रोके

बारिश में घरों में सीलन आने की समस्या काफी आम बात है। लेकिन इससे होने वाली दिक्कत हर किसी को परेशान करती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले सीलन की समस्या का उपाय खोज लें। इसके लिए घर में बनी नालियों को साफ करें। दीवारों पर वाटरप्रूफ पेंट करें। दरार वाली जगहों को चेक कर सही कराएं।

अलमारी को बारिश से पहले करें साफ

वैसे तो हर मौसम में अपनी अलमारी को साफ करना जरूरी है। लेकिन अगर आपने अलमारी को दीवार से चिपकाकर रखा है तो उसकी नमी कपड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले अलमारी को दीवार से हटाएं। इसके बाद अलमारी के अंदर बनी रैक पर पेपर बिछाकर कपड़ों को सही से व्यवस्थित करें। नमी आने के कारण अक्सर कपड़े बदबू करने लगते हैं। ऐसे में आप कपूर, दालचीनी और नीम की पत्तियों को बांधकर इसके बीच में रखें। ये सामग्री नमी को सोखने का काम कर उन्हें सुरक्षित रखता है।

बरसाती कीड़ों से पाना है छुटकारा तो ऐसे करें घर की सफाई

बारिश के मौसम में बरसाती कीड़े के साथ ही घर में चीटी और काकरोच जैसी चीजें भी आने लगती है। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं तो आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। बारिश के मौसम में घर की सफाई करने के लिए आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

दरार और छेद को बंद करें

घर की दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में मौजूद दरारों और छेदों को सीलेंट या प्लास्टर से बंद करें ताकि कीड़े घर के अंदर न आ सकें। ध्यान रखें कि मानसून के दिनों में घर की सफाई सही तरीके से करना चाहिए।

कूड़ेदान को साफ रखें

कूड़ेदान को रोजाना साफ करना चाहिए। अगर आप डेली कूड़ेदान को साफ नहीं करती हैं तो उसमें कीड़े लगने लगते है। कचरे को समय-समय पर बाहर निकालें। साथ ही आपको कूड़ेदान को भी धोते रहना चाहिए।

घर में जाली लगाएं

खिड़कियों और दरवाजों पर मानसून के महीने में जाली लगाएं ताकि कीड़े अंदर न आ सकें। साथ ही आपको रोजाना अपने घर को शाम के समय पोछा लगाना होगा।

गंदे बर्तन न छोड़ें

खाना खाने के बाद बर्तनों को तुरंत साफ करें। गंदे बर्तन लंबे समय तक छोड़ने के कारण बर्तन में कीड़े लगने लगते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना है कि रात के समय भूलकर भी बर्तन को बेसिन में ना छोड़ें।

बरसात में आपका घर न लगे अस्त-व्यस्त, इसलिए उसे इस तरह से करें व्यवस्थित

मानसून अपने साथ राहत लेकर आता है, यह तो हमको मालूम ही है। मगर आपने ध्यान दिया होगा कि अक्सर बारिश होने की वजह से चीजें अस्त-व्यस्त रहती हैं। घरों में सीलन आदि होने लगती है और इसी के कारण बदबू भी होने लगती है।

जरूरी है कि मानसून में आप अपने साथ-साथ घर का भी पूरा ख्याल रखें। अपने घर को मेंटेन रखने के लिए आप क्या-क्या तरीके अपना सकती हैं, इसके बारे में आपने सोचा है? अगर नहीं, तो हम ऐसे ही कुछ खास तरीके आपको बताने वाले हैं, जिसके साथ आप अपने घर को व्यवस्थित कर सकती हैं और मानसून की टेंशन से दूर हो सकती हैं।

खुशबू का रखें ख्याल

मानसून के कारण घरों में से एक अजीब से महक आना शुरू हो जाती है। यह दीवारों के गीले होने के कारण होती है। ऐसे में कभी आपके घर कोई मेहमान आ जाए तो आपको कितनी फजीहत होगी। ऐसा न हो इसके लिए घर हमेशा नियमित रूप से घर की साफ-सफाई करें। इसके अलावा अपने लिविंग रूम में एक पोटपोरी रखें, जिसमें एसेंशियल ऑयल डाला जाता है। इससे आपके कमरे खुशबू से महकते रहेंगे और गंदी बदबू से आपको छुटकारा मिलेगा।

इंडोर प्लांट्स लगाएं

अब इंडोर प्लांट्स तो आपके घर में होंगे ही, लेकिन ऐसे मौसम में उन पौधों को घर पर रखें, जो घर से ह्यूमिडिटी हटा सकें। साथ ही ऐसे पौधे भी लाएं, जो कम सनलाइट में भी बढ़ सकें। अगर किसी विशेष एरिया पर ज्यादा पौधे हैं, तो उन्हें हटाकर बालकनी की तरफ ले जाएं। मानसून में पौधों पर जल्दी कीड़े लगते हैं, इसका भी ध्यान रखें और उनकी देखभाल अच्छे से करें।

कारपेट्स को करें क्लीन

मानसून में सबसे ज्यादा गंदगी आपके कालीन पर होती है। वे जल्दी नम हो जाते हैं और उनमें धूल-मिट्टी भी चिपक जाती है। इस कारण कमरे में से गंदी बदबू आने लगती है। इसे हटाने के लिए कार्पेट को रोजाना वैक्यूम क्लीनर से क्लीन करें। हफ्ते में दो बार कार्पेट की डीप क्लीनिंग करें। वहीं, ऐसा बार-बार करना न चाहते हों, तो इस मौसम में कारपेट बिछाने से बचें। यह आप आपका वक्त भी बचाएगा और घर में गंदगी भी नहीं होगी।

लकड़ी के फर्नीचर का रखें खास ख्याल

हम सब जानते हैं कि मानसून में लकड़ी के फर्नीचर कितनी जल्दी खराब होते हैं। नमी के कारण लकड़ी फूल जाती है और दीमक की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे अपने फर्नीचर को बचाने के लिए नियमित रूप से वैक्सिंग का सहारा लें। अगर आपके दरवाजे, खिड़कियां फूली हुई लगें, तो सैंडपेपर की मदद से उन्हें साफ करें। ऐसे मौसम में किसी तरह का रेनोवेशन करवाने से भी बचना चाहिए। यह चीजों को और अस्त-व्यस्त कर सकता है।

किताबों की जगह बदलें

अगर आपके घर में सामान से ज्यादा किताबें रहती हैं, तो इस मौसम में उनका भी ख्याल रखें। अपने बुक शेल्फ को ऐसी जगहों से दूर कर दें, जहां नमी जल्दी पकड़ी हो। साथी ही उनके बीच कपूर की गोलियां डालना न भूलें। आप किताबों की आलमारी में सिलिका जेल के पाउच भी रख सकते हैं। इससे मॉइश्चर में कमी आती है और यह आसानी से बाजारों में उपलब्ध भी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, घर की वायरिंग का भी खास ख्याल देना जरूरी है। मानसून में फ्लक्चुएशन बहुत होती है। शॉर्ट सर्किट न हो इसके लिए अपनी वायरिंग की जांच भी करवाएं।

लुक चेंज करने के लिए पहनें माहेश्वरी साड़ी

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब आप सही कलर और डिजाइन को इवेंट के हिसाब से वियर करते हैं।

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी साड़ी किसी खास दिन पर पहनने की बात आती है तो हम अलग-अलग डिजाइन ऑप्शन को सर्च करते हैं, ताकि सबसे अलग नजर आ सके। वहीं कई सारे लोग ऐसे होते हैं, जो इवेंट के हिसाब से साड़ी खरीदते हैं। वहीं कुछ फैब्रिक देखकर उन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। अगर आपको भी कुछ नए फैब्रिक को ट्राई करना है तो आप इसके लिए मध्य प्रदेश की फेमस माहेश्वरी साड़ी को वियर कर सकती हैं। यह सिल्क फैब्रिक से तैयार की जाती है। साथ ही, पहनने में कंफर्टेबल होती है।

माहेश्वरी गोल्डन जरी वर्क साड़ी

साड़ी डिजाइन में आप गोल्डन वर्क वाली जरी वाले पैटर्न को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी सॉफ्ट कपड़े से बनाई जाती है। इसलिए, इसे पहनना आसान होता है। वहीं इसमें जो वर्क किया जाता है वो बॉर्डर और पल्लू पर किया जाता है। इससे साड़ी और अच्छी लगती है। इसे हैवी टच देने के लिए छोटी-छोटी बूटी के डिजाइन को पूरी साड़ी में डिजाइन किया जाता है। साड़ी सिंपल सी लगती है। लेकिन जब एक्सेसरीज के साथ वियर की जाती है तो हैवी लुक देती है। आप इसे किसी भी इवेंट पर वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी।

बाटिक प्रिंट साड़ी डिजाइन

साड़ी स्टाइल करना पसंद है, तो आप बाटिक प्रिंट साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी दिखने में सुंदर लगती है। साथ ही, कॉटन साड़ी जैसा लुक देती है। आप इस तरह की साड़ी को ऑफिस या डे पार्टी में अच्छी एक्सेसरीज के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सबसे अलग नजर आएंगी। इसमें आपको प्रिंट और डिजाइन अलग-अलग मिल जाएंगे, जिससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

कॉटन सिल्क माहेश्वरी साड़ी

आप फोटो में नजर आने वाली कॉटन माहेश्वरी सिल्क साड़ी को भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन डिफरेंट होते हैं। साथ ही, स्टाइल करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल कलर के साथ बॉर्डर मिलेगा। साथ में गोल्डन जरी वर्क डिजाइन का पैटर्न मिलेगा। इससे साड़ी क्लासी नजर आएगी। आप इस साड़ी को किसी भी फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक अलग और सुंदर लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी। मार्केट जाकर इस बार सिल्क या कॉटन नहीं बल्कि माहेश्वरी साड़ी को वियर करें। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय एसी उद्योग का आकार अगले चार साल में दोगुना होने का अनुमान : ब्लू स्टार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में एयर कंडीशनर (एसी) उद्योग लगभग 27,500 करोड़ रुपए (3.3 अरब डॉलर) का है और इसके अगले चार साल में दोगुना होने की संभावना है। एसी कंपनी ब्लू स्टार ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही है। ब्लू स्टार के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) वीर एस आडवाणी ने कहा कि भारतीय एचवीएसीएंडआर (हीटिंग, वेंटिलेटिंग, एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेटिंग) उद्योग तेजी से वृद्धि के लिए तैयार है। यह वृद्धि घरेलू एसी की कम पहुंच और उच्च व्यय योग्य आय वाले मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या, विशेष रूप से तीसरी, चौथी और पांचवीं श्रेणी के शहरों के बाजारों से आने वाले उपभोक्ताओं जैसे कारकों से प्रेरित होगी। आडवाणी ने 2023-24 की सालाना रिपोर्ट में कंपनी के शेयरधारकों से कहा, भारतीय एसी उद्योग (घरेलू और वाणिज्यिक दोनों) का वर्तमान मूल्य लगभग 27,500 करोड़ रुपए है, जो अगले चार वर्षों में दोगुना होने का अनुमान है। कंपनी अपने भविष्य के व्यावसायिक परिदृश्य के बारे में आशावादी है, क्योंकि मौसम का रुझान बदल रहा है, जिससे गर्मियां बढ़ रही हैं, तथा आवासीय और वाणिज्यिक एयर-कंडीशनिंग में एक नया और मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो भी सामने आया है। आडवाणी ने कहा कि ब्लू स्टार ने अपनी मुख्य क्षमताओं को मजबूत करने, नई क्षमताएं हासिल करने, नई प्रक्रियाएं बनाने और नवीन प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए तीन वर्षीय रणनीतिक योजना शुरू की है।

जून में लगा महंगाई का झटका, थोक महंगाई दर बढ़कर 3.36 प्रतिशत पर आई

नईदिल्ली, एजेंसी। जून की थोक महंगाई दर का आंकड़ा आ गया है और ये 3 फीसदी के पार निकल गई है। खाने-पीने की चीजें महंगी होने की वजह से जून में थोक महंगाई दर 16 महीने के हाई पर पहुंच गई है। थोक महंगाई दर (होलसेल महंगाई) पिछले महीने 3.36 फीसदी पर आ गई है, मई 2024 में ये 2.61 फीसदी पर रही थी। खाने-पीने के सामान की दर मुख्य रूप से बढ़ी है जिसका असर थोक महंगाई दर पर आया है। जून में खाद्य मंहगाई दर बढ़कर 8.68 फीसदी पर आई है जो कि मई में 7.40 फीसदी पर थी। प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई दर जून में 8.80 फीसदी की दर से बढ़ी है जबकि इससे पिछले महीने ये 7.20 फीसदी पर रही थी। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 1.35 प्रतिशत से घटकर 1.03 प्रतिशत रही। मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की महंगाई भी बढ़ी है और ये जून में 1.43 फीसदी पर रही। मई 2024 में ये आंकड़ा 0.78 फीसदी पर रहा था। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं।

बजट में किसानों के लिए हो सकते हैं कई बड़े ऐलान, बढ़ सकती है केसीसी लिमिट

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई 2024 (मंगलवार) को चालू वित्त वर्ष के लिए आम बजट पेश करेंगी। इस बजट से आम जनता के साथ-साथ देश के अन्नदाताओं यानी किसानों को भी काफी उम्मीदें हैं। माना जा रहा है कि इस आम बजट में देश के अन्नदाताओं को बड़ी सौगात मिल सकती है। सूत्रों की माने तो सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है। साथ ही मोदी सरकार किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी बढ़ाने समेत कई रियायतों की भी घोषणा कर सकती है। दरअसल पार्टी से जुड़े संगठन और केंद्र सरकार को समर्थन दे रहे राजनीतिक दल भी चाहते हैं कि सरकार अन्नदाताओं के हित में बड़े फैसले ले। इससे देशभर के किसानों में यह साफ संदेश जाएगा कि सरकार कृषि को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। आइए जानते हैं बजट 2024 को लेकर किसानों की सरकार से क्या-क्या उम्मीदें हैंज.

क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने की उम्मीद

फिलहाल किसानों को क्रेडिट कार्ड पर 3 लाख रुपए का कृषि लोन 7 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर मिल रहा है, जिसमें सरकार 3 फीसदी की सब्सिडी देती है। यानी किसानों को यह लोन 4 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर मिलता है। वहीं बढ़ती महंगाई के साथ-साथ कृषि लागत में बढ़ोतरी को देखते हुए सरकार 3 लाख रुपए की सीमा को बढ़ाकर 4 से 5 लाख रुपए कर सकती है।

टैक्स दरों में कटौती संभव

बता दें कि केंद्र सरकार कृषि उपकरणों की खरीद पर जीएसटी लगाती है, जिसका किसान संगठन विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सरकार कृषि उपकरणों पर जीएसटी हटाए या फिर किसानों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ दे। सूत्रों की माने तो मोदी सरकार बजट में कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में भी कटौती कर सकती है या फिर ज्यादा सब्सिडी देने का ऐलान कर सकती है। सूत्रों की माने तो आम बजट 2024 में सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है। दरअसल मोदी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को 6,000 रुपए दे रही है। लेकिन दावा किया जा रहा है कि लगातार बढ़ रही महंगाई और किसानों की बढ़ती लागत को देखते हुए इसे बढ़ाकर 8,000 रुपए कर सकती है। फिलहाल केंद्र सरकार किसानों के खाते में 2000 रुपए की 3 किस्त ट्रांसफर करती है। पिछले महीने सरकार ने पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की थी। मोदी सरकार की इस योजना का लाभ देशभर के 11 करोड़ से ज्यादा जरूरतमंद किसानों को मिल रहा है।

बजट 2024: नई-तकनीक का इस्तेमाल

देश में हर क्षेत्र में नई तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन कृषि क्षेत्र में अभी नई तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल नहीं हो रहा है। बजट में कृषि क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी को लेकर कोई घोषणा होने की संभावना है। किसानों को उम्मीद है कि सरकार कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए कोई नया प्रोग्राम शुरू कर सकती है। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने फरवरी में पेश अंतरिम बजट में चालू वित्त वर्ष के लिए कृषि मंत्रालय का बजट बढ़ाया था। केंद्र सरकार ने कृषि मंत्रालय के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए थे। ऐसे में 23 जुलाई को पेश होने वाले आम बजट में किसानों की माली हालत सुधारने के लिए सरकार की ओर से कुछ घोषणा हो सकती है।

बासमती चावल का निर्यात 13 फीसदी बढ़ा, दो महीने में विदेश से आए 103.7 करोड़ डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय बासमती चावल की मांग विदेश में लगातार बढ़ रही है। हालांकि, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में मामूली गिरावट देखने को मिली है। एग्रीकल्चरल एंड प्रॉसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एपीडा) के आंकड़े के मुताबिक, भारत ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-मई अवधि में 103.7 करोड़ डॉलर के बासमती चावल का निर्यात किया। यह 2023-24 की समान अवधि के 91.7 करोड डॉलर की तुलना में 13.11 फीसदी अधिक है।

दरअसल, घरेलू बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार की ओर से चावल के निर्यात पर लगाए प्रतिबंधों का असर अन्य किस्मों पर पड़ा है। यही वजह है कि अप्रैल-मई में गैर-बासमती चावल का निर्यात सालाना आधार पर 13.35 फीसदी घटकर 91.9 करोड़ डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई अवधि में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात सालाना आधार पर मामूली 0.49 फीसदी घटकर 433.7 करोड़ डॉलर रह गया। 2023-24 की समान अवधि में निर्यात का यह आंकड़ा 435.8 करोड़ डॉलर रहा था।

अशोक लीलैंड को 2104 बसों का मिला बड़ा ऑर्डर, शेयर खरीदने की मची लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू वाहन निर्माता अशोक लीलैंड लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 2 प्रतिशत तक चढ़ गए। अशोक लीलैंड के शेयर आज बीएसई पर 228.50 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। कमर्शियल वाहन मैन्युफैक्चरर कंपनी अशोक लेलैंड लिमिटेड को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम से पूर्णतः निर्मित 2,104 बसों का ऑर्डर मिला है। दरअसल, अशोक लीलैंड ने एक्सचेंजों को सूचित किया कि उसे महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने वाइकिंग पैसेंजर बस की 2,104 यूनिट्स का ऑर्डर मिला है। इसकी कीमत 982 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

हिंदुजा समूह की भारतीय प्रमुख कंपनी ने कहा कि ऑर्डर जीतने से बस सेगमेंट में उसकी प्रमुख स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। कंपनी बयान के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) से मिला यह अभी तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। इन वाइकिंग यात्री बसों का निर्माण अशोक लेलैंड के विशेष 'बस बॉडी' प्लांट्स में किया जाएगा। अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी शेनू अग्रवाल ने कहा कि यह नया ठेका एमएसआरटीसी के साथ कंपनी की दीर्घकालिक साझेदारी का एक हिस्सा है। अग्रवाल ने कहा, '' यह ऑर्डर अत्यधिक कुशल तथा प्रौद्योगिकी रूप से उन्नत उत्पादों के उत्पादन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो देश में सार्वजनिक परिवहन की वृद्धि को बढ़ावा देगा।'' बसें नवीनतम सीएमवीआर मानकों के साथ बनाई जाएंगी, इसमें एआईएस 153 अनुरूप बॉडी होगी और अन्य सुविधाओं के साथ रियर एयर सस्पेंशन के साथ बीएस-6 अनुपालन भी होगा। इन बसों का निर्माण अत्याधुनिक तकनीक के साथ अशोक लीलैंड के विशेष बस बॉडी प्लांट में किया जाएगा और एमएसआरटीसी के लिए स्वामित्व की कुल लागत कम होगी। ऑर्डर को अगस्त 2024 और अगस्त 2025 के बीच 12 महीने की अवधि में एग्जिक्यूट किया जाना है।

ऑर्डर जीतने के बाद अशोक लीलैंड के शेयरों में तेजी देखी गई,। स्टॉक इंट्रा डे में 2 प्रतिशत तक बढ़कर 228.50 पर कारोबार कर रहा था। 2024 में अब तक शेयरों में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि 12 महीने की अवधि में स्टॉक में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले छह महीने में यह शेयर 30 प्रतिशत तक चढ़ा है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 245.60 रुपये है और 52 वीक का लो प्राइस 157.65 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 66,656.90 करोड़ रुपये है।

आपको बता दें कि हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड ने शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान शुद्ध लाभ 2022-23 की इसी तिमाही में 799.87 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 933.69 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन से राजस्व चौथी तिमाही में मामूली वृद्धि के साथ 13,613.29 करोड़ रुपये हो गया, जबकि 2022-23 की चौथी तिमाही में यह 13,229.50 करोड़ रुपये था।

बिलिनेयर क्लब में शामिल हुए जोमैटो के दीपिंदर गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी। फूडटेक कंपनी जोमैटो का शेयर आज बाजार खुलते ही नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया। बीएसई पर यह 4 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल के साथ 232 रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 300 प्रतिशत से ज्यादा तेजी आई है। पिछले साल जुलाई में इसकी कीमत 73 रुपये थी। कीमत में तेजी से कंपनी का मार्केट कैप भी दो लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंच गया। इससे कंपनी के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल की नेटवर्थ में भी काफी उछाल देखने को मिली। इसके साथ ही वह बिलिनयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। उनके पास कंपनी के 36.95 करोड़ शेयर यानी करीब 4.24 फीसदी हिस्सेदारी है। फोर्ब्स के मुताबिक गोयल की नेटवर्थ में 2.51 प्रतिशत की उछाल आई और यह 1.4 अरब डॉलर यानी करीब 1,17,00 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

जोमैटो ने दिल्ली और बेंगलुरु में अपने प्लेटफॉर्म की फीस प्रति ऑर्डर बढ़ाकर छह रुपये कर दी है। यही कारण है कि आज कंपनी के शेयरों में भारी तेजी आई और मार्केट खुलते ही यह चार फीसदी से अधिक तेजी के साथ ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों में 12 फीसदी तेजी आई है जबकि इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स केवल एक फीसदी चढ़ा है। पिछले महीने चार जून को यह 146.85 रुपये पर था और तबसे इसमें 58 फीसदी तेजी आई है। इस साल अब तक यह 88 प्रतिशत चढ़ा है जबकि इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में करीब 12 प्रतिशत तेजी आई है। जोमैटो दिसंबर 2022 में लिस्ट हुई और ऐसा करने वाली देश की पहली यूनिकॉर्न कंपनी थी। मिडिल क्लास फैमिली से आने वाले दीपिंदर गोयल ने साल 2006 में आईआईटी करने के बाद 'बेन एंड कंपनी' में नौकरी की। उ कंपनी का शेयर अपने इश्यू प्राइस से 53 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। पहले ही दिन यह देश की टॉप 100 कंपनियों में शामिल हो गई थी।

2 के शेयर में तूफानी तेजी, खरीदने की मची लूट, कंपनी ने किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड के शेयर कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर अपने पिछले बंद प्राइस 2.25 रुपये से 1.3 प्रतिशत बढ़कर 2.28 रुपये प्रति शेयर हो गए। बता दें कि यह इसका 52 वीक का नया हाई भी है। जबकि इसका 52-सप्ताह का निचला स्तर 0.98 रुपये है। शेयरों में आज की तेजी के पीछे कंपनी का ऐलान है। दरअसल, श्रेष्ठ फिनवेस्ट ने एक्सचेंज को सूचित किया कि कंपनी ने मेसर्स के साथ एक फैसिलिटी एग्रीमेंट किया है। श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने विकास को बढ़ावा देने के लिए फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के साथ अपनी साझेदारी का विस्तार किया है। दोनों कंपनियों ने एक फैसिलिटी एग्रीमेंट के जरिए अपने सहयोग को औपचारिक रूप दिया। यह समझौता उनके मौजूदा व्यापारिक संबंधों पर आधारित है और इसका उद्देश्य रिन्यूएबल एनर्जी और वाटर कंजर्वेशन में निवेश में तेजी लाना है। समझौते की शर्तों के तहत, श्रेष्ठ फेलिक्स को एक नए प्लांट के निर्माण में सहायता के लिए दो फेज में 50 मिलियन रुपये तक फंड देगा। यह प्लांट रिन्यूएबल एनर्जी, स्वच्छ जल और वाटर रिसाइकल टेक्नोलॉजी पर फोकस करेगा और यह आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दिए गए ऑर्डर को पूरा करेगा।

बता दें कि हाल ही में श्रेष्ठ फिनवेस्ट राइट्स इश्यू की तारीख तय की गई है। राइट्स इश्यू 4 जुलाई को खुलेगा और 18 जुलाई, 2024 को बंद होगा। कंपनी 240,000,000 इक्विटी शेयरों की पेशकश करेगी। श्रेष्ठ फिनवेस्ट राइट्स इश्यू का साइज 48 करोड़ रुपये होगा। इलिजिबल रेशियो 12ञ्29 है। बता दें कि श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड, जिसका मुख्यालय चेन्नई, तमिलनाडु में है। कंपनी सिक्योरिटीज, चल और अचल संपत्तियों, फाइनेंस, किराया खरीद और लीज पर पैसा उधार देती है। इसके शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में लिस्टेड हैं।

बिल्डरों ने शीर्ष सात शहरों में परियोजना पूरी करने का समय 20 प्रतिशत घटाया: एनारॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। सात प्रमुख शहरों में रियल एस्टेट डेवलपर्स सख्त नियमों और नवीनतम निर्माण प्रौद्योगिकियों के उपयोग के कारण एक परियोजना को पूरा करने में औसतन 18-20 प्रतिशत कम समय ले रहे हैं। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी एनारॉक ने शीर्ष सात शहरों में 2010-2019 और 2014 से लेकर 2024 की पहली छमाही के बीच शुरू की गई और पूरी की गई सभी परियोजनाओं का विश्लेषण किया। पिछले दशक में इन सात शहरों में 500 से कम इकाइयों वाली छोटी परियोजनाओं को पूरा करने में लगने वाला औसत समय चार वर्ष था, जबकि बिल्डरों को 500 से अधिक इकाइयों वाली बड़ी परियोजनाओं को पूरा करने में 4.9 वर्ष लगे।

बिल्डरों द्वारा 2010-19 की अवधि के दौरान लिया गया औसत समय छोटी परियोजनाओं के लिए 4.9 वर्ष और बड़ी परियोजनाओं के लिए 6.1 वर्ष था। इस प्रकार, समीक्षाधीन अवधि के दौरान सात प्रमुख शहरों में छोटी परियोजनाओं के पूरा होने का औसत समय 18 प्रतिशत तथा बड़ी परियोजनाओं के पूरा होने का औसत समय 20 प्रतिशत कम हो गया है। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, नियामक प्राधिकरणों द्वारा परियोजना में देरी पर लगाए गए कड़े नियम भी परियोजना के पूरा होने के समय को कम करने में एक प्रमुख कारक रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, चेन्नई में बिल्डरों ने पिछले 10 वर्षों में छोटी और बड़ी दोनों परियोजनाओं को पूरा करने में सबसे कम समय लिया। बड़ी परियोजनाओं के पूरा होने में अधिकतम समय कोलकाता में लगा, जबकि छोटी परियोजनाओं के पूरा होने में सबसे अधिक समय मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और दिल्ली-एनसीआर में लगा।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानि सोमवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपए के करीब, जबकि चांदी का वायदा भाव 92,850 रुपए के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की भी शुरुआत सुस्त रही।

सोना के वायदा भाव लुढ़के

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट आज 164 रुपए की गिरावट के साथ 73,105 रुपए के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह 73,143 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 73,144 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 73,082 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,442 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

चांदी की चमक फीकी

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 206 रुपए की गिरावट के साथ 92,903 रुपए पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 267 रुपए की गिरावट के साथ 92,842 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 92,903 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 92,828 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कामेक्स पर सोना 2419.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,420.70 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 6.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,414.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.10 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 31.16 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 31.08 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जोमैटो-स्विगी से खाना मंगाना हुआ महंगा, 20 प्रतिशत बढ़ गया प्लैटफॉर्म चार्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के प्लैटफॉर्म चार्ज बढ़ाने के बाद स्विगी ने भी इसमें इजाफा कर दिया है। अब स्विगी से भी खाना मंगाना अब थोड़ा और महंगा हो गया है। पहले जोमैटो ने फ्लैटफॉर्म चार्ज 5 रुपये से बढ़ाकर छह रुपये कर दिया। इसके बाद स्विगी ने भी 20 पर्सेंट की बढ़ोतरी कर दी। अब दोनों कंपनियां के कस्टमर्स को हर ऑर्डर पर 6 रुपए प्लैटफॉर्म फीस देनी होगी। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनियों जोमैटो और स्विगी ने बेंगलुरु व दिल्ली जैसे मार्केट्स के लिए यह प्लैटफॉर्म फीस बढ़ाई है। तीन महीने पहले भी दोनों कंपनियों ने प्लैटफॉर्म फीस बढ़ाकर 5 रुपए की थी। जोमैटो और स्विगी ने कंपनियों ने प्रॉफिटेबिलिटी बढ़ाने के लिए यह फैसला लिया है। दोनों कंपनियों ने पिछले साल से प्लैटफॉर्म फीस लेना शुरू किया था। शुरुआत में ये दोनों फूड डिलीवरी ऐप 2 रुपये प्लैटफॉर्म फीस चार्ज करती थीं। बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए और फिर 4 रुपये कर दिया था। इसके बाद 5 किया और अब एक रुपये बढ़ाकर छह रुपये कर दिया है। जोमैटो के शेयर आज नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। सुबह 225 रुपये पर खुलने के बाद 232 रुपये के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। पिछले 5 दिन में इसने 8 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। एक महीने में 20, छह महीने में 70 और इस साल अबतक 83 फीसद से अधिक यह शेयर उड़ान भर चुका है। जोमैटो के सीईओ शेयरों में उड़ान और प्लैटफॉर्म चार्ज में बढ़ोतरी की वजह से बिलेनियर क्लब में शामिल हो गए हैं। उनकी कंपनी का मार्केट कैप 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, स्विगी ने शेयर मार्केट में एंट्री नहीं की है।

संक्षिप्त समाचार

सोमालिया में कैफे के बाहर विस्फोट में पांच लोगों की मौत

मोगादिशू, एजेंसी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशू में रविवार को एक कैफे के बाहर हुए बम विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सोमाली पुलिस के प्रवक्ता मेजर अब्दिफिताह अदेन हस्सा ने बताया कि कुछ लोग कैफे के अंदर टीवी पर स्पेन और इंग्लैंड के बीच यूरोपियन चैंपियनशिप फुटबॉल मैच का फाइनल देख रहे थे तभी बाहर एक कार में विस्फोट हो गया। यह कार विस्फोटकों से भरी हुई थी। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि हमले में कम से कम 20 अन्य लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल की बताई जा रहीं कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं जिनमें विस्फोट के बाद कैफे के बाहर आग दिखाई दे रही है। चश्मदीद इस्माइल अदेन ने फोन पर बताया, कुछ दर्शक कैफे की दीवार फांदने की कोशिश करते हुए घायल हो गए जबकि कुछ भगदड़ में घायल हो गए। उन्होंने कहा कि विस्फोट के समय अधिकतर पीड़ित सड़क पर थे। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि हमले के लिए कौन जिम्मेदार है।सोमालिया की सरकार चरमपंथी समूह 'अल-शबाब' के खिलाफ आक्रामक अभियान चला रही है। इस समूह को अमेरिका ने अल-कायदा के सबसे खतरनाक संगठनों में से एक बताया है।

पाकिस्तान को अस्थिर करने वाली ताकतों को बेनकाब करने की सख्त जरूरत-शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बड़ा बयान दिया है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के आरोपों के जवाब में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश में अनिश्चितता और अस्थिरता फैलाने वाले तत्वों को बेनकाब करने की जरूरत है। ऐसे लोग देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं। शनिवार को सीनेट में पाकिस्तान मुस्लिम लीग एन के संसदीय नेता और विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष सीनेटर इरफान सिद्दीकी के साथ बैठक के दौरान उन्होंने ये बयान दिया। किसी भी दल का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बोले कि सरकार के साथ ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज, राज्य और राष्ट्रीय संस्थानों के खिलाफ चल रहे संगठित अभियान को विफल करने के लिए प्रभावी रणनीति बनानी होगी। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेश मामलों पर सीनेट की स्थायी समिति के अध्यक्ष चुने जाने पर सीनेटर इरफान सिद्दीकी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इरफान के नेतृत्व में विदेश मामलों की समिति दुनिया में पाकिस्तान की सकारात्मक, शांतिपूर्ण और रचनात्मक छवि को बढ़ावा देने पर ध्यान देगी। बता दें कि इन दिनों पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सभी मोर्चों पर सरकार का विरोध कर रही है और आरोप लगा रही है कि पीएमएल-एन ने 8 फरवरी को आम चुनाव में लोगों का जनादेश चोरी किया है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की मदद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) करेगा। हाल ही में आईएमएफ ने कर संग्रह बढ़ाने की शर्त के साथ पाकिस्तान को तीन साल के लिए सात अरब डॉलर का ऋण देने को मंजूरी दी है। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने और नकदी संकट से जूझ रहे देश का समावेशी और लचीला विकास करना है। इसमें देश की राजकोषीय और मौद्रिक नीति में सुधार, कर प्रक्रिया को मजबूत करने, देश के उद्यमों के प्रबंधन में सुधार, प्रतिस्पर्धा, निवेश प्रोत्साहन और पूंजीगत वृद्धि के साथ सामाजिक सुरक्षा समेत बेनजीर आय सहायता कार्यक्रम को बढ़ावा देना शामिल है।

नेपाल में भूस्खलन की चपेट में आई दो बसें नदी में बह गईं, 7 शव बरामद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में शुक्रवार को भूस्खलन के कारण राजमार्ग से दो बसें उफनती नदी में बह गईं, जिसके बाद कम से कम 66 लोग लापता बताए जा रहे हैं। सोमवार को बचावकर्मियों ने नदी से कुल सात शव बरामद किए हैं। बचावकर्मी नदी के किनारे अलग-अलग स्थानों पर शवों को खोजने में जुटे हुए है, जबकि लापता बसों और उनमें सवार लोगों की तलाश जारी है। सरकारी प्रशासक खीमा नंदा भूसल ने बताया कि शवों की पहचान कर ली गई है और उनके रिश्तेदारों से संपर्क किया गया है। मृतकों में तीन भारतीय हैं और बाकी चार नेपाली नागरिक हैं। जानकारी के लिए बता दें कि ये बसें काठमांडू को देश के दक्षिणी भागों से जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्ग पर थीं। शुक्रवार की सुबह काठमांडू से लगभग 120 किलोमीटर (75 मील) पश्चिम में सिमलताल के पास बस बह गई थी। बचाव प्रयासों में मदद के लिए अतिरिक्त बचाव दल और सुरक्षा बलों को इलाके में भेजा गया है। भूसल ने कहा कि एक बस में 24 लोग सवार थे जबकि दूसरी में 42 लोग सवार थे, लेकिन हो सकता है कि रास्ते में बस में और लोग सवार हो गए हों। जानकारी के लिए बता दें कि जून में शुरू होने वाला और सितंबर में खत्म होने वाला मानसून सीजन नेपाल में भारी बारिश लाता है, जिससे आमतौर पर हिमालयी देश में भूस्खलन होता है।

ट्रंप पर हमले के लिए रूस ने बाइडन सरकार को ठहराया जिम्मेदार, कहा- हम जानते थे उनकी जान को खतरा है

मॉस्को, एजेंसी। ट्रंप पर हमले के कुछ घंटे बाद ही रूस ने इसके लिए बाइडन सरकार को जिम्मेदार ठहरा दिया। रूस का कहना है कि बाइडन सरकार ने ऐसा माहौल बना दिया है, जिसकी वजह से ट्रंप पर यह हमला हुआ। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह बाहर बैठे सभी समीक्षक जानते थे कि ट्रंप की जान को खतरा है।

हमले में बाल-बाल बची ट्रंप की जान

बता दें कि रविवार को पेन्सिल्वेनिया में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर हमला हुआ। हालांकि इस हमले में ट्रंप की जान बाल-बाल बच गई और उन पर चलाई गई गोली कान छूकर निकल गई। इस हमले में रैली में मौजूद एक शख्स की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। एफबीआई ने हमलावर की पहचान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की है, जिसे मौके पर ही ढेर कर दिया गया। अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं हुआ है और इसकी जांच चल रही है।

रूस ने बाइडन सरकार पर लगाए आरोप

रूसी प्रवक्ता ने ट्रंप पर हुए हमले को लेकर कहा कि हम ये नहीं मानते कि ट्रंप पर जो हमला हुआ, उसके पीछे अमेरिका की मौजूदा सरकार है, लेकिन ये जरूर है कि मौजूदा सरकार ने ऐसा माहौल बना दिया है, जिसके चलते ट्रंप पर हमला हुआ और जिससे आज अमेरिका जूझ रहा है। पेसकोव ने कहा, ट्रंप को राजनीति से दूर करने के कई प्रयास हुए। पहले कानूनी औजारों का इस्तेमाल किया गया, फिर अदालतों का। ये स्वभाविक था कि सभी बाहरी जानकार ऐसा मानते थे कि ट्रंप की जान को खतरा है।

बाइडन ने ट्रंप पर हमले की निंदा की

हालांकि राष्ट्रपति बाइडन ने ट्रंप पर हुए हमले की निंदा की और कहा कि अमेरिका में इस तरह की या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। किसी पर जानलेवा हमला उन सिद्धांतों के खिलाफ है, जिनके लिए बतौर राष्ट्र हमारी पहचान है। ये अमेरिका नहीं है और हम ऐसा होने भी नहीं दे सकते। बाइडन ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें देश में राजनीतिक तापमान को कम करने की जरूरत है और ये याद रखने की जरूरत है कि हमारे बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम एक दूसरे के दुश्मन नहीं हैं।

ट्रंप की रैली में जान गंवाने वाला व्यक्ति था दमकलकर्मी, परिवार को बचाने में लगी गोली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले के दौरान हमलावर की गोली का शिकार हुए व्यक्ति की पहचान हो गई है। व्यक्ति का नाम कोरी कॉम्पेराटोर था और वह पेशे से एक फायर फाइटर था। पीड़ित के परिवार का कहना है कि उन्हें बचाने के चक्कर में कोरी को गोली लगी। पेन्सिल्वेनिया के गवर्नर ने कोरी को हीरो बताया है।

पेन्सिल्वेनिया के गवर्नर ने कोरी को बताया हीरो : पेन्सिल्वेनिया के गवर्रन जोश शेपिरो ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीती रात कोरी कॉम्पेराटोर के रूप में हमने पेन्सिल्वेनिया के साथी को खो दिया है। मैंने अभी उनकी पत्नी और दो बेटियों से बात की है। गवर्नर ने बताया कि कोरी नियमित रूप से चर्च जाता था और पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा समर्थक था। वह अपने समुदाय और खासकर अपने परिवार से प्यार करता था। गवर्रन ने कोरी को हीरो बताया।

रैली के दौरान ट्रंप पर हुआ था हमला : रविवार को ट्रंप की रैली के दौरान हुई गोलीबारी में कोरी की मौत हो गई थी और दो अन्य लोग घायल हुए थे। घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों घायलों की पहचान अभी तक नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों स्थानीय लोग हैं। वहीं हमलावर की पहचान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई है, जिसे हमले के तुरंत बाद सीक्रेट सर्विस स्नाइपर्स ने ढेर कर दिया था। हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूकर निकल गई।

परिवार को बचाने में गई जान : कोरी की बेटी एलिसन ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उसके पिता सबसे अच्छे थे और एक लड़की जैसा पिता चाहती है, वह वैसे ही थे। वह लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे और बहुत जल्दी लोगों को दोस्त बना लेते थे। एलिसन ने लिखा कि मीडिया आपको ये नहीं बताएगा कि वह एक सुपर हीरो की मौत मरे हैं। उन्होंने मुझे और मां को जमीन पर धक्का देकर गिरा दिया और खुद ढाल बनकर अपने सीने पर गोली खाई। कोरी के सम्मान में पेन्सिल्वेनिया के गवर्नर ने राज्य के झंडे को आधा झुकाने का आदेश दिया।

गाजा में स्कूल पर इजरायली हमले में 12 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। सेंट्रल गाजा में एक स्कूल पर इजरायली हवाई हमले में कम से कम 12 फिलिस्तीनी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। इस स्कूल में विस्थापित लोग रह रहे थे। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने नुसेरात शरणार्थी शिविर में मिसाइल से बमबारी की, जिसे संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी फॉर फिलिस्तीन रिफ्यूजीज इन द नियर ईस्ट (यूएनआरडब्ल्यूए) द्वारा संचालित किया जाता है।सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित कुछ वीडियो फुटेज में स्कूल पर बमबारी दिखाई गई है, इसमें स्कूल के कुछ हिस्से नष्ट हो गए। इस हमले पर इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। यूएनआरडब्ल्यूए ने इजरायली हमले की निंदा की और जोर देकर कहा कि गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं है।संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के सलाहकार अदनान अबू हस्ना ने सिन्हुआ को बताया, संयुक्त राष्ट्र एजेंसी अपने काम की जगह के बारे में जानकारी रोजाना इजरायली सेना को भेजती है, फिर भी सेना इसे और संयुक्त राष्ट्र दफ्तर को निशाना बनाती है। इससे एक दिन पहले खान यूनिस के मावासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के तंबुओं पर बमबारी में कम से कम 90 फिलिस्तीनी मारे गए और 300 अन्य घायल हो गए थे, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे।

उत्तर कोरिया ने द. कोरिया का टीवी शो देखने पर 30 स्कूली छात्रों की हत्या की, रिपोर्ट में दावा

सिओल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने कथित तौर पर तीस नाबालिग छात्रों की सामूहिक रूप से हत्या कर दी, क्योंकि उन्होंने दक्षिण कोरिया का टीवी शो देखा था। दक्षिण कोरिया के दैनिक समाचार पत्र जोंगआंग डेली ने अपनी खबर में यह जानकारी दी।

स्थानीय केबल टीवी चैनल चोसुन ने दक्षिण कोरिया सरकार के एक अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने पिछले हफ्ते माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को सार्वजनिक रूप से गोली मारी। छात्रों ने कथित तौर पर यूएसबी पर संग्रहित दक्षिण कोरियाई नाटक देखे थे। इन यूएसबी को कथित तौर पर पिछले महीने सिओल से गुब्बारों के जरिए उत्तर कोरिया भेजा गया था। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने रिपोर्ट की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर गुरुवार को पत्रकारों से कहा, यह सर्वविदिति है कि उत्तर कोरियाई अधिकारी प्रतिक्रियावादी विचारधारा और संस्कृति अस्वीकृति अधिनियम सहित तीन कानूनों के आधार पर लोगों को सख्ती से नियंत्रित करते हैं और उन्हें कठोर दंड देते हैं।

अधिकारी ने कहा, मंत्रालय की ओर से प्रकाशित 2024 की उत्तर कोरियाई मानवाधिकार रिपोर्ट में दक्षिण कोरियाई नाटक देखने के लिए मृत्युदंड के मामलों को भी दर्ज किया गया है। उत्तर कोरिया का प्रतिक्रियावादी विचारधारा और संस्कृति अस्वीकृति अधिनियम दिसंबर 2020 में अधिनियमित किया गया था। यह कानून दक्षिण कोरिया की मीडिया सामग्री को वितरित करने वालों के लिए मौत की सजा और दर्शकों के लिए 15 साल तक की जेल का प्रावधान करता है। इसके अलावा, यह कानून दक्षिण कोरिया की किताबों, गीतों और तस्वीरों को भी निशाना बनाता है। इस कानून के तहत दक्षिण कोरिया के भाषण या उनकी गायन शैलियों का इस्तेमाल करने के लिए दो साल तक के जबरन श्रम का भी प्रावधान है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने अपनी सीमा के भीतर दक्षिण कोरिया की संस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए उत्तर कोरिया के अधिकारियों ने करीब 17 साल की उम्र के करीब 30 नाबालिगों को आजीवन कारावास और मौत की सजा सुनाई। इस साल की शुरुआत में दक्षिण कोरियाई नाटक देखने के लिए एक 16 वर्षीय लड़के को 12 साल की जबरन मजदूरी की सजा सुनाई गई थी।

उत्तर कोरिया में जापान, कोरियन और अमेरिकन ड्रामा पर बैन है। वहां केवल रूस का सिनेमा या फिर जिसे सरकार सही मानती है, वही दिखाया जाता है। नॉर्थ कोरिया के दिसंबर 2020 में लागू हुए रिएक्शनरी आइडियोलॉजी एंड कल्चर रिजेक्शन एक्ट के तहत साउथ कोरियन मीडिया को लोगों तक पहुंचाने वाले को मौत की सजा और देखने वालों के लिए 15 साल तक जेल की सजा का प्रावधान है।

इस कानून के तहत किताबें, गीत और तस्वीरें भी शामिल हैं। इसमें एक नियम के तहत साउथ कोरिया की भाषा और गाना गाने के तरीके का इस्तेमाल करने पर दो साल तक जबरन मजदूरी कराई जा सकती है। पिछले महीने भी 17 साल के करीब 30 नाबालिगों को आजीवन कारावास और मौत की सजा सुनाई गई थी। [illegible] की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी में दो नाबालिगों के पास कोरियन वीडियो मिली थी, जिसके बाद उन्हें 12 साल की कठोर मजदूरी की सजा सुनाई गई थी।

दिलजीत दोसांझ ने जीता कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का दिल, खुद देने पहुंच गए

टोरंटो, एजेंसी। एक्टर और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ अपने गानों से सभी को अपना दीवाना बना लेते हैं। दिलजीत के फैंन्स भारत ही नहीं विदेशों में भी हैं, यही वजह है कि उनके विदेशों में हो रहे म्यूजिक टूर का जलवा फैंन्स के सिर चढ़कर बोल रहा है। दिलजीत दोसांझ ने इस समय कनाडा के टोरंटो शहर में एक म्यूजिक कंसर्ट के लिए गए हुए हैं। कनाडा के रोजर्स सेंटर में परफॉर्म कर रहे दिलजीत से मिलने के लिए खुद वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पहुंच गए। दरअसल, प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो दिलजीत के कंसर्ट में सरप्राइज विजिट पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सिंगर के साथ लाइट मूवमेंट शेयर किए और फोटो क्लिक करवाई।

विविधता हमारी शक्ति ही नहीं है, हमारा सुपर पावर- ट्रूडो : प्रधानमंत्री ट्रूडो और दिलजीत दोसांझ दोनों ने इस मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर शेयर की हैं। ट्रूडो ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, दिलजीत दोसांझ के शो से पहले उन्हें गुड लक कहने के लिए रॉजर्स सेंटर पहुंच गया। कनाडा एक महान देश है, जहां पंजाब से आया एक लड़का इतिहास बना सकता है और स्टेडियम सोल्ड आउट कर सकता है। विविधता सिर्फ हमारी शक्ति ही नहीं है, ये हमारा सुपर पावर है।

दिलजीत ने कनाडा में इतिहास रचा : बता दें कि दिलजीत ने कनाडा में इतिहास रच दिया है। वह रॉजर्स सेंटर में शो करने वाले पहले पंजाबी आर्टिस्ट बन गए हैं और इस स्टेडियम के टिकट सोल्ड आउट हो गए। दिलजीत दोसांझ अपनी सिंगिंग की शुरुआत पंजाब से करते हुए राष्ट्रीय और फिर पूरे विश्व में छाते जा रहे हैं। वहीं, ट्रूडो ने दिलजीत की टीम और क्रू से भी मुलाकात की। इस दौरान सभी पंजाबी आ गए ओए बोलते नजर आ रहे हैं।

डायवर्सिटी कनाडा की ताकत है- दिलजीत : अपने इंस्टाग्राम पर पीएम ट्रूडो से मुलाकात की वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, डायवर्सिटी कनाडा की ताकत है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इतिहास देखने आए। रोजर्स सेंटर में हमरा शो आज हाउसफुल हैं। वहीं, जस्टिन ट्रूडो ने भी दिलजीत दोसांझ की तारीफ करते हुए पोस्ट लिखी है और दोसांझ की अचीवमेंट से इंप्रेस हुए।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर आतंकवाद के 12 नए मामले दर्ज, न्यायिक राहत के बाद भी आगे की राह कठिन

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लगातार दो न्यायिक राहत मिलने के बावजूद उनकी मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। वह रविवार को भी जेल में ही रहे, क्योंकि अधिकारियों ने उन पर आतंकवाद के आरोपों सहित नए मामले दर्ज कर दिए हैं। खान को पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने रविवार को गत नौ मई को हुए दंगों से संबंधित आतंकवाद के 12 नए मामलों में गिरफ्तार कर लिया। ये दंगे पिछले साल भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद भड़के थे।

पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पंजाब पुलिस की एक टीम रविवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल पहुंची और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को आतंकवाद के 12 मामलों में गिरफ्तार कर लिया, जो मुख्य रूप से लाहौर में उनके खिलाफ दर्ज थे, जिनमें एक सैन्य अधिकारी के घर पर हमला भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पुलिस सोमवार को लाहौर में आतंकवाद निरोधक अदालत से खान की हिरासत की मांग करेगी।

जिला एवं सत्र अदालत ने शनिवार को गैर इस्लामी शादी मामले में इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की दोषसिद्धि खारिज कर दी थी। हालांकि उसके शीघ्र बाद उन्हें राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने गिरफ्तार कर लिया था। यह राहत सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक महत्वपूर्ण फैसले में यह घोषित करने के एक दिन बाद आई कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय और चार प्रांतीय विधानसभाओं में महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटों के लिए पात्र थी।

पिछले हफ्ते, लाहौर के एटीसी ने 9 मई के दंगों के तीन मामलों में खान की गिरफ्तारी से पहले की जमानत खारिज कर दी और पुलिस को पूछताछ के लिए उसकी हिरासत की अनुमति दे दी। खान पर पिछले साल 9 मई को लाहौर कोर कमांडर हाउस, जिसे जिन्ना हाउस, अस्करी टॉवर और शादमान पुलिस स्टेशन के नाम से जाना जाता है, पर हमले में उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

दर्जनों कुत्तों का उत्पीड़न कर उन्हें मारने वाले शख्स को होगी 249 साल की सजा!

कैनेबराझ, एजेंसी। ब्रिटेन के एक शख्स ने हैवानियत और क्रूरता की सभी हदें पार कर दी है। 43 साल के इस शख्स पर दर्जनों जानवरों के साथ यौन शोषण और दुर्व्यवहार का आरोप है। ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत ने इसे 249 साल जेल की सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक एडम ब्रिटन नाम के इस शख्स जानवरों के लिए दुनिया का सबसे क्रूर व्यक्ति भी बताया गया है। अदालत से उसे 40 से ज्यादा कुत्तों के साथ बलात्कार, उत्पीड़न और हत्या का दोषी पाया है।

द मिरर की रिपोर्ट के अनुसार मगरमच्छों के विशेषज्ञ एडम ब्रिटन को ऑस्ट्रेलिया में 249 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। एडम पेशे से एक जूलॉजिस्ट हैं। खबरों के मुताबिक ब्रिटन पर पिछले साल एक शिपिंग कंटेनर के अंदर जानवरों के साथ दुर्व्यवहार और यौन शोषण से संबंधित 60 आरोप हैं।एडम ब्रिटन का जन्म 1971 में वेस्ट यॉर्कशायर में हुआ था। उसने यूनिवर्सिटी ऑफ़ लीड्स में जूलॉजी की पढ़ाई की और बाद में यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रिस्टल से पीएचडी पूरी की थी। इससे पहले डार्विन विश्वविद्यालय में सीनियर रिसर्चर के रूप में काम करते समय उस पर जानवरों के साथ क्रूरता और यौन शोषण जैसे का आरोप लगाए गए थे। इसके अलावा उस पर बच्चों के साथ शोषण करने वाली चीजें रखने और उनका इस्तेमाल करने का भी आरोप है। एडम पर अब तक क्रूरता के 37 मामलों पर इल्जाम सच साबित हो चुका है।

कई चैनलों के साथ काम कर चुका है शख्स

ऐसा नहीं है कि यह कोई अनपढ़ व्यक्ति था। बीबीसी और नेशनल ज्योग्राफिक के साथ काम कर चुका एडम ब्रिटन एक प्रमुख प्राणीविज्ञानी है।

उसने पिछली साल ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। उसने बताया था कि दर्जनों कुत्तों को तब तक प्रताड़ित किया, जब तक वे मर नहीं गए।

सैकड़ों साल बिताने पड़ सकते हैं जेल में

उसने बताया था कि यह सब कैमरे में भी कैद किया था। इतना ही नहीं, ब्रिटन ने 60 आरोपों के बीच बाल शोषण सामग्री को ऑनलाइन एक्सेस करने की बात भी कबूल की थी। बता दें, एडम पर दुष्कर्म, यातना और दर्जनों कुत्तों की मौत का आरोप लगाया गया है। उसे 249 साल की जेल हो सकती है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में जब मामले की सुनवाई हो रही थी, तो न्यायाधीश ने लोगों को बाहर जाने के लिए कहा। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अपराधों का उल्लेख डरावना था। इससे किसी कमजोर दिल वाले को नुकसान पहुंच सकता था। उन्होंने इस पूरे कृत्य को जानवरों के प्रति भयावह क्रूरता करार दिया।

जब लोग अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे थे, तभी एडम के वकील ने एक नई रिपोर्ट पेश करके हलचल पैदा कर दी। वकील ने न्यायाधीश से इस रिपोर्ट पर विचार करने का अनुरोध किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेल में मनोवैज्ञानिक द्वारा करीब 30 घंटे तक उनका इलाज किया गया। इसकी रिपोर्ट में उनकी मौजूदा मानसिक स्थिति के बारे में बात की गई है।

अपने मुवक्किल की सजा में कमी करने का अनुरोध करते हुए वकील ने कहा, यह एक इंसान है जो बचपन से ही इस बीमारी से पीड़ित है ... यह उसकी गलती नहीं है। यह महत्वपूर्ण है न्यायाधीश, यह विशेष बीमारी समाजों में एक अजीब सी स्थिती पैदा कर देती है। समाज के लोग ऐसे लोगों को अपने बीच में जगह नहीं दे पाते हैं। मुझे उम्मीद है कि अदालत यह स्वीकार कर सकती है कि वयस्क होने तक इस बीमारी के साथ जीना और इसे संभालना बहुत मुश्किल रहा होगा।

सुपर यूनाइटेड रैपिड शतरंज करूआना रहे शीर्ष पर

जागरेब, क्रोसिया, एजेंसी। सुपर यूनाइटेड रैपिड शतरंज टूर्नामेंट के तीनों दिन के खेल के बाद यूएसए के विश्व नंबर 3, फबियानों करूआना, ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए कुल 15 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। इससे पहले रोमानिया क्लासिक का खिताब अपने नाम

करने वाले करूआना इस समय जोरदार लय में नजर आ रहे हैं। तीसरे दिन करूआना ने अपने तीनों मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए किसी को कोई मौका नहीं दिया और रैपिड में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने दिन की शुरुआत भारत के डी गुकेश को मात देकर की और उसके बाद नीदरलैंड के अनीश गिरि और फांस के मकसीम लागरेव को पराजित किया। अब देखना यह होगा कि क्या ब्लिट्ज शतरंज में भी वह अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हुए एक और खिताब अपने नाम करेंगे। भारत के डी गुकेश ने रैपिड में 9 अंक बनाकर सातवां और विदित ने 4 अंक बनाकर नौवां स्थान प्राप्त किया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद, फबियानों करूआना अब ब्लिट्ज शतरंज में भी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह एक और खिताब अपने नाम करेंगे।

57वां बील इंटरनेशनल शतरंज

प्रज्ञानन्दा और वैशाली करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

बील, स्विट्जरलैंड, एजेंसी। बील शतरंज महोत्सव का 57वां संस्करण इस शनिवार से शुरू हो रहा है, जो दुनिया भर के शतरंज प्रेमियों को आकर्षित करेगा। इस बार दो राउंड रॉबिन ग्रांड मास्टर्स टूर्नामेंट होंगे- जीएमटी–मास्टर्स और जीएमटी–चैलेंजर्स, जिनमें प्रत्येक में छह खिलाड़ी भाग लेंगे जो क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में मुकाबला करेंगे। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी और विश्व नंबर 8, प्रग्गनानंधा देश का नेतृत्व करेंगे साथ ही 2762 रेटिंग वाले प्रज्ञानन्दा टूर्नामेंट के टॉप सीड होंगे, इस टूर्नामेंट में प्रज्ञानन्दा के अलावा – विन्सेंट केमर (जर्मनी), लियम क्वांग ले (वियतनाम), जावोखिर सिंदारोव (उजबेकिस्तान), हाइक मार्टिरोस्यान (आर्मेनिया) और अभिमन्यु मिश्रा (यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका) भाग लेंगे। वहीं प्रज्ञानन्दा की बहन और भारत की नंबर 3 महिला खिलाड़ी आर वैशाली चैलेंजर्स वर्ग में भाग लेंगी चैलेंजर्स वर्ग में जोनास ब्जेरे (डेनमार्क), अलेक्जेंडर डोंचेंको (जर्मनी), सलेम सालेह (यूएई), मार्क एंड्रिया मौरिजी (फ्रांस), इहोर सामुनेन्कोव (यूक्रेन) भी भाग लेंगे।

कार्लोस अल्कराज ने नोवाक जोकोविच को हराकर

लगातार दूसरी बार जीता विंबलडन का खिताब

लंदन, एजेंसी। 21 साल के स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच को रविवार को खेले गए विंबलडन फाइनल में मात देकर दूसरी बार खिताब जीत लिया। विंबलडन में पिछले साल फाइनल में भी नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कराज आमने-सामने थे। लगभग 5 घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में आखिरकार बाजी अल्कराज के हाथ लगी थी। इस बार भी अल्कराज ने पिछले विंबलडन के फाइनल का नतीजा दोहराते हुए जोकोविच को 6-2, 6-2, 7-6 से मात दी। यह अल्कराज के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले कार्लोस अल्कराज ने 2022 में यूएस ओपन जीता था। पिछले साल उन्होंने विंबलडन जीता था और इस साल फ्रेंच ओपन का खिताब जीता। इसके साथ ही 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच के लिए साल 2024 में खिताब का सूखा जारी है।

गेम की शुरुआत से ही अल्कराज जोकोविच पर हावी दिखे और इस दौरान जोकोविच अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे। यही स्थिति दूसरे सेट में भी जारी रही। हालांकि, जोकोविच ने तीसरे सेट में वापसी की कोशिश की और 4-5 से पिछड़ने के बाद अगला गेम जीतकर साबित कर दिया कि वे आसानी से हार नहीं मानने जा रहे हैं। उन्होंने तीसरे सेट का छठा गेम भी अपने नाम कर लिया, जिसके बाद तीसरा सेट टाई-ब्रेकर में चला गया। जोकोविच ने टाई-ब्रेकर में भी 3-3 से गेम को बराबर करके युवा अल्कराज को बहुत आसान जीत हासिल नहीं करने दी। हालांकि, तीनों सेट में अल्कराज की निरंतरता देखने लायक थी और उन्होंने टाई-ब्रेकर को 7-4 से जीतकर विंबलडन का दूसरा खिताब अपने नाम किया। इस मैच में अल्कराज ने बैकहैंड का भी शानदार इस्तेमाल करते हुए पेस जेनरेट की और जोकोविच को लगातार बैकफुट पर रखा।

नोवाक जोकोविच ने सात बार विंबलडन खिताब जीते हैं। लेकिन, आठवां खिताब जीतकर रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी करने से चूक गए। अगर जोकोविच यह खिताब जीत जाते तो विंबलडन के इतिहास में ऐसा करने वाले सबसे ज्यादा उम्र के खिलाड़ी भी बन जाते।

आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में

भारत दोनों वर्गों में चैंपियन, बांग्लादेश दोनों वर्ग में उपविजेता रही

जयपुर, एजेंसी। मेजबान भारत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में रविवार को संपन्न आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ व जूनियर वर्ग का ख़िताब अपने नाम किया। यूथ वर्ग के खिताबी मुक़ाबले में भारत ने बांग्लादेश को 56-36 से हराया। मध्यांतर तक भारत ने 31-14 से बढ़त बना रखी थी। मालदीव को हरा नेपाल ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग के फाइनल ने भारत ने बांग्लादेश को 55-25 से हराया। हाफ टाइम तक भारत 31-16 से आगे था। नेपाल को हराकर मालदीव तीसरे स्थान पर रहा।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता व राजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र राठौड़ थे। समारोह की अध्यक्षता हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने की। जबकि विशिष्ठ अतिथि दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पांडे, पीएचएल के ओनर अभिनव बांठिया, विज्ञान लोढ़ा, आईएचएफ़ के लेक्चरर ट्यूनीशिया से समीर मैक्लॉफ़ व कुवैत से डॉ. खालिद अल्सारजी व टेबिल्टन इंडिया के निदेशक डॉ. सौरभ जैन थे।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह ने बताया कि आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ व जूनियर वर्ग में चार देशों मेजबान भारत, नेपाल, मालदीव व बांग्लादेश की टीमों ने भाग लिया। जबकि निर्णायक कतर व कुवैत से आये थे। जबकि आईएचएफ़ के लेक्चरर ट्यूनीशिया से समीर मैक्लॉफ़ व कुवैत से डॉ. ख़ालिद अल्सारजी आये। सभी देशों के खिलाड़ी व ऑफिशियल्स ने इस पाँच दिवसीय टूर्नामेंट आयोजन की बहुत बहुत प्रशंसा की।

उन्होंने बताया कि यह जयपुर में चौथी अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी। इससे पहले 1996 में पहली दक्षिण एशियाई हैंडबॉल चैंपियनशिप (पुरुष व महिला), 2011 में आईएचफ़ इंटर कांटीनेंटल ट्रॉफी व 2019 में एशियन यूथ महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें दस देशों की टीमों ने भाग लिया था।

यूथ वर्ग में मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर भारत के नवदीप को अतिरिक्त कमिश्नर इनकम टैक्स राजेंद्र शेखावत पुरस्कार दिया। जूनियर वर्ग के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर भारत के अनूप को हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला व पीएचएल के ओनर अभिनव बाँठिया ने पुरस्कार दिया।

स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया और चौथी बार जीता यूरो खिताब

बर्लिन, एजेंसी। सब्स्टीट्यूट मिकेल ओयारज़ाबल ने समय से चार मिनट पहले गोल करके स्पेन को रविवार को इंग्लैंड पर 2-1 की यूरो 2024 की जीत और रिकॉर्ड चौथी बार यूरोपीय खिताब दिलाया, जबकि गैरेथ साउथगेट की टीम लगातार दूसरे फाइनल में हार गई। ओयारज़ाबल ने मार्क कुकुरेला के साथ मिलकर विजयी गोल के लिए तेजी से जवाबी हमला किया, जिससे स्पेन को चैंपियन का ताज पहनाया गया, जिसने टूर्नामेंट में खेले गए सभी सात मैच जीते थे। पहला हाफ दोनों टीमों के प्रयासों के बावजूद गोलरहित रहा। मैच के तीनों गोल दूसरे हाफ में हुए। बेहद सतर्क पहले हाफ के बाद जहां स्पेन के पास अधिक कब्ज़ा था और उनके विरोधियों को लक्ष्य पर एकमात्र शॉट मिला। दूसरे हाफ में खेल फिर से शुरू होने के बाद स्पेनियों को गतिरोध तोड़ने में केवल दो मिनट लगे। किशोर लेमिन यामल को दाहिनी ओर जगह मिली और साथी विंगर निको विलियम्स को क्रॉस दिया जिन्होंने गोल दागने में कोई गलती नहीं की जिससे इंग्लैंड लगातार चौथे मैच में पिछड़ गया।

इसके बाद स्पेन ने कई हमलों के साथ इंग्लैंड की पहले से ही मजबूत रक्षा पंक्ति को तोड़ दिया। इंग्लैंड के बॉस गैरेथ साउथगेट ने एक घंटे के बाद अप्रभावी हैरी केन के स्थान पर सेमीफाइनल के गोलस्कोरिंग स्थानापन्न नायक ओली वॉटकिंस को भेजकर प्रतिक्रिया व्यक्त की, पिछले महीने के उनके सबसे रचनात्मक खिलाड़ी कोल पामर 10 मिनट बाद उनके साथ शामिल हो गए।

इसका फ़ायदा लगभग तुरंत ही मिला जब जूड बेलिंगहैम ने गेंद को वापस पामर के रास्ते में डाल दिया और स्थानापन्न खिलाड़ी ने 73वें मिनट में 20 मीटर का एक सटीक शॉट लगाकर बराबरी का गोल दाग दिया। इंग्लैंड के प्रशंसकों की भीड़, जिनकी संख्या उनके प्रतिद्वंद्वियों से काफी अधिक थी, में विस्फोट हो गया और रात का पूरा माहौल बदल गया। हालाँकि, स्पेन ने तूफ़ान का सामना किया और 68वें मिनट में आए ओयारज़ाबल ने हमला कर दिया। दूसरे छोर पर अभी भी अधिक नाटक का समय था क्योंकि स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन ने एक कोने से डेक्लान राइस के हेडर को रोक दिया और दानी ओल्मो ने मार्क गुही के फॉलो-अप को लाइन पर रोक दिया। इंग्लैंड को बराबरी से मिली राहत ज्यादा देर तक टिकी नहीं रह सकी। स्थानापन्न मिकेल ओयारज़ाबल ने निर्धारित समय से चार मिनट पहले स्पेन के लिए विजयी गोल दाग कर इंग्लैंड की उम्मीदों को फिर तोड़ दिया।

श्रीलंका सीरीज के लिए

गौतम गंभीर और अजीत अगरकर में इन बिंदुओं पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली जीत के बाद भारतीय क्रिकेट टीम को अब श्रीलंका का दौरा करना है। टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 और वनडे सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के साथ गौतम गंभीर भी टीम के साथ हेड कोच के तौर पर जुड़ जाएंगे। सीरीज में भारत के अगले कप्तान को लेकर बड़ी उत्सुकता है। हार्दिक पांड्या टी20 विश्व कप में भारत के उप-कप्तान थे। उन्होंने रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में टी20 टीम की कप्तानी भी की है, लेकिन आईपीएल में मुंबई इंडियंस में उनकी फीकी वापसी ने चीजों को पहले की तुलना में बदला है। आईपीएल में हार्दिक की कप्तानी को लेकर काफी आलोचनाएं झेलनी पड़ी थी। ऐसे में गौतम गंभीर और भारतीय क्रिकेट के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच कप्तान को लेकर काफी चर्चा होने की उम्मीद है। जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव भी कप्तानी के दावेदार हैं। ऋषभ पंत की बढ़िया वापसी, उनकी कम उम्र भी उन्हें कप्तानी के लिए पसंदीदा बनाती है। इसलिए श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में यह अभी भी अस्पष्ट है कि हार्दिक को फुल-टाइम कप्तान बनाया ही जाएगा। हालांकि टी20 विश्व कप के बाद हार्दिक को लेकर नजरिया तेजी से फिर बदला है।

भारत को श्रीलंका में तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलनी है जहां रोहित शर्मा को आराम दिए जाने के चांस है। ऐसे में टीम के पास केएल राहुल भी हैं। ऋषभ पंत की वापसी के बाद राहुल के रोल को लेकर गंभीर-अगरकर में चर्चा हो सकती है। केएल राहुल ने वनडे विश्व कप में विकेटकीपिंग और बल्लेबाज में शानदार काम किया था। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड को लेकर भी मंथन हो सकता है।

अर्जेंटीना ने रिकॉर्ड 16वीं बार जीता कोपा अमेरिका कप

मियामी, एजेंसी। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में टूर्नामेंट के फाइनल में कोलंबिया पर 1-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना ने अपनी कोपा अमेरिका ट्रॉफी का सफलतापूर्वक बचाव किया। अर्जेंटीना 16 बार इस खिताब पर कब्जा जमाने में कामयाब हुआ और उसकी यह लगातार चौथी जीत है। मैच के दौरान अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के टखने में चोट लगने के कारण उन्हें मैच के दूसरे हाफ में बाहर होना पड़ा। दर्द और फाइनल मैच का जुड़ाव इतना था कि मेसी जब मैदान से बाहर जा रहे थे तो उनके आंखों में आंसू थे। निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद स्टॉपेज टाइम में भी मुकाबला गोल रहित रहा, लेकिन सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर उतरे मार्टिनेज ने अतिरिक्त समय में गोल दाग कर टीम को बढ़त दिलाई जो अंत तक बरकरार रही। मार्टिनेज का यह टूर्नामेंट का पांचवां गोल था और वह गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे रहे। यह अर्जेंटीना की लगातार तीसरी मेजर टूर्नामेंट ट्रॉफी थी (2021 कोपा अमेरिका, 2022 फीफा विश्व कप) जिससे यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली दक्षिण अमेरिकी टीम बन गई।

सचिन तेंदुलकर ने दी अल्काराज को खिताब जीतने पर बधाई, कहा- अब टेनिस पर एक ही राज करेगा..

टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट विंबलडन 2024 के पुरुष एकल मुकाबले में अल्काराज ने जोकोविच को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। स्पेन के टेनिस स्टार ने सीधे सेटों में जोकोविच को 6-2, 6-2, 7-6 से करारी शिकस्त दी। अल्काराज की ऐतिहासिक जीत पर क्रिकेट के भगवान ने भी उन्हें बधाई दी।

अल्काराज को मिली कामयाबी

इस मुकाबले में अल्काराज ने सर्बियाई स्टार को सीधे सेटों में हरा दिया। उन्होंने अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इसके अलावा अपने पिछले ग्रैंड स्लैम खिताब का बचाव किया। 36 वर्षीय सर्बियाई स्टार के पास अपनी पिछली हार का बदला लेने का सुनहरा मौका था। हालांकि, वह इसे भुना नहीं पाए और अल्काराज ग्रैंड स्लैम खिताब का बचाव करने में कायमाब रहे।

भारत के महान बल्लेबाज ने दी बधाई

अल्काराज को उनको ऐतिहासिक जीत के लिए सचिन तेंदुलकर ने बधाई दी। उन्होंने कहा, अबसे टेनिस पर एक ही राज करेगा, वो है अल्काराज। विश्व स्तरीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सीधे सेटों में विंबलडन का फाइनल जीतना कोई मजाक नहीं है। उस तरह की गति, शक्ति, प्लेसमेंट और ऊर्जा के साथ, ऐसा लगता है कि आने वाले वर्षों में यह कार्लोस अल्काराज के लिए फायदेमंद होने वाला है। जोकोविच को उनकी शालीनता और जीत और हार में जिस तरह से उन्होंने खुद को पेश किया है, उसके लिए सलाम। मेरे लिए यही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है।

सितारों के दिखावे पर राजीव खंडेलवाल के बेबाक बोल...

मुझे नहीं लगता किसी भी स्टार को साथ चार बंदे लेकर चलने की जरूरत

एक्टर राजीव खंडेलवाल इन दिनों अपनी वेब सीरीज शोटाइम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह वेब सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज कर दी गई है। हाल ही में एक्टर ने शो और इंडस्ट्री में सितारों की दिखावटी चकाचौंध को लेकर बात की है। राजीव खंडेलवाल ने कहा- अभी तो मेरा शोटाइम आना बाकी है या मेरा शोटाइम चल रहा है। वह चाहे अच्छे दौर से गुजर रहे हों या बुरे दौर से। उनके दिमाग में उनका शोटाइम चलता रहता है। मैंने टीवी से लेकर ओटीटी और फिल्म हर जगह काम किया। जब मैं मुड़कर देखता हूं तो मुझे खुशी होती है कि मुझे अलग-अलग माध्यमों में लोगों ने अलग-अलग भूमिकाओं में स्वीकार किया। ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए पिछले 20 वर्ष से शोटाइम ही चल रहा है। एक्टर ने आगे कहा- मैं कभी नकली बन नहीं पाया, क्योंकि मैंने जब भी नकली बनने की कोशिश की, मैं उसमें सहज नहीं रह पाया।

मुझे महसूस हुआ कि वह दिखावे की जिंदगी मैं संभाल नहीं पाऊंगा। जब मुझे कोई बोलता है कि आपको तो काफी पसंद किया जा रहा है तो मुझे लगता है कि वह झूठ बोल रहा है। कोई मुझे नहीं, मेरे पात्र को पसंद कर रहा है। शोबाजी वाला मेरा स्वभाव भी नहीं है। इसलिए मुझे कभी इस बात की टेंशन नहीं हुई कि मुझे एयरपोर्ट या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर अपने साथ चार बंदे चाहिए। मेरी निर्माताओं के साथ कोई सहानुभूति नहीं है, एक्टर्स बिल्कुल गलत नहीं कर रहे हैं। एक्टर्स को स्टार आपने ही बनाया है, आपने ही उनकी सारी मांगें पूरी करके स्टारडम का राक्षस खड़ा किया है। अब, जबकि उन्हें संभाल नहीं पा रहे हैं तो शिकायत कर रहे हैं। मैं हमेशा से इस मामले में प्रायोगिक रहा हूं कि किसी भी कलाकार को इतनी बड़ी टीम लेकर चलने की जरूरत नहीं है। दिन-ब-दिन मांग बढ़ना तो मानवीय स्वभाव है। आपको ही उन्हें नियंत्रण में रखना चाहिए था।

मैं यह भी कहूंगा बदलाव आना जरूरी है। मगर जो गलत है, वो हमेशा ही गलत रहेगा। इसके अलावा राजीव ने कहा- (हंसते हुए) वो दर्शकों के ऊपर है कि दर्शक उसका क्या मतलब निकलते हैं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि मेरी भूमिका किसी एक सितारे पर आधारित नहीं है। मेरा पात्र उस स्टारडम को दिखाता है, जो हम इंडस्ट्री में 20-30 वर्षों से देखते आ रहे हैं। अगर आप गौर से इस पात्र को देखेंगे तो यह हमारी इंडस्ट्री के अलग-अलग सुपरस्टार्स से प्रेरित है।

तुममें हीरोइन वाली बात नहीं...

रिजेक्शन पर छलका साउथ एक्ट्रेस का दर्द

बॉलीवुड हो या फिर साउथ, नए कलाकारों के लिए सिनेमा जगत में अपनी पहचान बना पाना काफी मुश्किल होता है। कई कड़ी मेहनत करके आगे बढ़ जाते हैं और इंडस्ट्री में नया मुकाम हासिल करते हैं तो कई हताश और निराश होकर एक्टिंग का सपना ही छोड़ देते हैं। ऐसे में आज आपको साउथ की उस एक्ट्रेस के बारे में बता रहे हैं, जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं लेकिन करियर के शुरुआती दौर में उन्हें खूब ताने मिले थे। यहां तक उनके लुक को लेकर कहा जाता था कि वो एक्ट्रेस जैसी नहीं लगती हैं तो समय बर्बाद ना करें। दरअसल, साउथ की वो एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि ऐश्वर्या राजेश हैं। आज वो सिनेमा जगत में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। लेकिन, उनके लिए यहां तक का सफर आसान नहीं था। आज वो जिस मुकाम पर हैं यहां तक आने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। उन्होंने काफी स्ट्रगल किया है। उन्होंने तमिल, कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में एक्टिंग का लोहा मनवाया है। पिछले साल 2023 में उनकी पांच फिल्में रिलीज हुई थीं और अब उन्होंने कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू किया था। मगर स्टार और सफल एक्ट्रेस बनने के लिए ऐश्वर्या राजेश को काफी रिजेक्शन झेलना पड़ा था। उनसे कहा गया था कि वो हीरोइन बनने लायक नहीं हैं।

20 की उम्र में किया था 2 बच्चे की मां का रोल

ऐश्वर्या राजेश जब 20 साल कीं थीं, तो उन्होंने तमिल फिल्म में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन, इसमें उन्होंने 2 बच्चों की मां का रोल प्ले किया था। इस फिल्म में उनका ऐसा रोल था, जिसे पहले कई हीरोइनों ने ठुकरा दिया था और आज कोई भी बड़ी हीरोइन उस रोल को करने के लिए हिचकेगी।

जोशीमठ भूस्खलन में फंसने के बाद सुरक्षित रवाना हुई कविता कौशिक

उत्तराखंड में बीते दिनों भूस्खलन हुआ था, जिसमें एफआईआर फेम एक्ट्रेस कविता कौशिक फंस गई थी लेकिन अब एक्ट्रेस सुरक्षित है। कविता बद्रीनाथ से जोशीमठ के रास्ते में फंसी थी, जहां उन्हें चार दिनों तक मिलिट्री कैंप में रहना पड़ा। सुरक्षित बाहर निकलने के बाद वह काशीपुर की तरफ रवाना हुई। वहां उन्हें एक स्कूल समारोह में हिस्सा लेना है। कविता 30 जून को अपने पति रोनित बिस्वास, भाई और पालतू कुत्ते के साथ उत्तराखंड की सैर करने के लिए निकलीं थी। 5 जुलाई को उन्होंने बद्रीनाथ के दर्शन किए। भूस्खलन और खराब मौसम के कारण एक्ट्रेस आगे नहीं बढ़ पाई और उन्हें माना स्थित मिलिट्री कैंप में ठहरना पड़ा।

इन सितारों का अपने ही परिवार के साथ रहा 36 का आंकड़ा

किसी की पिता से हुई बहस तो कोई भाई से भिड़ा

बॉलीवुड सितारों फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। अक्सर इन सितारों का इंडस्ट्री के अन्य सितारों के साथ मदभेद चलता रहता है, लेकिन क्या आपको पता है कि कुछ सितारे ऐसे भी है, जो अपने साथ काम करने वाले लोगों ही नहीं, बल्कि खुद के परिवार से भी लड़ चुके हैं। इंडस्ट्री में कई सितारे ऐसे हैं, जिनका अपने परिवार के सदस्य के साथ मनमुटाव रहा है, किसी का अपने पिता के साथ तो कोई अपने भाई को लेकर विवादों में रहा। ऐसे में चलिए आज आपको हम बताते हैं, उन सितारों के बारे में, जो अपने ही परिवार के सदस्य के साथ पंगा ले चुके हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी

इस लिस्ट में पहला नाम मल्टी टैलेंटेड स्टार नवाजुद्दीन सिद्दीकी का है। नवाज अपने पारिवारिक मनमुटाव को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। बीते दिन एक्टर की पत्नी आलिया ने उन पर यौन शोषण और घरेलु हिंसा जैसे गंभीर आरोप लगाए। यह मामला कोर्ट तक पहुंचा और नवाज की खूब फजीहत हुई। इतना ही नहीं नवाज के भाई शमास नवाब सिद्दीकी भी उन पर पावर का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगा चुके हैं। नवाब ने कहा था कि नवाजुद्दीन ने अपने भाइयों का करियर नहीं बनने दिया।

प्रतीक बब्बर

एक्टर प्रतीक बब्बर अपने ही पिता राज बब्बर से अच्छे रिश्ते ना होने की खबरों को लेकर लाइमलाइट में रहे थे। प्रतीक ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि पिता राज ना तो उनसे मिलते थे और ना ही कभी उनका हालचाल लेते थे। ऐसे में एक्टर का बचपन बिना पिता के प्यार के बीता। इतना ही नहीं प्रतीक ने तो अपना सरनेम तक हटाने की ठान ली थी, लेकिन वक्त के साथ सबकुछ सही गया।

कंगना रणौत

कंगना रणौत आज बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। हालांकि, एक्ट्रेस यह खुलासा कर चुकी हैं कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में आने की ठानी थी तो उनके पिता इसके सख्त खिलाफ थे। बावजूद इसके भी कंगना ने बी-टाउन का रुख किया। उस वक्त उनके अपने पिता से रिश्ते बेहद खराब हो गए थे। हालांकि, अब कंगना का स्टारडम देखकर उनके पिता बेहद खुश हैं।

अमीषा पटेल

इस लिस्ट में अमीषा पटेल का भी नाम शामिल है। अमीषा ने वर्ष 2004 में अपने ही परिवार पर पैसों के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया था। इतना ही नहीं इसकी खातिर एक्ट्रेस अपने परिजनों को कोर्ट तक ले गई थीं। हालांकि, समय के साथ यह पारिवारिक मसला सुलझ गया और एक्ट्रेस ने इसे लेकर आगे कुछ नहीं कहा।

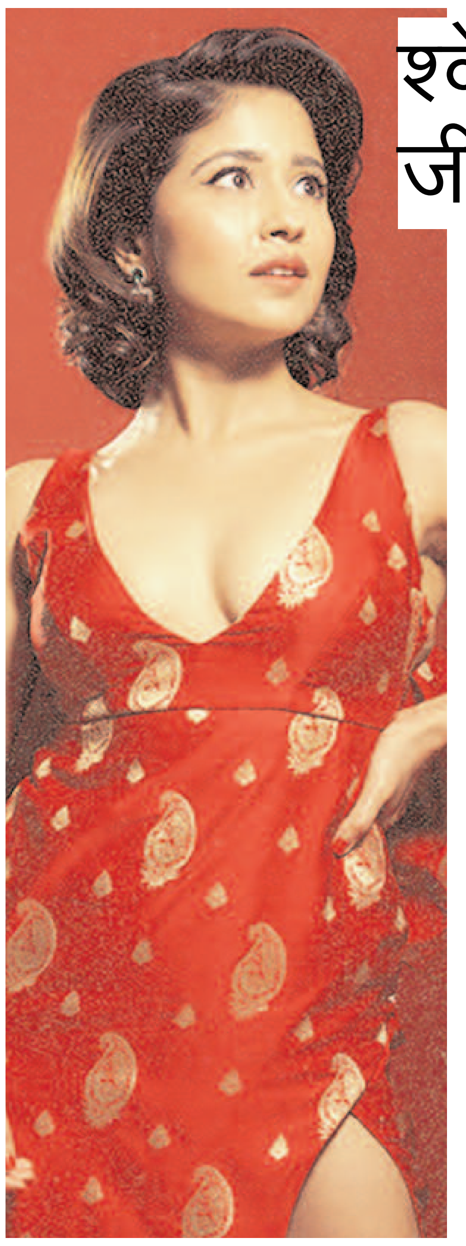

श्वेता त्रिपाठी शर्मा को वास्तविक जीवन से अलग किरदारों की तलाश

बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी शर्मा इन दिनों काफी चर्चा में हैं। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई मिर्जापुर सीजन-3 में उनके काम को काफी सराहा जा रहा है। उन्होंने वो अपने आसपास लगातार ऐसे किरदारों और कहानियों की तलाश में रहती हैं, जो उनकी वास्तविक जिंदगी से बिल्कुल अलग होती है। मेरी निजी जिंदगी मिर्जापुर में निभाए गए किरदार से बिल्कुल अलग है। मैं एक बेहद जिंदादिल और खुशमिजाज लड़की हूं और हमेशा ऐसे ही रहना चाहती हूं। श्वेता ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद से दर्शकों की रूचि में काफी बदलाव हुए हैं। वो अलग तरह का सिनेमा पसंद कर रहे हैं। एक कलाकार होने के नाते मैं उन कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसमें ड्रामा हो, किरदार में दर्द और गुस्सा जैसी भावनाएं हो। मैं स्क्रीन पर अपने किरदार को जीने और उसे अनुभव करने की कोशिश करती हूं। बता दें कि श्वेता त्रिपाठी शर्मा ने मिर्जापुर वेब सीरीज में गोलू का किरदार निभाया है। सीरीज में गोलू अपनी बहन स्वीटी गुप्ता और प्रेमी बबलू पंडित की मौत का बदला लेना चाहती है। उसे कालीन भैय्या और उसके बेटे मुन्ना त्रिपाठी से बदला लेने के लिए हथियार उठाना पड़ता है। गोलू के किरदार को पहले और दूसरे सीजन में दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती के साथ फोटो शेयर कर कहा- मुझे बस यही चाहिए था

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनास ने रविवार को सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के साथ एक तस्वीर शेयर की जिसमें बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास उनकी गोद में है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दो दिन में दुनिया भर में 42 से ज्यादा घंटों की यात्रा के बाद, मुझे बस यही चाहिए था।

ऐश्वर्या की खूबसूरती की दीवानी हुई किम कार्दशियन, एक्ट्रेस संग ली सेल्फी

हॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेसेस किम और क्लो कार्दशियन इन दिनों इंडिया आई हुई हैं। दरअसल, कार्दशियन सिस्टर्स बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के बेटे की शादी अटैंड करने के लिए यहां आई हैं, जहां दोनों देसी लुक में हर फंक्शन को जमकर एंजॉय करती नजर आ रही है। बीती रात क्लो और किम ने अनंत-राधिका की आशीर्वाद सेरेमनी अटैंड की, जहां उनकी मुलाकात एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय से हुई। अब किम ने बॉलीवुड हसीना संग अपनी तस्वीर सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। किम कार्दशियन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर मिस यूनिवर्स रह चुकीं एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय संग एक सेल्फी शेयर की, जिसे उन्होंने अंबानी के फंक्शन में क्लिक किया था। तस्वीर में हॉलीवुड और बॉलीवुड एक्ट्रेसेस ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं और कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। इस फोटो को शेयर कर किम ने लिखा- क्वीन, ऐश्वर्या राय। तस्वीर में किम कार्दशियन ऐश्वर्या राय की खूबसूरती की जमकर तारीफ करती नजर आ रही हैं। बता दें, लॉस एंजिलस से इंडिया आईं किम और क्लो ने अनंत-राधिका की शादी और आशीर्वाद सेरेमनी में लहंगा पहना था और उसके साथ मैचिंग नेकलेस पहने नजर आई थीं।

जल्द ही अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी ऋचा

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा प्रेग्नेंसी के आखिरी फेज को एंजॉय कर रही हैं। वह जल्द ही पति फरहान अख्तर के पहले बच्चे को जन्म देंगी। ऐसे में एक्ट्रेस भी मां बनने को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर कर आने वाले बेबी के लिए एक खास पोस्ट लिखा है, जो खूब वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर करते हुए ऋचा चड्ढा ने कैप्शन में लिखा- बेचैनी अकेलेपन की है, लेकिन ऐसा इसलिए है, क्योंकि मैं अकेली नहीं हूं। मेरे पास लगातार ऐसी चीजें हैं जो मुझे याद दिलाती रहती हैं, जैसे एक छोटी सी हलचल, एक घुटना, एक अचानक लात, ऐसा अहसास कि कोई सुन रहा है... एक कली के खिलने का इंतज़ार।

अमीषा पटेल ने मुझे फिल्म से निकलवा दिया था: इमरान हाशमी

फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने एक्टर इमरान हाशमी यूं तो किसी विवादों में नहीं पड़ते, लेकिन जब वह कोई टिप्पणी करते हैं तो अक्सर चर्चा में आ जाते हैं। अब हाल ही में इमरान हाश्मी ने एक्ट्रेस अमीषा पटेल को लेकर चौकाने वाला खुलासा किया और बताया कि उन्होंने (एक्ट्रेस ने) उन्हें एक फिल्म से निकलवा दिया था। इसके साथ ही एक्टर ने यह भी बताया कि फिल्म से निकाले जाने के बाद उन्होंने क्या किया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में इमरान हाशमी ने बताया कि उनकी पहली फिल्म ये जिंदगी का सफर होने वाली थी। पहले इसमें गोविंदा लीड रोल में थे, लेकिन बाद में उन्हें साइन किया गया। पर फिर इमरान को भी इस फिल्म से हटवा दिया गया था।

-साभार एजेंसी